नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15
अंक : 41
सोमवार, 24 से 30 नवम्बर 2025
मूल्य : 5 रूपए
रू 250 वार्षिक

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

www.ncrsamacharlive.in
twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

दिल्ली एमसीडी उपचुनावः मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया मतदान... 03

पाकिस्तान की चाल नाकाम, ऑक्सफोर्ड में बहस से भागकर... 08

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 17 रनों से हराया 10

हेल्थ का आईना पैर 11

महिला-प्रधान फिल्म होगी कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म 12

इस्माईल खान

सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक

रिजिजू बोले-ठंडे दिमाग से काम करें तो देश का फायदा

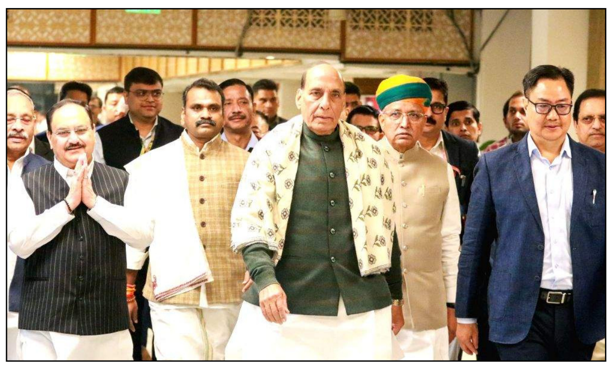

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से एक दिन पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई जिसमें दोनों सदनों के विधायी कार्यों और विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की गई। इस बैठक में सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में सदन के नेता एवं स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए। विपक्ष से कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, कोडिकुनिल सुरेश, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन, समावादी पार्टी के राम गोपाल यादव, द्रमुक के तिरुचित शिवा और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए।

ठंडे दिमाग से काम करें...: किरेन रिजिजू

सर्वदलीय बैठक से पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, ' आज हम सिर्फ व्यापार, कुल कितने दिन हैं और कितने सत्र चलेंगे इसको हम बताएंगे। बाकि तो हम विपक्ष को सुनेंगे। शाम को व्यापार सलाहकार समिति की बैठक है 4 बजे लोकसभा और 5 बजे राज्यसभा का है। दोनों में हम अपना व्यापार पर मुद्दे पेश करेंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि कल से शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है तो सभी ठंडे दिमाग से काम करें और ज्यादा गरमा गरम बहस न हो। ठंडे दिमाग से काम करेंगे तो देश का फायदा है और संसद भी अच्छी तरह चलेगी।

एसआईआर के सवाल पर उन्होंने कहा कि कौन-कौन से मुद्दे लाए जाएंगे इस पर मैं अभी चर्चा नहीं कर सकता हूं। हम चाहते हैं कि पहले हम विपक्ष की बात सुने और उसके बाद हम अपनी बात रखेंगे।

वोट चोरी का मुद्दा उठाएगा विपक्षः कांग्रेस

सर्वदलीय बैठक से पहले कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने रविवार को कहा कि विपक्ष निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत से सत्तारूढ़ बीजेपी द्वारा कथित तौर पर वोट चोरी किए जाने का मुद्दा उठाएगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि जब लोकतंत्र की हत्या की जा रही हो और सिर्फ वोट चोरी नहीं, बल्कि वोट डकैती की जा रही हो, तो यह एक मुद्दा अहम होगा। उनका कहना था, जब लाल किले के पास विस्फोट हो रहा है, तो यह एक मुद्दा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति विफल हो गई है। ये सभी मुद्दे उठाए जाएंगे।

सर्वदलीय बैठक पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा,"हम उम्मीद करेंगे कि सरकार की चुनाव के आगे जाकर सोचे, जीडीपी, एसआईआर को लेकर जो लोगों के मन में चिंता है उस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए।

एसआईआर पर होनी चाहिए बातः प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'मैं उम्मीद करती हूं कि आने वाला सत्र सफलापूर्ण संपन्न सत्र होगा। जिसमें देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। हम देख रहे हैं कि रक्क्ष प्रक्रिया के दौरान कितने बीएलओ दबाव में काम कर रहे हैं। वोट चोरी को लेकर भी पदार्फाश किया गया है। राहुल गांधी ने भी हरियाणा का हवाला देते हुए कई मुद्दे उठाए हैं। यही सारे मुद्दे हैं चाहें वो प्रदूषण का मुद्दा हो या मिलावटी खाने का, जो विपक्ष के मुद्दे हैं, उन पर भी हमें चर्चा करने का मौका मिलेगा मैं इसकी उम्मीद करती हूं।' संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है और 19 दिसंबर को समाप्त होगा।

चुनाव संसद में सरकार को घेरने की रणनीति पर कांग्रेस की बैठक

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की अध्यक्षता में रविवार शाम को पार्टी की संसदीय रणनीतिक समूह की बैठक हुई जिसमें मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) दिल्ली कार बम विस्फोट और दिल्ली में वायु प्रदूषण जैसे कई मुद्दों पर पूरे विपक्ष को साथ लेकर सरकार को घेरने की रणनीति पर विचार किया गया।

श्रीमती गांधी के आवास पर हुई इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पी चिदंबरम, गौरव गोगोई, के सुरेश, मनीष तिवारी, मणिकम टैगोर, प्रमोद तिवारी सहित कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया।

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में नवाचार, खेल और कृषि उत्पादन पर साझा किए अपने विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हाल के कई घटनाक्रम भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति को दशार्ते हैं। आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में श्री मोदी ने कहा कि हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन एमआरओ सुविधा का उद्घाटन हो या आईएनएस माहे का भारतीय नौसेना में शामिल होना या फिर देश में स्काईरूट के इनफिनिटी परिसर की शुरूआत, ये सभी इसी बात के प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने 35 करोड़ 7 लाख टन अनाज के उत्पादन के साथ ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, जो कृषि क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। श्री मोदी ने कहा कि भारत का अनाज उत्पादन पिछले 10 वर्ष में 10 करोड़ टन बढ़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलना भारत के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि ये देश और देशवासियों की उपलब्धियां हैं। श्री मोदी ने कहा कि यह महीना कई प्रेरणाएं लेकर आया है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस पर संसद के केंद्रीय कक्ष में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ की शुरूआत देशव्यापी कार्यक्रमों के साथ हुई। उन्होंने कहा कि इस महीने की 25 तारीख को अयोध्या के राम मंदिर में धर्मध्वजा फहराई गई और उसी दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पांचजन्य स्मारक का उद्घाटन किया गया।

श्री मोदी ने कहा कि यह महीना भारत में खेलों के लिहाज से बेहद सफल रहा है। भारतीय महिला टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप जीता। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले ही टोक्यो में डेफलिंपिक्स में भारत ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20 पदक जीते। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला खिलाड़ियों ने कबड्डी विश्व कप जीतकर इतिहास रचा और देश की खिलाड़ियों ने विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 20 पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। श्री मोदी ने बताया कि भारतीय महिला टीम ने एक भी मैच हारे बिना दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप जीता। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय खेल इतिहास की यह सबसे बड़ी जीत है, जो हर भारतीय को प्रेरित करती रहेगी। श्री मोदी ने कहा कि आजकल देश में एंड्योरेंस स्पोर्ट्स की नई खेल संस्कृति भी तेजी से उभर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले तक मैराथन और बाइकथॉन जैसे विशेष आयोजन कुछ चुनिंदा लोगों तक ही सीमित थे, लेकिन अब बहुत कुछ बदल गया है। देश भर में अब हर महीने डेढ़ हजार से ज्यादा एंड्योरेंस स्पोर्ट्स आयोजित किए जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में शीतकालीन पर्यटन की अपार संभावानाएं हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन लोगों को आकर्षित कर रहा है और औली, मुनस्यारी, चोपता तथा दियारा जैसे स्थान लोकप्रिय हो रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि राज्य का पहला हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन पिथौरागढ़ ज़िले के आदि कैलाश में आयोजित किया गया।

इसमें 18 राज्यों के 750 से ज्यादा एथलीटों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि कुछ सप्ताह बाद में उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों का भी आयोजन होने वाला है।

श्री मोदी ने कहा कि नौसेना से जुड़े पर्यटन में रुचि रखने वालों के लिए देश में कई ऐसी जगहें हैं जहाँ वे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

पंचतत्व में विलीन हुए धर्मेंद्र, अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे रेखा और शाहरुख समेत कई सितारे

कुणाल

दिल्लीः बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन होने के बाद उनका अंतिम संस्कार रविवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। धर्मेंद्र को उनके परिवार और करीबी मित्रों ने पंचतत्व में विलीन किया। इस मौके पर उनके घर और अंतिम संस्कार स्थल पर बॉलीवुड सेलेब्स की भीड़ उमड़ी, जिन्होंने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम दर्शन में अभिनेता रेखा, सलमान खान, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, अजय देवगन और कई अन्य फिल्मी हस्तियां शामिल हुईं। शाहरुख खान ने मीडिया से बातचीत में कहा, "धर्मेंद्र जैसे पिता और इंसान बहुत कम देखने को मिलते हैं। उनका योगदान और उनके व्यक्तित्व को हम कभी नहीं भूलेंगे।"

धर्मेंद्र के निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री और उनके फैंस में शोक की लहर फैल गई। उनके परिवार ने मीडिया को बताया कि अभिनेता लंबे समय से बीमार थे और उनके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे गिरावट आ रही थी। अंतिम संस्कार में धर्मेंद्र के परिवार के सदस्य भावुक नजर आए। उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल, बेटी अहाना देओल, और पत्नी हेजल की मौजूदगी में अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने सोशल मीडिया पर धर्मेंद्र के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उनके योगदान को याद किया। धर्मेंद्र का जीवन सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं था; वे समाजसेवी और परिवारप्रिय इंसान के रूप में भी जाने जाते थे। उनके फैंस उन्हें 'हीट मैन' और 'भारत के धड़कते दिल' के रूप में याद करेंगे। पंचतत्व में विलीन होने के साथ ही उनका शरीर भौतिक रूप से इस दुनिया से विदा हो गया, लेकिन उनकी यादें, उनकी फिल्में और उनके व्यक्तित्व हमेशा जीवित रहेंगे। अंतिम संस्कार के दौरान सेलेब्स और फैंस दोनों ने फूलों और भावनाओं के साथ अभिनेता को अंतिम विदाई दी। धर्मेंद्र की विरासत न केवल बॉलीवुड में, बल्कि उनके व्यक्तिगत योगदान और अच्छाईयों में भी अमिट रहेगी।

अब डॉक्टर के लिखने पर ही मिलेगा कफ सिरप

सरकार ने बढ़ाई सख्ती, निगरानी होगी कड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान और मध्य प्रदेश में संदिग्ध कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत के बाद केंद्र और राज्य सरकारों ने कफ सिरप की बिक्री पर सख्त नियम लागू कर दिए हैं। नए आदेश के तहत अब डॉक्टर के लिखे पर्चे के बिना कोई भी मेडिकल स्टोर कफ सिरप नहीं बेच सकेगा। साथ ही, हर बिक्री का विवरण एक रजिस्टर में अनिवार्यतः दर्ज करना होगा, जिसमें खरीदार और पर्चा लिखने वाले डॉक्टर का ब्यौरा भी दर्ज करना होगा।

सरकारी आदेश के बाद सभी मेडिकल स्टोर और निजी अस्पतालों जहां प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कफ सिरप की बिक्री होती है, पर विशेष निगरानी रखी जा सकेगी। अनुमान है कि ऐसा करने से न केबल कफ सिरप की अवैध बिक्री पर रोक लग सकेगी, बल्कि अवैध, मिलावटी या निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं की बिक्री भी रोकी जा सकेगी। सरकार का कहना है कि इन नियमों से मिलावटी दवाओं की बिक्री, फर्जी कंपनियों का कारोबार तथा कफ सिरप के दुरुपयोग पर रोक लगेगी, जबकि मरीजों को केवल सुरक्षित और डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवा ही उपलब्ध कराई जा सकेगी।

गौरतलब है कि साधारण खांसी-जुखाम होने पर सामान्यतः लोग बिना डॉक्टर को दिखाए और पर्चा लिखवाए ही मेडिकल दुकान से कफ सिरप खरीद कर उसका इस्तेमाल करते रहे हैं। बड़ी तादाद में कफ सिरप का इस्तेमाल नशे के लिए भी किए जाने के आरोप लगते रहे हैं। बढ़ती कफ सिरप की मांग के चलते मुनाफाखोर कथित कंपनियां और मेडिकल दुकान वाले निम्न गुवात्ता वाले कफ सिरप भी बेंच रहे थे, जिस कारण मासूमों की मौत का मामला भी सामने आ चुका है। ऐसे में नए नियमों के बाद अब केवल वैध पर्चे पर ही कफ सिरप मिल सकेगा, जिससे बिक्री पर नियंत्रण आसान होगा।

यहां बताते चलें कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के कई जिलों में स्थानीय ब्रांड के कफ सिरप पीने से करीब एक दर्जन बच्चों की मौत हुई थी। सिरप में डाइ-इथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) और इथिलीन ग्लाइकोल (ईजी) जैसे खतरनाक तत्व पाए जाने की आशंका जताई गई थी। इसके मद्देनजर औषधि नियंत्रण विभाग ने सभी राज्यों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की समय-सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की समय-सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी है।

चुनाव आयोग ने रविवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि यह संशोधन 1 जनवरी, 2026 को अर्हता तिथि मानकर किया जा रहा है, ताकि आगामी चुनावों से पहले अधिकतम नागरिकों का नाम जुड़ सके और नामावली में पूर्ण शुद्धता सुनिश्चित हो सके।

आयोग ने स्पष्ट किया कि यह विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान नामावली को शुद्ध एवं अद्यतन रखने की एक महत्वपूर्ण नियमित प्रक्रिया है। 1 जनवरी, 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित करने से इस तारीख या इससे पहले 18 वर्ष पूरे करने वाले सभी नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकरण के पात्र हो जाएंगे।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

अंधी रफ्तार से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचल डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है साहबज्जब मर्जी कोई रहीस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों कों रौंदता चला जाता है। ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब 2 बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किस गति से हुआ और क्या चालक शराब या किसी अन्य नशे के प्रभाव में था।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

-बिहार में कारीसाथ स्टेशन के पास कपलिंग टूटी, बड़ा हादसा होने से बचा

आरा (एजेंसी)। पटना–आरा–डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल–बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया। मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की ओर करीब 500 मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अपलाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना—डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया। रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीआईएसएफ जवान ने नाबालिग की गोली मारकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में एक सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल ने नाबालिग लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके पास से पिस्टल भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को एक शख्स से जानकारी मिली कि कम्युनिटी सेंटर डीडीए मार्केट, एमएस पार्क के पास एक बच्चे को गोली मार दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि मृतक 17 साल का नाबालिग है, जो न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला था। नाबालिग लड़के को कम्युनिटी सेंटर के सामने हो रही शादी के दौरान गोली लगी थी। इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जो सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल है और अभी कानपुर में तैनात है। उसके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़के और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे गोली मार दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़ित युवतियां

-दिल्ली में लव जिहाद की शिकार लड़कियां डिटेल में बयां करेंगी अपनी कहानियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत कई देश कट्टरपंथ की साजिश का शिकार हैं। डेमोग्राफिक्स को बदलने की साजिशें रची जा रही है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े–लिखे लोग भी इस साजिश में शामिल हैं। इसका उदाहरण लाल किले के पास हुआ आतंकवादी हमला है। इन सबको देखते हुए देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। विहिप दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली एनसीआर की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी। केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला–फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया।

चारपाई की तरह कड़ा और लचीला, यही संतुलन लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति

–सीजेआई सूर्यकांत ने की न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या की है। उन्होंने लोकतंत्र की तुलना एक पारंपरिक चारपाई से की, जहां मजबूत लकड़ी का फ्रेम, टिकाऊ पायों और लचीली लेकिन मजबूत रस्सियों के सहारे एक ऐसा ढांचा तैयार करता है जो कड़ा भी है और लचीला भी। सीजेआई के मुताबिक यही संतुलन भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत हरियाणा में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में एक अनोखा सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट के 13 जज केशवानंद भारती केस की ऐतिहासिक बहस का री-एनैक्टमेंट करने के लिए एक साथ मंच पर आए थे। इस सत्र में उस बहस को पुनर्जीवित किया गया जिसने भारतीय संविधान में 'बेसिक स्ट्रक्चर' का सिद्धांत स्थापित किया था।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि केशवानंद केस में भारत संवैधानिक जीवन के सिर्फ 23वें वर्ष में था। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने संस्थानों को परिभाषित कर रहा था, आदर्शवाद और शक्ति के बीच संतुलन साधना सीख रहा था। उन्होंने कहा कि असल सवाल एक सभ्यतागत प्रश्न था- क्या संसद का बड़ा बहुमत संविधान के नैतिक डीएनए को फिर से लिख सकता है?

सीजेआई ने अमेरिका और ब्रिटेन में भी समय-समय पर एक्जीक्यूटिव द्वारा न्यायिक स्वतंत्रता की सीमाएं परखने की बहस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केशवानंद केस की 13 जजों की बेंच ने संवैधानिक परिपक्वता और नैतिकता दोनों का रास्ता चुना। उन्होंने संविधान को सुविधा के हिसाब से मोड़ने से इनकार कर दिया। इसी एक संयम ने दिखाया कि लोकतंत्र को बुद्धिमान बनने के लिए बूढ़ा होने की जरूरत नहीं होती।

सुप्रीम कोर्ट की एकमात्र महिला जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा कि केशवानंद फैसला न्यायपालिका की स्वतंत्रता के दो केंद्रीय पहलुओं को उजागर करता है। पहला- निर्णय लेने में स्वतंत्रता और दूसरा- संस्थागत स्वतंत्रता। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि न्यायाधीशों का आचरण बेंच पर भी और बेंच से बाहर भी न्यायपालिका की छवि को तय करता है। उनका कहना था कि जज का आचरण सिर्फ कानूनसम्मत नहीं, बल्कि उससे ऊपर होना चाहिए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती तभी सुनिश्चित होती है जब सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय तीनों मिलकर एक त्रिमूर्ति की तरह संतुलित हों।

महिला विधायक पल्लवी पटेल ने कहा– एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी, बताई वजह

गोंडा (एजेंसी)। बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश समेत देश के 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। इसी बीच अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सिराथू विधानसभा सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने एसआईआर का विरोध किया है।

विधायक पल्लवी ने स्पष्ट कहा, कि एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी। ऐसा नहीं करने की उन्होंने वजह भी बताई। महिला विधायक पल्लवी ने गोंडा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, कि एसआईआर फार्म नहीं भरूंगी और मैं इस प्रक्रिया का विरोध करती हूं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, मुझे एसआईआर फार्म क्यों भरना चाहिये? मेरे पास वो सारे दस्तावेज मौजूद हैं, जो बतलाते हैं कि मैं भारत की नागरिक हूं। ऐसे में एसआईआर फार्म मुझे क्यों भरना चाहिए? अभी तक सभी चुनव प्रक्रिया में मैं वोट डालती चली आ रही हूं, तो अब एसआईआर का फार्म क्यों भरुं? इसी के साथ ही सिराथू विधायक पल्लवी ने मतदाताओं से अपील की, यदि आपको एसआईआर समझ आए तो भरिये, नहीं आए तो मत भरिये। उन्होंने दावा किया, कि जिस तरह से महिला आरक्षण कागजों में रह गया है, वैसे ही एसआईआर भी जमीन पर नहीं उतरने वाला है। इसी के साथ उन्होंने एसआईआर को सरकार का जुमला बताया और कहा कि इसके जरिए सत्तारुढ़ पार्टी लोकतंत्र पर हमला कर रही है। पल्लवी ने कहा कि विपक्ष इसका विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि सरकार की नीयत पर शक है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में उन्हें ज्यादा सीट चाहिए वहां एसआईआर कराया जा रहा है। एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ पर अनावश्यक प्रेशर बनाया जा रहा, जो अमानवीय कृत्य है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोग चिंतित, कुछ तो गड़बड़ है

–पहले भी हुआ है एसआईआर, सचिन पायलट ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाया कि फील्ड स्टाफ पर अनावश्यक दबाव और जल्दबाजी में समयसीमा तय करने से पता चलता है कि प्रक्रिया में कुछ तो गड़बड़ है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर देश में पहले भी कई बार हुआ है। लेकिन कोई चर्चा नहीं होती थी, लोगों के मन में कोई आशंका नहीं रहती थी। पहली बार निर्वाचन आयोग का जो रवैया रहा है। उससे लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में लोगों के नाम काटे गए। कई राज्यों में लोग तनाव में हैं, और कुछ तो इस दबाव के कारण आत्महत्या भी कर रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था के रूप में काम करना चाहिए क्योंकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम निर्वाचन आयोग का है, किसी राजनीतिक दल का नहीं। पायलट ने कहा कि कांग्रेस देश भर में अभियान चला रही है ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हम यह तय करना चाहते हैं कि गरीब लोग, दलित, आदिवासी और बुजुर्ग जागरुकता की कमी के कारण या किसी के द्वारा उनका नाम हटाने की मंशा के कारण मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न हों।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए और यदि विचारधारा, सरकार और नेता के दबाव में काम करोगे तो यह जनता और कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं होगा।

राहत सामग्री लेकर कोलंबों पहुंचे भारतीय विमान, फंसे हुए भारतीयों को वापस भी लाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने जमकर तबाही मचाई। इसमें करीब 150 लोगों की जान चली गई। कुछ भारतीय भी यहां फंस हुए है। केंद्र की मोदी सरकार ने तत्काल ऑपरेशन सागर बंधु की शुरुआत की और मदद की लिए हाथ बढ़ाया। वायुसेना के मुताबिक दिल्ली के निकट हिंडन एयर बेस से सी-130 और आईएल-76 विमान राहत सामग्री लेकर श्रीलंका के लिए रवाना हुए हैं। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और 8 टन उपकरण हैं। रविवार सुबह को दी गई जानकारी में वायुसेना ने बताया कि राहत सामग्री लेकर निकले इन विमानों ने कोलंबो में लैंड किया है। भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए न केवल राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, बल्कि एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम श्रीलंका में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों में लगी हुई है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी राहत और बचाव की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

वायुसेना के अनुसार श्रीलंका में मदद के लिए भेजी गई सामग्री में आवश्यक राशन, दवाइयां, मेडिकल किट, भिष्म क्यूब्स और अन्य आपदा राहत उपकरण शामिल हैं। वहीं, 17 ग्लोबमास्टर ने पुणे से चेन्नई तक एक और एनडीआरएफ टीम तथा भारी उपकरण

पहुंचाए हैं। यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में भी राहत प्रयासों को तेज किया जा सके।

30 नवंबर की सुबह हिंडन एयरबेस से एक सी-130 विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। वहीं आईएल-76 विमान पहले ही कोलंबो पहुंच चुका था। यह दल विमान से राहत सामग्री उतारने के साथ-साथ फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने का काम भी करेगा। अतिरिक्त सहायता के तौर पर एक और सी-17 विमान वडोदरा में एनडीआरएफ टीम और उनके उपकरणों के साथ लोड किया जा रहा है, जिसे चेन्नई भेजा जाएगा। सभी एयरलिफ्ट मिशन लगातार संचालित हैं ताकि श्रीलंका एवं तमिलनाडु दोनों स्थानों पर समयबद्ध सहायता सुनिश्चित की जा सके। यह मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि वह जीवन बचाने और संकटग्रस्त पड़ोसी देशों को हर संभव समय पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सागर बंधु, भारत व श्रीलंका की मैत्री और क्षेत्रीय सहयोग का संवेदनशील और मानवीय उदाहरण बनकर सामने आया है।

भारतीय वायुसेना के विमान यहां आवश्यक उपकरण एवं राहतकर्मियों को लेकर पहुंचे हैं। भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की भावना को दोहराते हुए आपदा में लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की है। भारतीय वायुसेना के विमान व हेलीकॉप्टर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है। ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल बचाव अभियान को अंजाम देने वाले दल की तैनाती और राहत सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय वायुसेना ने राहत कार्यों की गति तेज करने के लिए कोलंबो में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इससे तेजी से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। इसी के साथ, बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए वायुसेना के सी-17, सी-130 और आईएल-76 परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। वायुसेना की ओर से साझा जानकारी के अनुसार 29 नवंबर की रात सी-130 और आईएल-76 विमान हिंडन एयर बेस से रवाना हुए। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री व 80 से अधिक एनडीआरएफ के कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा, बाढ़ व तूफान आदि के कारण जटिल इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए विशिष्ट उपकरण भेजे गए हैं।

राजनीति से संन्यास लेकर बोले अवध ओझा: अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आज़ादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो 'बोलने की बंदिश' लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

अवध ओझा ने साफ कहा, भैया मैं राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकतेज हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी ज़िक्र

किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था। मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बताओ वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा!

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, 'न 'मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नज़र नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि महज़ चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है। अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

आज के भारतीय तो अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते: मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मातृभाषाओं के उपयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए भागवत ने कहा, कि आज बहुत से भारतीय अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते हैं और अंग्रेजी के मिश्रण से संवाद करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार हमारी भाषायी विरासत का क्षय हो रहा है।

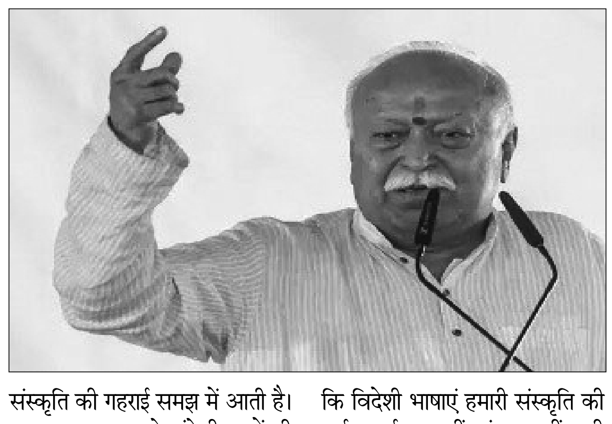

यहां भागवत ने कहा, एक समय था जब रोजमर्रा की भाषा में संस्कृत का प्रयोग आम था। अब हाल यह है कि अमेरिका के प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने मातृभाषा के अभ्यास और ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी भाषा की समझ होनी चाहिए। भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता को मराठी में प्रचारित किया, जिससे भाषा और संस्कृति की गहराई समझ में आती है। आरएसएस प्रमुख ने अंग्रेजी शब्दों की सीमा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थों की गहराई को पकड़ नहीं पाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पवृक्ष के लिए अंग्रेजी में कई शब्द हैं, लेकिन कोई भी इसका वास्तविक अर्थ नहीं बता सकता। उनका कहना है कि विदेशी भाषाएं हमारी संस्कृति की पूर्ण गहराई तक नहीं पहुंच सकतीं। इसी के साथ भागवत ने मातृभाषाओं को सीखने और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन विविधता में एकता की भावना को महत्व देता है, और इसी आधार पर भाषायी चेतना को बढ़ावा देना जरूरी है।

चुनाव आयोग और टीएमसी में टकराव: पश्चिम बंगाल में सियासी जंग का जरिया बना एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक जंग का मैदान बन चुका है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खुलेआम हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर राज्य में लाखों वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की आड़ में अल्पसंख्यक और गरीब वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है।

टीएमसी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक राज्य में 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) भी शामिल हैं। पार्टी ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

कुमार से मुलाकात कर पांच सवाल पूछे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने का दावा किया। राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, हम एसआईआर का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसके अमानवीय और अव्यवस्थित तरीके का विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं।

वहीं, चुनाव आयोग ने टीएमसी के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा कि बीएलओ पर दबाव काम का नहीं, बल्कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों और दबाव का नतीजा है। आयोग का दावा है कि तृणमूल नहीं चाहती कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अवैध (खासकर बांग्लादेशी) मतदाताओं के नाम हटाए जाएं, क्योंकि ये उनके वोट बैंक का हिस्सा हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को तुरंत पत्र लिखकर सभी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। हाल ही में सीईओ कार्यालय में सुरक्षा चूक की घटना के बाद आयोग ने कार्यालय को अधिक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने और मौजूदा भवन की सुरक्षा बढ़ाने को कहा है।

टकराव को और गहरा करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता (1990 बैच, पश्चिम बंगाल कैडर) को 'स्पेशल रोल ऑब्ज़र्वर' नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 12 अन्य आईएएस अधिकारियों को 'इलेक्टोरल रोल ऑब्ज़र्वर' बनाया गया है। ये अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र (विदेशी) व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि स्लम, ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएं, जैसा पूरे देश में होता है। टीएमसी की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आयोग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर कठोर कार्रवाई होगी। सीमावर्ती जिलों से लगातार वीडियो और तसवीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें लोग कथित तौर पर भारत-बांग्लादेश सीमा पार करते दिख रहे हैं। टीएमसी इसे ÷वोट काटने की साजिश÷ बता रही है, जबकि ईसी का कहना है कि यह घुसपैठिए वापस अपने देश जा रहे हैं, क्योंकि अब उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं रहेगा। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह अड़े हुए हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और टीएमसी सड़क से संसद तक आंदोलन की धमकी दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 326 का हवाला देकर साफ कर रहा है - वोट का अधिकार सिर्फ भारतीय नागरिक को है, किसी विदेशी को नहीं। आने वाले दिनों में यह टकराव और भयंकर रूप ले सकता है।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया मतदान, भाजपा का दावा- सभी 12 सीटें जीतेंगे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों में हो रहे उपचुनाव में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत भाजपा के कई नेताओं ने मतदान किया। वेस्ट दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत और द्वारका-बी वार्ड से भाजपा उम्मीदवार मनीषा राजपाल सहरावत ने पोलिंग बूथ पर जाकर अपना वोट डाला।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को अपने पति मनीष गुप्ता और परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ शालीमार बाग क्षेत्र में एक पोलिंग बूथ पर जाकर अपना वोट डाला।

शालीमार बाग से भाजपा उम्मीदवार अनीता जैन ने कहा, 'शालीमार बाग पारंपरिक रूप से पार्टी का गढ़ रहा है, इसलिए जीत पक्की है। हालांकि, हम जीत का अंतर बढ़ाना चाहते हैं। यहां ज्यादा दिक्कतें नहीं हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इलाके में बहुत काम कर रही हैं।'

सांसद कमलजीत सहरावत ने द्वारका-बी वार्ड इलाके में मतदान के बाद कहा, 'मैं दिल्ली के लोगों से अपील करती हूं कि वे अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करें और ऐसे उम्मीदवारों को सपोर्ट करें जो लोकल मुद्दों को उठा सकें। साथ ही साथ, अपने इलाके और शहर के विकास में असरदार तरीके से योगदान दे सकें।'

मतदान के बीच भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने वेस्ट विनोद नगर इलाके का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य सभी 12 सीटें जीतकर एक रिकॉर्ड बनाना है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 'मैं विनोद नगर में हूं और पार्टी कार्यकताओं का जोश देख सकता हूं। लोग भारतीय जनता पार्टी को अपना पूरा आशीर्वाद दे रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस उपचुनाव में भाजपा बेशक शानदार जीत दर्ज करेगी। आम आदमी पार्टी उम्मीदवार को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और वह जेल में रहने के बाद बाहर आई हैं।'

केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने उपचुनावों पर कहा, 'इस समय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में विकास और विरासत का लगातार विकास हो रहा है। पूर्वी दिल्ली के लोग चाहते हैं कि सभी काम सही तरीके से हों।'

उन्होंने कहा, 'ईस्ट दिल्ली के विनोद नगर में उपचुनाव हो रहा है। सरला चौधरी हमारी उम्मीदवार हैं। जब मैं मेयर था, तो उन्होंने मेरे साथ मिलकर काम किया। वह बहुत काबिल, मेहनती और ईमानदार महिला हैं। वह हमेशा जनता की भलाई को ध्यान में रखती हैं। उनके पिछले व्यवहार और उनके काम को देखते हुए, मुझे लगता है कि विनोदनगर के लोगों ने उन्हें पूरे दिल से स्वीकार किया है। यह बहुत अच्छा चुनाव होने वाला है।'

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सभी 12 सीटों पर जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा चल रहे उपचुनावों में सभी सीटें जीत रही है, जो पार्टी और दिल्ली के लोगों दोनों के लिए बहुत जरूरी हैं।

मानसरोवर पार्क थाने के पास नाबालिग की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शाहदरा के मानसरोवर पार्क थाने के पास स्थित समुदाय भवन के बाहर शनिवार रात एक नाबालिग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात एक शादी समारोह से जुड़ी हुई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान साहिल (17) के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जांच के अनुसार साहिल शादी समारोह में या तो खाना खाने पहुंचा था या फिर घुड़चढ़ी के दौरान रुपए लूटने की नीयत से पहुंचा था, लेकिन उसी दौरान उसे गोली मार दी गई।

फायरिंग की सूचना पर पहुंची पुलिस ने साहिल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने साहिल को मृत घोषित कर दिया। शव को गुरु तेग बहादुर अस्पताल के मोर्चरी में रखा गया है। पुलिस ने इलाके के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। घटना की हर एंगल से गहनता से जांच की जा रही है।

एक पुलिस अधिकारी ने पत्रकारों को बताया, 'गोली लगने की सूचना पर मौके पर पुलिस टीम पहुंची। नाबालिग को गोली मारी गई है, जिसकी उम्र 17 साल है।

लड़के की मौत हो गई। गोली मारने की वजहों की अभी पूरी जानकारी नहीं मिली है। शुरूआती जांच में पता चला है कि एक शादी समारोह में कुछ लोग आए हुए थे, जिनका लड़के के साथ कुछ झगड़ा हुआ। इस दौरान ही लड़के को गोली मारी गई है।'

प्रदूषण के स्तर में मामूली सुधार, 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया एक्यूआई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रविवार को धुंध और प्रदूषण का माहौल रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह 6 बजे शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 270 तक पहुंच गया, जिससे राष्ट्रीय राजधानी 'खराब' श्रेणी में आ गई। हालांकि यह पिछले कई दिनों में देखी गई 'बहुत खराब' और 'गंभीर' स्थितियों से थोड़ा बेहतर है, लेकिन हवा लंबे समय तक बाहर रहने के लिए असुरक्षित बनी हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम को सतह पर हवा की बेहतर चाल ने जमा हुए कुछ प्रदूषकों को फैलाने में मदद की, जिससे कुल एक्यूआई कम हो गया। हालांकि, इस मामूली राहत से कई इलाकों की जमीनी हकीकत में ज्यादा बदलाव नहीं आया, जहां हवा की क्वालिटी 'बहुत खराब' सीमा के करीब बनी रही।

शहर के कई इलाकों में शहर के औसत से काफी ज्यादा प्रदूषण का स्तर दर्ज किया गया। शादीपुर सुबह 336 के एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित जगह रही, इसके बाद आरके पुरम 308 पर रहा, दोनों ही 'बहुत खराब' कैटेगरी में आते हैं। ये रीडिंग बताती हैं कि स्वस्थ लोगों में भी सांस लेने में तकलीफ होने की संभावना ज्यादा है। दूसरे जाने-माने हॉटस्पॉट जैसे बुराड़ी (283), बवाना (295), सिरीफोर्ट (295), वजीरपुर (282), चांदनी चौक (281), आनंद विहार (281), नरेला (279), पंजाबी बाग (266) और जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम (269) भी 'खराब' बैंड में ही रहे, जिससे राजधानी में बहुत ज्यादा प्रदूषण दिखा।

कुछ इलाकों का हाल तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा। मंदिर मार्ग, जिसका एक्यूआई 157 था, 'मॉडरेट' कैटेगरी में अकेला इलाका रहा। वहीं, आया नगर (225), इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (227), एनएसआईटी द्वारका (228), लोधी रोड (251), अलीपुर (247), नजफगढ़ (242) और नॉर्थ कैंपस (240) 'खराब' रेंज में रहे।

एनसीआर में, गुरुग्राम का एक्यूआई 233 और नोएडा का 267 रहा, दोनों को 'खराब' कैटेगरी में रखा गया। फरीदाबाद में 178 दर्ज किया गया, जो इसे 'मॉडरेट' सेगमेंट में रखता है, जबकि गाजियाबाद में 262 का 'खराब' एक्यूआई रिपोर्ट किया गया। भारत के नेशनल एक्यूआई स्केल के अनुसार, 201 और 300 के बीच के लेवल को 'खराब' माना जाता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ हो सकती है, खासकर लंबे समय तक मेहनत करने पर।

एमसीडी उपचुनाव: चांदनी महल वार्ड में त्रिकोणीय मुकाबला, स्थानीय मुद्दों पर टिका चुनाव

स्कूल, अस्पताल और सफाई के नाम पर मतदाताओं ने किया मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदनी महल वार्ड में रविवार को हुए एमसीडी उप-चुनाव में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है। वार्ड से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार मुद्दसिर उस्मान कुरैशी, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सुनील शर्मा और कांग्रेस के कुंवर शहजाद अहमद मैदान में उतरे। शेर चुनाव चिह्न के साथ निर्दलीय उम्मीदवार इमरान चौधरी भी मैदान में हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इमरान चौधरी इस आप और कांग्रेस के साथ त्रिकोणीय मुकाबले के अहम किरदार साबित होंगे। चुनाव में हार जीत का अंतर भी बहुत अधिक न होने की संभावना लोगों ने जताई। यहां पर हर बूथ पर लोगों की लंबी कतारें 11 बजे के बाद से देखी गई। इस इलाके हर वार्ड में सफल मतदान हुआ। यहां पर सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम थे। हर मतदान केंद्र पर मोबाइल रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। स्थानीय निवासी हनीफ ने बताया कि इससे काफी सहूलियत हो गई। विधानसभा चुनाव में मोबाइल रखने की कोई व्यवस्था नहीं थी। यहां बातचीत में मतदाताओं ने गंदगी,बरसात में जलभराव, टूटे रास्ते, स्ट्रीट लाइटों की खराबी और अनियमित सफाई जैसी स्थानीय समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बताया। कई निवासियों ने कहा कि पिछले वर्षों में क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बेहतर न होने से जीवन कठिन हुआ है। महिलाओं ने खास तौर पर साफ-सफाई और बच्चों की शिक्षा सुविधाओं को लेकर चिंता जताई। एमसीडी के स्कूल इस इलाके में अपार्याप्त हैं। चुनाव में आप के नेता रहे शोएब इकबाल के विद्रोह के बाद यहां मुकाबला कड़ा हो गया। कांग्रेस ने स्थानीय जुड़ाव और पारंपरिक समर्थक आधार पर भरोसा किया। निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी क्षेत्रीय मुद्दों और व्यक्तिगत संपर्क को मुख्य आधार बनाया। शकीला ने बताया कि यहां स्कूल ही नहीं अस्पताल की भी कमी है। यहां से दूरी पर बड़े अस्पताल हैं लेकिन छोटी बीमारियों के लिए यदि हम जाना चाहें तो हमें किसी निजी डिस्पेंसरी पर ही जाना पड़ता है। स्कूल की स्थिति बहुत खराब है। इस इलाके में स्कूल की कमी है। लोगों में मतदान को लेकर उत्साह दिखा। युवा, बुजुर्ग सभी घरों से बाहर मतदान को निकले।

वसंत कुंज में मर्सिडीज की टक्कर से एक की मौत, दो घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में एंबियंस मॉल के पास रविवार तड़के एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने कार ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने बताया कि रविवार तड़के करीब 2:30 बजे वसंत कुंज नॉर्थ थाने को रोड एक्सीडेंट के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली। पुलिस स्टाफ तुरंत घटनास्थल वसंत विहार में नेल्सन मंडेला मार्ग पर एंबियंस मॉल के सामने पहुंचा। पुलिस टीम को वहां हिमाचल नंबर लढ 11ऊ0060 की एक मर्सिडीज ऋ63 कार क्षतिग्रस्त हालत में मिली। इसके साथ ही तीन लोग मौके पर घायल पड़े मिले। इनमें से दो लोगों की उम्र 23 साल और एक की उम्र 35 साल है। सभी एंबियंस मॉल के एक रेस्टोरेंट के कर्मचारी हैं। तीनों घायलों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान उत्तराखंड के चमोली जिले के रहने वाले 23 साल के रोहित को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य का अब भी इलाज चल रहा है।

मर्सिडीज कार के ड्राइवर की पहचान दिल्ली के करोल बाग निवासी 29 वर्षीय शिवम के तौर पर हुई है। घटना के समय वह अपनी पत्नी और बड़े भाई के साथ गाड़ी चला रहा था। पुलिस शुरूआती जांच के मुताबिक, गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया, जिससे कार एक खंभे से टकरा गई, जहां तीनों पीड़ित एक ऑटो स्टैंड पर खड़े थे। बताया जा रहा है कि आरोपी एक शादी में शामिल होकर घर लौट रहा था। कार अभिषेक की है, जो शिवम का दोस्त है। कानून के मुताबिक जरूरी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राजधानी की 35 सड़कों पर है सबसे ज्यादा धूल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की 35 सड़कों पर सबसे ज्यादा धूल मौजूद है। वाहनों की गति के साथ यह धूल उड़ती है और दिल्ली में प्रदूषण स्तर को बढ़ा देती है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा गठित उड़नदस्ते ने 321 सड़कों के निरीक्षण के बाद इन धूल वाली सड़कों की अलग से पहचान की है। आयोग के मुताबिक इनमें से ज्यादा सड़कें दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आती हैं। दिल्ली में सड़कों पर उड़ने वाली धूल एक बड़ी समस्या है।

सड़क के किनारे धूल की बड़ी मात्रा एकत्रित हो जाती है। सड़कों के बीच स्थित सेंट्रल वर्ज के पक्का या हरियाली भरा नहीं होने पर भी वहां से भी धूल उड़ती है। टूटे फुटपाथ और गड्ढेवाली सड़कों पर भी धूल जमा हो जाती है। यह धूल वाहनों के पहिए के साथ लिपटकर उड़ती है और पूरे वातावरण में भर जाती है। धूल प्रदूषण में कमी लाने के लिए हाल ही में आयोग ने ऑपरेशन क्लीन एयर की शुरूआत की थी। इस अभियान में आयोग द्वारा तैनात उड़नदस्तों ने कुल मिलाकर 321 सड़कों का निरीक्षण किया। इनमें से 35 सड़कें ऐसी पाई गई हैं, जहां पर धूल की अधिकता है। आयोग के मुताबिक एनडीएमसी और सीपीडब्लूडी द्वारा संचालित सड़कों का रखरखाव तुलनात्मक रूप से बेहतर पाया गया है। दिल्ली नगर निगम को अपनी सड़कों पर धूल नियंत्रण प्रयासों को प्रभावी तरीके से लागू करने की जरूरत है।

चलाया था निरीक्षण अभियान: आयोग के मुताबिक, धूल नियंत्रण के उपायों की जमीनी निगरानी के लिए 26 उड़नदस्तों ने 29 नवंबर को यह अभियान चलाया था। इसके अंतर्गत एमसीडी, एनडीएमसी और सीपीडब्लूडी द्वारा सड़कों की सफाई, झाड़ू लगाने और धूल नियंत्रण के उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। नगर निगम के अंतर्गत आने वाली कुल 182 सड़कों का निरीक्षण किया गया। जिसमें से 35 खंडों में धूल की उच्च तीव्रता देखी गई। जबकि, 50 में मध्यम, 70 में कम तीव्रता और 27 खंडों में कोई तीव्रता नहीं देखी गई।

एनडीएमसी की सौ सड़कों पर कोई धूल नहीं

आयोग के मुताबिक, एनडीएमसी की 133 सड़कों का निरीक्षण किया गया। इसमें से 100 सड़कों में धूल नहीं देखी गई। इसके अलावा 24 सड़कों पर कम धूल और नौ सड़कों पर मध्यम धूल देखी गई। धूल की उच्च तीव्रता वाला कोई स्थान यहां पर नहीं दिखा। सीपीडब्लूडी के क्षेत्राधिकार वाली छह सड़कों का निरीक्षण किया गया। इनमें से दो में मध्यम धूल और चार में कोई धूल देखने को नहीं मिली है।

सर्दियों में विशेष ध्यान देने की जरूरत

आयोग ने इस बात पर जोर दिया है कि राजधानी में सर्दियों के मौसम में सड़क की धूल प्रदूषण में एक प्रमुख कारण बन जाती है। इसलिए सभी एजेंसियों द्वारा सड़कों पर नियमित यांत्रिक सफाई, एकत्रित होने वाली धूल का समय पर निपटान, फुटपाथों के उचित रखरखाव, नियमित रूप से जल छिड़काव और धूल निरोधक उपायों को अपनाए जाने की आवश्यकता है। आयोग ने निगम की सड़कों पर धूल नियंत्रण के उपायों में तेजी लाने को कहा है।

शादी समारोह के दौरान फायरिंग, किशोर की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले के मानसरोवर पार्क इलाके में शादी समारोह के दौरान फायरिंग की घटना में 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात कम्युनिटी सेंटर, डीडीए मार्केट के पास हुई, जहां से एक बारात गुजर रही थी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला 17 वर्षीय किशोर बारात के दौरान हुए झगड़े में गोली लगने से घायल हो गया। उसे तुरंत हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित सीआईएसएफ में हेड कॉन्स्टेबल है और वर्तमान में कानपुर उप्र में तैनात है। पुलिस ने उसके कब्जे से पिस्टल बरामद की है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि मौके पर आरोपित और किशोर के बीच अचानक विवाद हुआ, जिसके दौरान फायरिंग की घटना हो गई। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

एक नजर

आईएसआई से जुड़े तीन आतंकी गिरफ्तार, पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर से जुड़े तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक खतरनाक टेरर मॉड्यूल का पदार्फाश करते हुए तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पाकिस्तान में बैठे कुख्यात गैंगस्टर-शहजाद भट्टी के सीधे संपर्क में थे। सभी गिरफ्तार आरोपी उत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि आतंकी दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई शहरों में बड़े आतंकी हमले की फिराक में थे। इनके निशाने पर खास तौर पर दिल्ली में बड़े धार्मिक स्थल, भीड़भाड़ वाले बाजार और वीआईपी इलाके थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल पूरे मामले को गंभीरता से ले रही है और आगे की जांच जारी है। इससे पहले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी का नाम हाल ही में अनमोल बिश्नोई मामले में सामने आया था। दरअसल, अनमोल बिश्नोई ने भट्टी से खुद को जान का खतरा बताया था और सरकार से सुरक्षा की मांग की थी। शनिवार को गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने एनआईए कोर्ट में शहजाद भट्टी से खुद की जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा मांगी। अनमोल ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर बताया कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से उसकी जान को बड़ा खतरा है। सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में अनमोल और उसके परिवार को खुलेआम हत्या की धमकी दी गई थी। अनमोल की ओर से कहा गया कि यह पहली बार नहीं है जब इस गैंगस्टर ने ऐसी धमकी दी हो। मार्च 2025 में भी जालंधर में एक यूट्यूबर के घर ग्रेनेड हमला इसी गैंगस्टर की वीडियो धमकियों के बाद हुआ था। धमकी देने वाले गैंगस्टर ने उस हमले की जिम्मेदारी भी ली थी, इसलिए यह खतरा मजाक नहीं, बल्कि असली और गंभीर माना जा रहा है।

रेड लाइन कॉरिडोर के नीचे मेट्रो सुरंग का काम पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। पुल बंगश के पास वर्तमान रेड लाइन (रिठाला-शहीद स्थल नया बस अड्डा गाजियाबाद) के एलिवेटेड मेट्रो कॉरिडोर के पिलर के नीचे मेट्रो सुरंग का निर्माण पूरा हो गया है। यह भूमिगत कॉरिडोर फेज चार के जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर का हिस्सा होगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) का कहना है कि रेड लाइन पर मेट्रो का परिचालन एक दिन भी बंद किए बगैर फेज चार के भूमिगत कॉरिडोर के लिए पुल बंगश से सदर बाजार तक सुरंग का निर्माण पूरा किया गया। डीएमआरसी का कहना है कि यह काम बेहद कठिन था। इसके निर्माण के दौरान रेड लाइन पर एक भी दिन मेट्रो का परिचालन नहीं रुका। एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) से बेहद सतर्कता के साथ मेट्रो की सुरंग का निर्माण किया गया। इस जगह पर रेड लाइन के एलिवेटेड वायाडक्ट के पिलरों की नींव है। ऐसे में पिलर के नीचे सुरंग बनाने के लिए टीवीएम से खुदाई पर मेट्रो का पिलर में कंपन होने का खतरा था। ऐसे में तीस हजारी से बुल बंगश के बीच रेड लाइन के एलिवेटेड कॉरिडोर के प्रभावित होने का डर था। इसलिए सुरंग बनाने के लिए अत्यधिक इंजीनियरिंग सावधानियों की जरूरत थी। लंबाई 27.462 किलोमीटर होगी निमार्णाधीन जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर की कुल लंबाई 27.462 किलोमीटर होगी। इस कॉरिडोर पर डेरावल नगर से आरके आश्रम के बीच का कॉरिडोर भूमिगत होगा।

आली विहार में पीठ में चाकू घोंपने वाला शातिर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने आली विहार के कुख्यात अपराधी विजय शर्मा उर्फ बॉबी पंडित (23) को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। बॉबी पिछले दो महीने से फरार था। उस पर 28-29 सितंबर 2025 की रात सरिता विहार थाना क्षेत्र के आली विहार में रामलीला देखकर लौट रहे युवक आदित्य सिंह की पीठ में चाकू घोंपने का आरोप है। घटना उस वक्त हुई जब रामलीला मंचन के दौरान स्टेज पर झगड़ा हो गया था। बाद में आदित्य घर लौट रहा था तभी बॉबी ने शक के आधार पर पीछे से आकर उसकी पीठ के निचले हिस्से में चाकू मारा। गंभीर रूप से घायल आदित्य का इलाज हुआ और सरिता विहार थाने में एफआईआर नंबर 719/2025 धारा 126(2)/118(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ। हमला करने के तुरंत बाद बॉबी फरार हो गया था। क्राइम ब्रांच की आरके पुरम यूनिट को जब यह केस सौंपा गया तो इंस्पेक्टर रामपाल के नेतृत्व में एसआई प्रमोद, अमित, हेमंत कुमार, मुकेश सिंह और अन्य अधिकारियों की टीम ने लगातार सर्विलांस और खुफिया इनपुट के आधार पर 28 नवंबर को आली विहार में दबिश देकर उसे दबोच लिया। पूछताछ में बॉबी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि 23 साल का यह ग्रेजुएट युवक, जो एक सर्विस स्टेशन में नौकरी करता है, पहले से ही दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड में शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ लूट, चोरी और घर में घुसकर डकैती के कुल 11 मामले दर्ज हैं, जिनमें ज्यादातर सरिता विहार थाने के ही हैं। कुछ मामले तो इस साल के ही हैं। आरोपी की गिरफ्तारी पर डीसीपी क्राइम पंकज कुमार ने बताया कि क्राइम ब्रांच लगातार वांटेड और खतरनाक अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। बॉबी जैसे आदतन अपराधियों की गिरफ्तारी से इलाके में राहत की लहर है। पुलिस ने बताया कि बॉबी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार ठिकाना बदलता था और मोबाइल भी बंद रखता था। फिलहाल उसे कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस ने नवीन खाती गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया, अवैध पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने जमीन हड़पने के मामले में वांछित नवीन खाती गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपी वरुण भारद्वाज उर्फ मन्नू पंडित (39) डाबरी थाने में दर्ज जमीन हड़पने के बड़े मामले में वांछित था और उसके खिलाफ दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि तिलक विहार में सीआरपीएफ स्कूल के निकट आरोपी को रोका। उन्होंने कहा कि तलाशी के दौरान उसके पास से देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने कहा कि 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई कर चुका भारद्वाज हत्या के मामले में सात साल जेल में रह चुका है और 2021 में रिहाई के बाद वह फिर से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो गया।

सड़क हादसे में एक महिला की मौत, पांच घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला-बवाना रोड स्थित घोगा क्रॉसिंग के पास रविवार तड़के सड़क हादसे में एक 21 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तड़के करीब 5:14 बजे हुआ, जब कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। पुलिस के मुताबिक, एक राहगीर संजीव ने दुर्घटना की जानकारी दी। घायलों को तुरंत सरोज अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान ज्योति (21) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान खरखौदा निवासी प्रशांत, नरेला निवासी अमित, एक महिला, एक छह साल बच्चा और अज्ञात महिला के रूप में हुई है। हादसे के कारणों की जांच जारी है।

शादी से लौट रहे छह युवकों की कार नहर में गिरी, पांच की मौत, चालक गंभीर

मोहम्मद अनस

उत्तर प्रदेशः बीती देर रात पढ़ुआ थाना क्षेत्र में ऐसा हादसा हुआ जिसने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। लखीमपुर से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे छह युवकों की कार शारदा सायफन के पास पहुंचते ही अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। कार पानी के तेज बहाव में डूब गई और मौके पर बैठे पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। रात साढ़े 11 बजे हुए इस हादसे की खबर फैलते ही आसपास के गांवों में मातम छा गया। कार में सवार सभी युवक बहराइच की ओर लौट रहे थे। वाहन चलाते समय चालक को नींद की झपकी आ गई। झपकी के चलते कार नियंत्रण खो बैठी और सीधा सायफन में समा गई। पानी का बहाव इतना तेज था कि पलक झपकते ही कार पूरी तरह डूब गई और अंदर फंसे लोगों को निकलने तक का मौका नहीं मिला।

सूचना मिलते ही पढ़ुआ थाना प्रभारी अभिषेक सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत रेस्क्यू अभियान चलाया गया। मलबा हटाकर जब कार को बाहर निकाला गया तो उसमें बैठे जितेंद्र पुत्र विपिन बिहारी निवासी घाघरा बैराज, घनश्याम पुत्र बल्लू निवासी घाघरा बैराज, लालजी पुत्र मेवा लाल निवासी सीशियन पुरवा, अजीमुल्ला पुत्र अज्ञात निवासी गिरजापुरी और सुरेंद्र पुत्र विशुसोखा निवासी रामकृष्ण पुरवा थाना सुजौली जनपद बहराइच मृत अवस्था में मिले। वहीं कार चला रहा बबलू पुत्र राजेश निवासी गिरजापुरी थाना सुजौली जनपद बहराइच जीवित मिला, जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई है।

पढ़ुआ थाना प्रभारी अभिषेक सिंह के अनुसार प्रथम दृष्टया हादसा चालक को नींद आने के कारण हुआ। वाहन को कब्जे में लेकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर परिजनों को शव सौंपे जा रहे हैं। कुछ घंटे पहले तक जहां शादी के गीत, हंसी और खुशियों का माहौल था, वहीं अब पांच घरों में सन्नाटा पसरा है और हर आंख नम है। रात में घटी यह दुर्घटना सिर्फ पांच लोगों की जान नहीं ले गई – बल्कि कई परिवारों के भविष्य, उम्मीदें और खुशियां भी साथ ले गई।

कार चालक ने रियल स्टेट मालकिन के घर करोड़ों की चोरी की, आरोपी गिरफ्तार, गहने बरामद

कुणाल

दिल्लीः राजधानी दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए उस आरोपी कार चालक को गिरफ्तार किया है जिसने रियल स्टेट व्यवसायी महिला के घर में करोड़ों की चोरी की थी। आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के गहने और अन्य कीमती सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना उस वक्त हुई जब मालकिन अपने घर में अकेली थी। आरोपी, जो महिला की गाड़ी चलाने का काम करता था, ने भरोसे का फायदा उठाते हुए घर का नक्शा और सुरक्षा व्यवस्था का अध्ययन किया। उसने पहले घर का निरीक्षण किया और फिर सुनियोजित तरीके से चोरी को अंजाम दिया पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि आरोपी ने चोरी के समय घर के ताले तोड़कर अलमारी से नगद, जेवर और अन्य कीमती सामान निकाल लिया था। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी का ट्रैकिंग और गिरफ्तारी अभियान चलाया।

जांच के दौरान आरोपी ने पुलिस के सामने चोरी की पूरी कहानी बताई। उसके कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात, नकद राशि और चोरी से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद हुई है। डीसीपी ने कहा कि यह गिरफ्तारी अपराधियों के लिए कड़ा संदेश है कि भरोसे और अवसर का गलत इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि आरोपी के खिलाफ भारी सजा और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही इस घटना के बाद घरों और संपत्तियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए नागरिकों को सावधानी बरतने और सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि गांव या शहर में भरोसेमंद व्यक्ति भी यदि अपराध में लिप्त हो तो कानून उसे नहीं बख्शेगा।

एकतरफा प्यार के विवाद में हत्या, पांच आरोपी हुए गिरफ्तार

कुणाल

दिल्लीः दिल्ली में एकतरफा प्यार का विवाद खून की वारदात में बदल गया। पुलिस ने घटना के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि मृतक और आरोपी के बीच पहले भी तनाव था। पुलिस के अनुसार, मृतक व्यक्ति के खिलाफ आरोपी पहले से ही नाराज थे। एकतरफा प्रेम संबंध को लेकर झगड़ा बढ़ा और गतिशीलता के दौरान यह विवाद हत्याकांड में बदल गया। घटना स्थल पर पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की।

आरोपियों में तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। सभी पर हत्या और हत्या के प्रयास के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है और मृतक के परिवार को न्याय दिलाने के लिए जल्द ही कोर्ट में मामला पेश किया जाएगा।

इस वारदात ने एक बार फिर यह सवाल उठाया है कि व्यक्तिगत झगड़े और अस्वीकृत प्रेम कब खतरनाक रूप ले सकते हैं। पुलिस ने जनता से अपील की है कि इस तरह के मामलों में तुरंत शिकायत दर्ज करवाई जाए ताकि बड़े हादसे रोके जा सकें।

चाय नाश्ते की दुकान में आग, गैस सिलेंडर फटने से बड़ा नुकसान

दिव्यांश प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेशः कोतवाली व महिचा चौकी क्षेत्र के नेशनल हाइवे स्थित सड़क किनारे रखी एक चाय नाश्ते की गुमटी नुमा दुकान में बीती देर रात सन्दिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। दुकान के अंदर से उठती आग की लपटों व धुएं के उठते गुबार को देख दुकान के बाहर सो रहे भुक्तभोगी दुकानदार महेश व आसपास के लोगो मे अफरा तफरी मच गई।

लोगो ने आगजनी की सूचना पुलिस समेत दमकल विभाग को दिया। सूचना पाकर पुलिस तो तुरंत मौके पर पहुंच गई, जिसने स्थानीय लोगो की मदद से आग को बुझाने का स्वयं से प्रयास शुरू किया। लगभग डेढ़ घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन तब तक दुकान के अंदर रखा गैस सिलेंडर धमाकेदार आवाज के साथ फट कर तहस नहस हो गया। दुकान के अंदर रखा राशन, खाद्य सामग्री व नगदी समेत सोलर पैनल व बैट्री भी जलकर स्वाहा हो गई। बकौल भुक्तभोगी दुकानदार महेश आगजनी के दौरान लगभग एक लाख का नुकसान हुआ। हालांकि आग लगने का कोई सही कारण समाचार लिखे जाने तक स्पष्ट नहीं हो पाया। पुलिस घटना की जांच पड़ताल व आगजनी के कारणों को जानने के प्रयास में जुट गई है। आग बुझने के लगभग डेढ़ घण्टे बाद दमकल गाड़ी के पहुंचने से भुक्तभोगी दुकानदार समेत स्थानीय लोगो ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए दमकल टीम कर्मियों पर कार्य शिथिलता व लापरवाही के गम्भीर आरोप लगाए हैं। आगजनी की सूचना पाते ही पहुँची राजस्व टीम ने नुकसान का आंकलन करते हुए भुक्तभोगी दुकानदार अजय को हरसम्भव सरकारी सहायता दिलाए जाने का भरोसा दिलाया है। भुक्तभोगी दुकानदार महेश ने किसी प्रकार की कोई लिखित तहरीर नहीं दिया है, जिसने गांव के ही कुछ अराजकतत्वों पर कथित रूप से आग लगाने का आरोप लगाया है, पुलिस ने भी आगजनी की वजह शरारती व नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगो द्वारा जलती सिगरेट अथवा बीड़ी फेंका जाना बताया है। मामले के बावत कोतवाली प्रभारी रमेश पटेल ने बताया कि भुक्तभोगी दुकानदार ने किसी प्रकार की कोई लिखित तहरीर नहीं दी है, आगजनी के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एक नजर

मौत के सौदागर बने बैठे झोलहू मेला खतरनाक झूला-नोव व मौत कुआं, प्रशासन ने फिर भी नहीं रोका

मोहम्मद अनस/उत्तर प्रदेशः ऐतिहासिक झोलहू मेला में बिना परमिशन ओवर हाइट झूला व खतरनाक नाव सहित मौत का कुआं चलाया जा रहा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिले के आला अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद नहीं रुक रहा मौत कुआं व ओवर हाइट झूला निघासन खीरी झोलहू मेला में बिना परमिशन ब्रेक डांस व ओवर हाइट झूला व ओवर हाइट नाव सहित मौत का कुआं चलाया जा रहा जबकि निघासन एसडीएम ने आदेश जारी किया था कि कोई भी झूला व नाव व ब्रेक डांस नहीं चलेगा मेले में। उसके बावजूद भी झोलहू मेले में झूला व मौत का कुआं सहित खतरनाक नाव चलाया जा रहा है। आखिर किसके इशारे पर झोलहू मेला में चलाया जा रहा झूला व मौत का कुआं सहित नाव। पूर्व मेले में इसी झूले पर एक बच्चे की जान जाते जाते बची थी आखिर क्या किसी खतरे के बाद जागेगा प्रशासन।

हत्या के प्रयास में नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

कुणाल

दिल्लीः राजधानी दिल्ली में पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में नाबालिग समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना राजधानी के पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में सामने आई। पुलिस के अनुसार, आरोपी व्यक्ति और उसका साथी नाबालिग किसी पुरानी रंजिश को लेकर कथित तौर पर पीड़ित के घर पर गए और उस पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की शिकायत मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी भूमिका स्वीकार की और घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार को भी पुलिस के हवाले किया।

नाबालिग आरोपी को विशेष प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है और उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या अन्य लोग भी इस घटना में शामिल थे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी हिंसक घटना या विवाद की सूचना तुरंत स्थानीय थाना या पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। यह घटना राजधानी में बढ़ती हुई हिंसा और पुराने रंजिश के खतरों को उजागर करती है और पुलिस प्रशासन के सतर्क रहने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

औंग पुलिस का खुलासा दो शातिर चोर गिरफ्तार, चांदी के जेवरात-नगदी व चार बैटरी बरामद

दिव्यांश प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेशः औंग पुलिस ने अलग अलग जगहों में अंजाम की दी चोरी की कई वारदातों का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरो को गिरफ्तार किया है, जिनकी निशानदेही पर टीम ने चोरी के जेवरात, 4 बैट्री व नगदी बरामद किया है।

औंग थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनुज यादव ने उपनिरीक्षक रामानुज यादव व हमराहियों की संयुक्त टीम के साथ रात्रि गस्त व सन्दिग्ध लोगो की चेकिंग के दौरान दो शातिरों को थाना क्षेत्र के खदरा अंडर पास के पास से गिरफ्तार किया है। अभियुक्तो ने पुलिसिया पूछताछ के दौरान अपने नाम नीरज प्रजापति पुत्र इंद्रपाल निवासी गडरियन का पुरवा चौडगरा थाना कल्याणपुर व हिमांशु विश्वकर्मा पुत्र स्व० दीन दयाल निवासी शुक्ला नगर रावतपुर मोड़ औंग बताया है, अभियुक्तो के पास से पुलिस टीम ने एक जोड़ी छागल चांदी के, 4 अदद बैट्री, 3300 रुपये की नगदी व 3 अदद मोबाइल फोन भी बरामद किया है,

बरामद बैट्रियो जेवरात व नगदी समेत मोबाइलों को अभियुक्तो ने विगत कुछ दिनों पूर्व की देर रात थाना क्षेत्र के अलग अलग स्थानों में अंजाम दी गई चोरी की वारदातों के दौरान चोरी किया जाना स्वीकार किया है, अभियुक्तो को पुलिस ने शातिर पेशेवर अपराधी हिस्ट्रीशीटर व चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य करार दिया है, दोनों के खिलाफ पुलिस ने औंग, कल्याणपुर व बकेवर थाने में चार चार संगीन आपराधिक मामले पूर्व से दर्ज होने का दावा किया है।

लखीमपुर खीरी दुर्घटना में घायल पति की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत

मोहम्मद अनस/उत्तर प्रदेशः लखीमपुर खीरी में कुछ दिन पहले मथना गांव के पास मंदिर के सामने हुए भीषण एक्सीडेंट में घायल पति-पत्नी में इलाज के दौरान लखनऊ में पति की हुई मौत। आपको बता दे अभी कुछ दिन पहले लखीमपुर अलीगंज मार्ग पर मथना गांव के पास मंदिर के सामने, अलीगंज की तरफ से सामने से आ रही कार ने मोटरसाइकिल सवार जो हिदायत नगर से मिट्टी देकर आ रहे थे टक्कर मार दी, जिससे पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे, आनन फानन में दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया था।

पति कय्यूम पुत्र मोहर्रम अली लगभग 30 वर्ष की हालत ज्यादा खराब होने पर उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया था, पत्नी की हालत में भी अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ था, और आज इलाज के दौरान पति की मौत हो गई, मृतक कय्यूम के 2 लड़की और एक लड़का है जिसमें एक लड़की 7 साल एक 4 साल और लड़के की उम्र 3 साल है। मृतक फरधान थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव का निवासी है। मृतक की पत्नी काशिदा पत्नी कय्यूम का पैर फैक्चर हुआ है जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा।

आत्महत्या लेखपाल के परिवार से मिले अखिलेश यादव, दो लाख की आर्थिक मदद दी

दिव्यांश प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेशः खजुहा कस्बे में अधिकारियों के दबाव में आत्महत्या करने वाले लेखपाल सुधीर कुमार के परिवार से मिलने शुक्रवार की शाम सपा अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पहुंचे। परिवार से मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए एसआईआर प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर अत्याधिक दबाव बनाकर काम कर रहा है, जिससे कर्मचारियों की जान तक जा रही है।अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी की ओर से दिवंगत लेखपाल के परिवार को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। साथ ही सरकार से एक करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यह मामला वह लोकसभा में उठाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। परिवार को सांत्वना देते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है। इस दौरान सांसद नरेश उत्तम पटेल, प्रवक्ता जगदीश उर्फ जालिम सिंह, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव, पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर दयाल गुप्ता सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। रास्ते में जहानाबाद, बिंदकी और चौडगरा में कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिस पर अखिलेश यादव ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया।

आश्रम पद्धति विद्यालय से लापता 14 वर्षीय छात्र सकुशल बरामद, पुलिस ने स्वजनों को किया सुपुर्द

दिव्यांश प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेशः खासमऊ गांव स्थित आश्रम पद्धति विद्यालय से रहस्यमयी ढंग से लापता हुए एक 14 वर्षीय किशोर को सकुशल बरामद कर पुलिस ने स्वजनों के सुपुर्द किया है। कोतवाली क्षेत्र के खासमऊ गांव के पास स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति विद्यालय के छात्रावास से छात्र अंकित 14 वर्षीय पुत्र स्व० जगदीश निवासी नरैनी थाना किशनपुर बीती 24 नवम्बर की दोपहर को रहस्यमयी ढंग से लापता हो गया था, छात्र के लापता होते ही विद्यालय प्रबन्धन समिति समेत पुलिस महकमे व स्वजनों में हड़कम्प मच गया था, स्वजनों की दी गई।

लिखित तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस व बाल संरक्षण अधिकारी की संयुक्त टीमें लापता छात्र की सुरागरशी व बरामदगी के प्रयास में लगी थी, इसी दौरान टीम ने लापता छात्र को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रेवाड़ी गांव के पास से सकुशल बरामद कर लिया, बरामद छात्र को टीम ने स्वजनों के सुपुर्द कर दिया।

पिता से विवाद का बदला 2 साल के बच्चे की हत्या, 40 वर्षीय शख्स गिरफ्तार

कुणाल/दिल्लीः दिल्ली पुलिस ने एक शर्मनाक घटना में दो वर्षीय बच्चे की हत्या के आरोपी 40 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने यह घटना अपने पिता के साथ हुए विवाद का बदला लेने के इरादे से की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बच्चे को घर में अकेला पाया और जानबूझकर उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और संदिग्ध को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी की मानसिक स्थिति और उसके पिता के साथ विवाद की पूरी कहानी की छानबीन की जा रही है। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। घटना से इलाके में मातम पसरा है, और लोग पुलिस से इस तरह के जघन्य अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि आरोपी के खिलाफ बालिका हत्या।

महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 का जिला स्तरीय आयोजन

सतीश

हरियाणाः महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि गीता केवल एक धर्म ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। यह पवित्र ग्रंथ हमें हर दिन आने वाली समस्याओं का हल दिखाती है। श्री यादव आज अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 के तहत आईटीआई मैदान में आयोजित जिला स्तरीय गीता महोत्सव के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सबसे पहले उन्होंने विभिन्न स्वयं सहायता समूहों तथा विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल का निरीक्षण किया। इसके बाद दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

महोत्सव के दौरान अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण गीता में हमें लोक कल्याण के लिए काम करने को कहते हैं। सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास' और 'सर्वजन हिताय', के नारे भी गीता के श्लोकों से प्रेरित हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी गीता के इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हम सभी गीता के संदेश को आत्मसात करेंगे तो निश्चित रूप से 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि गीता कर्म, समर्पण और लोक कल्याण का संदेश देने वाला एक शाश्वत ग्रंथ है। यह हर युग में प्रासंगिक है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से कमल दीदी ने गीता पर अपने व्याख्यान दिए। इससे पहले जिओ गीता परिवार के सभी सदस्यों की तरफ से हवन यज्ञ किया गया तथा प्रसाद वितरण भी हुआ।

इस अवसर पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ शशिबाला, बीजेपी के जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव, आईटीआई के प्रिंसिपल विनोद खनगवाल, राजेश कुमार, कृष्णा यादव, राकेश कुमार, सिकंदर गहली के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। स्थानीय आईटीआई मैदान में चल रहे जिला स्तरीय गीता महोत्सव में 1 दिसम्बर (सोमवार) को होने वाले कार्यक्रमों में पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। सबसे पहले चामुंडा देवी मन्दिर में सुबह हवन यज्ञ का कार्यक्रम होगा। इसके बाद गीता श्लोकोच्चारण तथा 11:00 बजे भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पारितोषिक वितरण कार्यक्रम 4:15 बजे तथा दीपोत्सव 6:00 बजे किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से इन सभी कार्यक्रमों की तैयारी पूरी कर ली गई हैं। आईटीआई में चल रहे तीन दिवसीय गीता महोत्सव के दूसरे दिन आज वेदांता इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने जाने क्या जादू भगवान तुम्हारी व सोलो डांस, सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी हरियाणवी डांस, राजवंशी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौचाना हरियाणा एक हरियाणवी एक, सर्वोदय हाई स्कूल नसीबपुर के छात्र-छात्राओं ने गुदड़ी के लाल पर अपनी प्रस्तुति दी।

पसमांदा राय भाट समाज के चुनाव में मंजूर आलम राय अध्यक्ष चुने गए

एमडी सईद हसन संजारी

झारखंडः झारखंड पसमांदा राय भाट समाज का चुनाव झारखंड राज्य के रामगढ़ जिला के टाउन हाल में संपन्न हुआ। 4 वर्षों के परिश्रम और चुनाव की तैयारी के बाद शांति पूर्ण वातावरण में झारखंड पसमांदा राय भाट समाज का चुनाव आखिरकार हो गया। लोगों के मन में काफी उथल पुथल मची थी कि इस बार झारखंड राज्य की बागडोर किसके हाथों में सौंपी जाएगी। इस कार्य को अंजाम देने के लिए झारखंड पसमांदा राय भाट समाज के झारखंड के कुल 108 गांव से तीन तीन वोटर चुने गए थे। कुछ गांव से 6 तथा कुछ गांव से 9 वोटर भी चुने गए थे। साथ ही चुनाव कोर कमेटी के भी लगभग 35 लोग थे। सभी कोर कमिटी के लोगों और मतदाताओं द्वारा वोटिंग कराया गया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए जनाब मंजूर आलम राय धनगरी बस्ती जिला बोकारो निवासी ने कुल 137 मत प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जनाब कलाम राय साहब गुमला 102 मत को 35 मतों से पराजित कर विजय प्राप्त किया। सचिव पद के प्रत्याशी जनाब मो इबरान राय जुनोडीह जिला बोकारो निवासी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जनाब तौहीद आलम राय साहब को महज 11 मतों से पराजित किया और विजय पाई जबकि कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार जनाब मो इजरायल राय साहब जूनोडीह ने एकतरफा 74 वोटों से जीत हासिल किया। आज के बाद ये तीनों पदाधिकारीगण 30 महीनों अर्थात ढाई वर्षों के लिए झारखंड पसमांदा राय भाट समाज की बागडोर संभालेंगे। इस चुनाव के संपन्न होते ही लोगों के सारे कयास खत्म हो गए। अब देखना यह है कि ये नवनिर्वाचित पदाधिकारी अपने समाज को किन ऊंचाइयों तक ले जाते हैं और समाज के विकास में कितना योगदान देते हैं यह तो समय ही बताएगा। आशा है कि आने वाले दिनों में ये अपने समाज को नया आयाम देंगे और काफी ऊंचाई तक ले कर जाएंगे। मो सईद हसन संजरी ब्यूरो रिपोर्ट झारखंड।

भाजपा प्रवक्ता ने सरकार के चार वर्ष के विकास कार्य गिनाए

रुद्र बहादुर

उत्तराखंडः रविवार को हरबर्टपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर होने गिनाई विकास कार्यों की उपलब्धिया उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में ट्रिपल इंजन की सरकार काम कर रही है। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि देवभूमि भाजपा सरकार ने उत्तराखंड में जी-20 सम्मेलन और राष्ट्रीय खेलों का आयोजन भी हुआ है। राष्ट्रीय खेल में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने सौ से ज्यादा पदक जीते हैं। कहा कि धामी सरकार ने प्रदेश में 26हजार लोगों को नौकरियां भी दी है। पीएम आवास व अटल आयुष्मान योजना का लाभ हर तबके के व्यक्ति को मिल रहा है। भाजपा सरकार ने सख्त धर्मांतरण कानून लाने और यूसीसी कानून लागू करने में उत्तराखंड पहला राज्य बना है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिनके पास रहने के लिए आवास नहीं थे। उनको छठ उपलब्ध कराया है। जल जीवन मिशन के तहत हर घर पीने का पानी नल उपलब्ध घर तक कराया है। प्रदेश की धामी सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए जीरो टॉलरेंस के माध्यम से भ्रष्टाचार्यों के विरुद्ध कार्यवाही की है। चार धाम यात्रा के दौरान प्रदेश के बाहर देश-विदेश से आने वाले लोगों के लिए तमाम सुविधा उपलब्ध सरकार ने कराई है ताकि सुगमता से चार धाम यात्रा के दर्शन श्रद्धालु गण कर सके। कृषकों के लिए किसान सम्मन निधि हर 6 महीने में किस प्रदान किया जाता है। से किसानों को फायदा हो रहा है। जरूरतमंदों के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2027 में धामी के नेतृत्व में प्रदेश में चुनाव लड़ा जाएगा। इस मौके पर भाजपा के मंडल और प्रदेश के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गाडरवारा में भव्य यूनिटी मार्च निकाला

अरुण श्रीवास्तव

मध्य प्रदेशः मंत्री उदय प्रताप सिंह और सांसद चौधरी दर्शन सिंह के नेतृत्व में निकाली गई भव्य यूनिटी मार्च। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जन्म जयंती के अवसर पर निकाली गई भव्य यूनिटी मार्च। भारत के लौह पुरुष एवं प्रथम गृहमंत्री श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जिले की गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और सांसद श्री चौधरी दर्शन सिंह के नेतृत्व में शनिवार को भव्य यूनिटी मार्च निकाला गया। यूनिटी मार्च का शुभारंभ ग्राम बम्होरी से हुआ और समापन ग्राम सोकलपुर में मां नर्मदा जी के पावन तट पर स्थित धाम में हुआ। यूनिटी मार्च का जगह- जगह स्वागत, वंदन और अभिनंदन किया गया। यूनिटी मार्च में किसान, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, व्यापारियों व वरिष्ठ नागरिकों सहित समाज के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सांसद चौधरी दर्शन सिंह के नेतृत्व में भव्य यूनिटी मार्च निकाला गया।

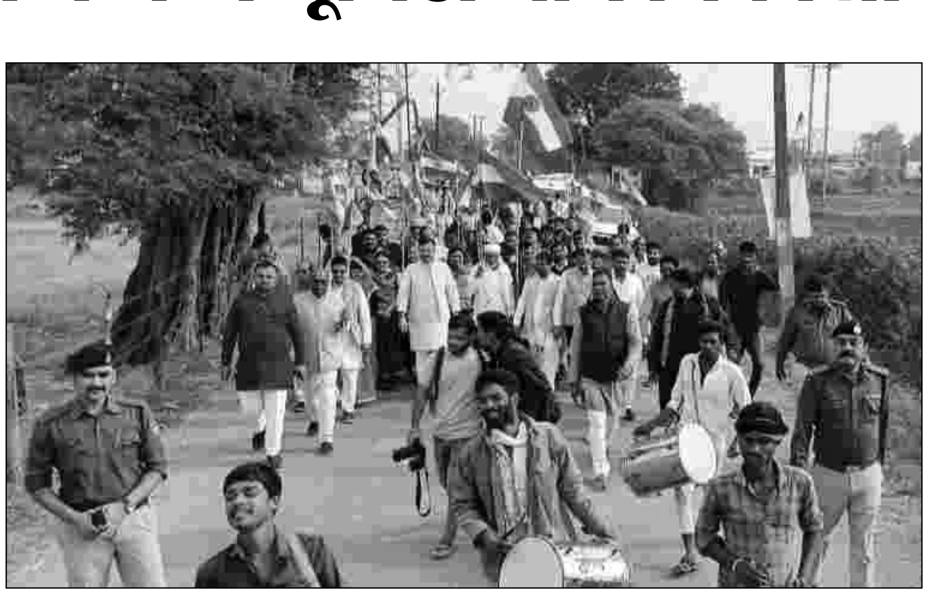

उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल देश की एकता और अखंडता के मसीहा माने जाते हैं। भारत के नवनिर्माण में उनका अप्रतिम योगदान है। मंत्री सिंह ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के कार्यों और उनकी विचारधारा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सांसद सिंह ने श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने की भूमिका तथा 562 रियासतों के एकीकरण के ऐतिहासिक कार्य पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि अखंड भारत का स्वरूप सरदार पटेल की दूरदृष्टि और दृढ़ नेतृत्व की देन है। उनके विचारों को गांव- गांव व घर- घर पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से सकारात्मक लक्ष्य के साथ एकता और भाईचारे का संदेश फैलाने तथा श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों को हर नागरिक तक पहुँचाने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती साधना स्थापक व नरेश पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष गाडरवारा शिवाकांत मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ऋचा स्थापक, सुश्री अंजू शुक्ला, राव संदीप सिंह, मोहरकांत पटेल, प्रियांक जैन, मुकेश मरैया, अनूप जैन, ठाकुर भूपेंद्र सिंह, धर्मपाल राजपूत, कीरत सिंह गुर्जर, सचिन अग्रवाल, मनोज दुबे, राजेश गुर्जर, चंद्रकांत शर्मा, दिग्विजय सिंह राजपूत, नरेश कौरव, सुरेश मामुलिया, श्रीमती पूजा तिवारी, श्रीमती सुषमा साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

एक नजर

मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अंतर्गत लकी ड्रा सम्पन्न हुआ

सूरज मौर्य/उत्तर प्रदेशः मा० मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अंतर्गत आयोजित लकी ड्रा का आयोजन आज आयुक्त कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज कुमार द्विवेदी, अपर आयुक्त (प्रशासन) ने की। कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के माह सितम्बर 2025 तक कुल 06 तिमाही एवं 03 छमाही के लकी ड्रा निकाले गए। यह ड्रा मंडी समितियों द्वारा किसानों को जारी कूपनों के आधार पर आयोजित किया गया। छह किसानों को मिला 35 हॉर्स पावर ट्रैक्टर का उपहार ड्रा में मुख्य पुरस्कार स्वरूप 35 एचपी क्षमता वाला ट्रैक्टर छह किसानों के नाम निकले। इन किसानों को उपहार वितरण 23 दिसम्बर 2025 को स्व० चौधरी चरण सिंह की जयंती पर मा० मुख्यमंत्री के कर-कमलों द्वारा प्रस्तावित है। विजेता किसान इस प्रकार हैं–श्रीमती सुमन देवी, पति श्री दिलीप कुमार – शोभी, मड़िहान, मीरजापुर। श्री बच्चन लाल, पुत्र श्री सुखराज बिन्द – तुलापुर, बिन्दनगर, गोपीगंज। विश्वजीत, पुत्र स्व० सुरेन्द्र पटेल – बीडर, दुद्धी, सोनभद्र। रवि चन्द्र, पुत्र स्व० अशर्फी – बीडर, दुद्धी, सोनभद्र मुख्य पुरस्कार के अतिरिक्त 111 किसानों को उपहार स्वरूप विभिन्न श्रेणियों में निम्न वस्तुएँ प्रदान की गईं।

जिलाधिकारी व एसएसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

मोहित मिश्रा/मध्य प्रदेशः आज दिनांक 30 नवम्बर 2025 को जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार, मीरजापुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार परिसर, कैदियों की बैरक, भोजनालय, चिकित्सालय सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। अधिकारियों ने कारागार में उपलब्ध सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी लेते हुए सम्बंधित कर्मचारियों को बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।इस दौरान जेल अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कारागार कर्मी उपस्थित रहे।

सोनकर विधायक ने 3 करोड़ की पुलियों का भूमिपूजन किया

रवि कुमार/मध्य प्रदेशः टोंक खुर्द सोनकर विधायक विधानसभा चुनाव के दौरान जब मैं जनसंपर्क के लिए आया था। तब मुझे यहां के ग्रामीणों ने नालों पर छोटे पुल निर्माण होने के कारण बारिश के समय आवागमन में आ रही परेशानी से अवगत कराया था। दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के चार दिन पूर्व आज हम जीवाजीगढ़ तथा इकलेरामाताजी दोनों स्थानों पर करीब 3 करोड़ की लागत से बनने वाली पुलियाओं का भूमिपूजन कर रहे हैं। हमने जो वादा किया था वह वादा आज हम पूरा कर रहे हैं। यह बात ग्राम जीवाजीगढ़ तथा इकलेरामाताजी में बनने वाली पुलियाओं के भूमिपूजन अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक डॉ राजेश सोनकर ने कही। मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाटीदार ने स्वागत भाषण दिया। जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि भेरूलाल अटारिया , भाजपा नेता श्याम गालोदिया तथा कैलाश राणा ने भी संबोधित किया। अतिथि का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन दिलीप मालवीय ने तथा आभार बद्रीलाल यादव ने माना।

मामूली विवाद में तीन युवकों को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा गया

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर से एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। जहाँ तीन युवकों को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला नोनहरा थाना क्षेत्र के पारा गांव का है, जहाँ एक मामूली विवाद ने बड़ा बवाल का रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम शुरू हुआ झगड़ा रविवार को उस समय हिंसक हो गया, जब टेंट व्यवसायी फखरुद्दीन उर्फ पप्पू और उनके भाई नसरुद्दीन उर्फ मोनू पर रॉड, हॉकी और लाठियों से हमला कर दिया गया। आरोप है कि पड़ोसी मुस्तफा खान के बेटे जीशान ने बाह बाहर से बदमाश बुलाकर उन्हें घर में छिपा रखा था। जैसे ही फखरुद्दीन बारात से टेंट हटाकर घर पहुंचे, बदमाश अचानक बाहर आए और हमला बोल दिया। शोर सुनकर ग्रामीण इकट्ठा पारा गांव में तीन युवकों को खंभे से बांधकर पीटा, हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल। मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, टेंट व्यवसायी पर रॉड और हॉकी से हमला। हमले में घायल फखरुद्दीन गंभीर, वाराणसी रेफर, नसरुद्दीन की

हालत भी नाजुक हुए तो हमलावर मुस्तफा के घर में घुसकर छिप गए। घटना की सूचना पर नोनहरा पुलिस मौके पर पहुँची और मुस्तफा खान व उसके बेटे जीशान को हिरासत में ले लिया। दो स्कॉर्पियो और एक अन्य फोर-व्हीलर भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के वापस लौटने के कुछ घंटे बाद, एक बदमाश बाइक लेकर भागने की कोशिश करते पकड़ा गया। ग्रामीणों ने उसकी जमकर पिटाई की। पूछताछ में उसने बताया कि घर के अंदर और भी दो बदमाश छिपे हैं। इसके बाद ग्रामीणों ने घर में घुसकर तीनों को पकड़ लिया और खंभे से बांधकर पीटना शुरू कर दिया। ये वही तस्वीरें हैं जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो। ग्रामीणों ने तीन हमलावरों को पकड़ कर खंभे से बांधे, दो स्कॉर्पियो और एक फोर-व्हीलर बरामद। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल के साथ कई थानों की टीम मौके पर पहुँची। मामले में एएसपी अतुल सोनकर ने कहा मामला दर्ज कर लिया गया है, जांच जारी चुकी हैं। हालात बिगड़ते देख भारी पुलिस बल गांव में तैनात किया गया। सीओ कासिमाबाद, नोनहरा और बिरनो थाना प्रभारी, कासिमाबाद, मोहम्मदाबाद और सदर के इंस्पेक्टर, साथ ही एसडीएम सदर और तहसीलदार मौके पर पहुँचे और स्थिति पर काबू पाया। हमले में गंभीर घायल फखरुद्दीन को गाजीपुर मेडिकल कॉलेज से वाराणसी रेफर कर दिया गया है। नसरुद्दीन की हालत भी नाजुक बताई जा रही है। फिलहाल पारा गांव में में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है और पूरे मामले की जांच जारी है।

विकासनगर कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण क्षेत्राधिकारी ने की जांच और दिशा-निर्देश जारी

रुद्र बहादुर

उत्तराखंडः पुलिस क्षेत्राधिकारी विकास नगर द्वारा कोतवाली विकासनगर का अर्द्ध वार्षिकनिरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना भवन एवं थाना परिसर का भ्रमण कर थाना में बने आवासीय भवन व बैरकों का निरीक्षण किया गया, थाने के मैस का निरीक्षण कर कर्मचारियों के भोजन की व्यवस्था की जानकारी ली। मालगृह के निरीक्षण के दौरान मालखाने में रखे मालों के रखरखाव एवं मालों के निस्तारण एवं संपूर्ण सरकारी संपत्ति की जानकारी ली गई। थाने पर उपलब्ध सरकारी संपत्ति व अस्लाह , आपदा उपकरणों का निरीक्षण किया गया, जिनका रखरखाव सही का पाया गया। थाने पर लंबित माल मुकदमाती, लावारिस मालों का निरीक्षण किया गया । मालों के रखरखाव के संबंध में आवश्यक आदेश- निर्देश दिए गए तथा एमवी एक्ट, लावारिश व अभियोगों से संबंधित मालों का शीघ्र निस्तारण व निलामी प्रक्रिया किये जाने हेतु मालखाना मोहर्रिर को निर्देशित किया गया । निरीक्षण के दौरान अश्लाह खोलने और जोड़ने के संबंध में मौजूद कर्म गणों से पूछताछ कर खुलवाये गए तथा नियमित अस्लाह खोलने झजोडने का

अभ्यास करने हेतु सभी अधि./कर्म.गणों को निर्देशित किया गया।

थाना अभिलेखो के निरीक्षण में सभी अभिलेखों को अध्यावधि करने हेतु थाने में उपस्थित सभी कार्यालय कर्मगणों को निर्देशित किया गया। साथ ही समस्त विवेचकों को ऑनलाइन पोर्टलो की सूचनाओं तथा सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के उपरांत थाने पर उपस्थित समस्त अधिकारी / कर्मचारीगणों को अपराध नियंत्रण और रोकथाम तथा विवेचनाओं व शिकायती प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध व शीघ्रता से विधिक निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं थाना क्षेत्रान्तर्गत यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त अवैध मादक पदार्थो की तस्करी, अवैध शराब पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया तथा सभी कर्मचारी गणों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई` र्तमान समय में पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रचलित अभियानों जिसमें वांछितों व इनामी अपराधियो की गिरफ्तारी, गैर जमानती वारंटो, एनडीपीएस से संबंधित अपराधियों की धर पकड़ ,मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी करवाई के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये गये।

संपादकीय

सत्र के आर, सत्र के पार

तपोवन में क्या आगामी विधानसभा चुनाव की रंगभूमि रची जा रही है। सोशल मीडिया सदन के बाहर जिस सत्र की ताजपोशी करता रहा वहां क्या सत्ता और क्या विपक्ष। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की व्यवस्था के प्रश्न परिसर के बाहर बिखर गए। कई मुंह वाले नेताओं को सिर्फ कुछ कर दिखाना है, इसलिए हमने देखा राजनीति के कितने दरवाजे हो सकते हैं। यहां जनता की वकालत नहीं, प्रदेश के पैमाने नहीं, यहां सरदारियां हैं, कुछ पगड़ियां और तैयारियां हैं। बेचारे पेंशनर्स अपनी उम्र के खाके-पेंशन के फाके लिए, जोरावर स्टेडियम से बेदखल, पुलिस ग्राऊंड की विशालता में गूंज पैदा करते रहे। बहुत दूर नहीं हो सकता सरकार का दिल और इसीलिए काबिल बनने से पहले बेरोजगारों के सपने-अधिकारों के नथुने फूलते रहे। यह सब प्रदेश के लिए हो रहा है या हम बेहतर विकल्पों की तुलना में चुनाव-दर-चुनाव, आंदोलन से तर-ब-तर आजमाइश कर रहे हैं। पेंशनरों के आंदोलन से बड़ा संघर्ष क्या सत्ता बनाम विपक्ष है, जो विधानसभा परिसर की दीवारों के बाहर बर्र का छत्ता बना नजर आया। नजर आया कि विधायक होने का अब अर्थ क्या है। नजर आया कि विपक्ष नारे लगाएगा, तो सामने सत्ताधारी वंश भी उतर आएगा। सदन के बाहर तमाशा अच्छा है या भीतर किसी मंत्री का भाषण अच्छा है। कम से कम राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के भाष्य संदर्भ, विपक्षी टुकड़ियों को आंदोलन उठाने की सहूलियत दे गए। कई बार लगता है कि राजनीतिक दूध में मक्खियां ही मक्खियां हैं, किस किस को निकालोगे, यहां हाथ गिरेबां तक नहीं पहुंचता। किसने क्या मांगा यह तेरी तकदीर, तू हिमाचल है तंगदिल शरीर। हर बार और हर सरकार में हिमाचल का संतुलन होता नहीं, इन बातों में खुशामद के सिवा कुछ होता नहीं। खैर दो दिन विराम के बाद, क्या चैन लौट आएगा या वर्तमान सरकार के खिलाफ भाजपा तीन साल का रोष दिखा पाएगी। इस बीच कांग्रेस पार्टी का जश्न नए प्रदेशाध्यक्ष की संगत में अपनी विसंगतियों की पापड़ बेलेगा या हृदय में बसे अपने-अपने राम की तलाशी में मजदूरी करेगा। जो भी हो तपोवन में शीतकालीन सत्र का कथानक हर बार एक नया नाटक पैदा करता है। बदले हैं कई विधायक और उनके सवालों का असर जोरदार होता है।

जो विधायक बजीर रामसिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिलाने की मांग करते हैं, उनके इतिहास को सलाम। जो आवारा पशुओं की शिनाख्त करते हैं, उनके सुझावों को साधुवाद। कई बार आश्चर्य होता है कि पूरा विधानसभा सत्र यूं तो बड़ी-बड़ी बातें, बड़े-बड़े इरादे सुनता है, लेकिन प्रदेश की हैसियत में फर्क नहीं पड़ता। शुक्रगुजार है हिमाचल कि घायल कर देने वाली टिप्पणियों को कार्यवाही से हटा देने का माद्दा अभी शेष है, वरना सियासत ने लोकतांत्रिक परंपराओं की कसौटियां बदल डाली हैं। मंत्रियों ने कहा है कि अवैध खनन पर प्रहार होगा, हर अस्पताल के इलाज में अच्छा व्यवहार होगा।

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

> भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93, 000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं।

-प्रहलाद सबनानी-

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ‟सहकार से समृद्धि" का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब ‟सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93, 000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35, 000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63, 000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2, 516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं।

सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है।

भारत के बढ़ते विदेशी कर्ज के पीछे बढ़ता व्यापार घाटा

-नन्तू बनर्जी-

रुपये की लगातार गिरावट ने एक गलत चक्र बना दिया है, जिससे रुपये के हिसाब से आयात महंगा हो गया है और घरेलू करेंसी का एक्सचेंज मूल्य कम होने से विदेशी कर्ज चुकाना और भी महंगा हो गया है। रुपये में विदेशी कर्ज चुकाना और भुगतान करना और भी महंगा साबित होता है। इससे सरकार और विदेशी लोन वाली भारतीय बिजनेस कंपनियों के वित्त पर दबाव पड़ता है।

सरकार भले ही इससे सहमत न हो, लेकिन भारत का लगातार व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रहा है, जबकि विकास दर शानदार है। पिछले महीने, आयात पर ज्यादा ध्यान देने वाले भारत का व्यापार घाटा 41अरबडालरके रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि निर्यात में एक साल में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। बदकिस्मती से, अक्टूबर के दौरान देश में सोने के आयात में भारी उछाल आया, जो बड़े व्यापार घाटा का एक कारण है। यह स्थिति तब है जब 2024 ग्लोबल मल्टीडायमेंशनलपॉवर्टी इंडेक्स (एमपीआई) के अनुसार, भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा (23.4 करोड़)लोग अत्यंत गरीबी में जी रहे हैं।

लगातार व्यापार घाटा देश को और ज्यादा बाहरी उधार लेने के लिए मजबूर कर रहा है, जिससे भारतीय रुपये का मूल्य कम हो रहा है। दिसंबर 2024 के आखिर में देश का बाहरी कर्ज लगभग $718 अरब हो गया था, जो दिसंबर 2023 से $69.2अरब ज्यादा था, जिससे बाहरी कर्ज और जीडीपी का अनुपात 19.1 प्रतिशत हो गया। इस साल जून के आखिर तक, बाहरी कर्ज बढ़कर $747.2अरब हो गया था।

सवाल यह है कि देश सोना, चांदी, कीमती मेटल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और गैजेट, एयर-कंडीशनर, हेडफोन, जूते, प्लास्टिक से बने सामान, फर्नीचर और घर की सजावट जैसे प्रोडक्ट, और सेब, बादाम और काजू जैसे खाने के प्रोडक्ट के आयात को बहुत कम क्यों नहीं कर रहा है? असल में, देश में गैर-जरूरी सामान के आयात में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जो अमीर और उच्च मध्यम वर्ग की उपभोक्ता मांग और उद्योगों की वजह से हो रही है, जो बढ़ते व्यापार घाटे में योगदान दे रहे हैं।

हालांकि माना जा रहा है कि सरकार हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत इनमें से कुछ आयातों पर नजर रख रही है, लेकिन ज्यादा आयात शुल्क, क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर लागू करने और लैपटॉप और फोन जैसे कुछ सामान पर रोक लगाने जैसे उपायों के जरिए उनके आयात में वृद्धि को रोकने के लिए उठाए गए कदम, काफी नहीं हैं। रूस से डिस्काउंट रेट पर तेल के आयात से होने वाली भारी विदेशी मुद्रा की बचत का उपयोग गैर-जरूरी सामानों के बढ़ते आयात में करने के कारण कुल व्यापारिक घाटे पर बहुत कम असर पड़ा।

हैरानी की बात है कि मुंबई के ज्वेलरी बाजार में मौजूद इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की खुशी के लिए, आयात शुल्क में हाल ही में की गई चुनिंदा बढ़ोतरी से सोने को बाहर रखा गया है। यह एसोसिएशन पूरे देश में काम करता है और देश में रोजाना सोने के रेट तय करने में अहम भूमिका निभाता है। भारत के पुराने और मौजूदा बुलियन ट्रेड का एक बड़ा हिस्सा गुजराती समुदाय और अहमदाबाद में गुजरात बुलियन रिफाइनरी जैसी बड़ी संस्थाओं से मजबूत संबंध रखता है। भारत के सोने के आयात का स्विस कनेक्शन मजबूत है। भारत को सोने का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता है स्विट्जरलैंड, जो भारत के कुल सोने के आयात का एक बड़े हिस्से की आपूर्ति करता है।

हाल ही में मंजूर हुए इंडिया-यूएफटीए(यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन) ट्रेड और इकानॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट से भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार और निवेश को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मजे की बात यह है कि स्विट्जरलैंड को भारत का निर्यात हमेशा बहुत कम रहा है। 2024-25 में, स्विट्जरलैंड को भारत का कुल निर्यात सिर्फ $1.51अरब के आसपास था, जबकि आयात $22.4अरब था, जिससे भारत को काफी व्यापार घाटा हुआ। स्विट्जरलैंड से भारत के ज्यादातर आयात में सोना होता है। 2020-21 और 2024-25 के बीच स्विट्जरलैंड के साथ कुल व्यापार 4.62प्रतिशत की सालाना कंपाउंड रेट से बढ़ा।

भारत का लगातार बड़ा व्यापार घाटा और काफी बढ़ता बाहरी कर्ज रुपये के मूल्य पर काफी नीचे की ओर दबाव डाल रहा है क्योंकि अमेरिकी डॉलर जैसी विदेशी करेंसी की मांग लगातार बढ़ रही है ताकि ज्यादा से ज्यादा आयात और कर्ज चुकाने के लिए भुगतान किया जा सके। पहले से, देश कच्चे तेल, सोने और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर रहा है। बड़े व्यापार घाटा से भुगतान संतुलन पर असर पड़ रहा है। लगातार व्यापार घाटा से करेंट अकाउंट डेफिसिट बढ़ता है, जिसे विदेशी निवेशक अक्सर आर्थिक अस्थिरता का संकेत मानते हैं, जिससे घरेलू करेंसी पर और दबाव पड़ता है। इससे पता चलता है कि भारत के बड़े और बढ़ते बाजार और शानदार आर्थिक विकास के बावजूद विदेशी निवेशक भारत में निवेश करने के लिए ज्यादा उत्साह क्यों नहीं दिखा रहे हैं।

नए श्रम कानूनों से आर्थिक रफ्तार

-डा. जयंती लाल भंडारी-

हाल ही में 21 नवंबर को केंद्र सरकार ने देश में पांच साल के लंबे समय से प्रतीक्षित जिन नए श्रम कानूनों के तहत चार श्रम संहिता (लेबर कोड) को लागू कर दिया है, उनसे श्रमिकों के लिए राहत और उद्योग-कारोबार के लिए आर्थिक रफ्तार की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नए श्रम कानून के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये श्रम कानून देश में स्वतंत्रता के बाद से सबसे व्यापक और प्रगतिशील श्रम-उन्मुख सुधार हैं। वस्तुतः नई चार श्रम संहिताएं सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी का भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और हमारे लोगों, विशेष रूप से नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए लाभकारी अवसरों के लिए एक मजबूत नींव के रूप में काम करेंगी। साथ ही नए श्रम कानून भविष्य के लिए एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण करेंगे, जो श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करेगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने भारत के नए श्रम कानूनों की सराहना करते हुए कहा कि इनसे श्रमिकों को बड़े लाभ होंगे। साथ ही रोजगार प्रदाताओं और श्रमिकों के बीच सामाजिक सुरक्षा संवाद मजबूत होगा। निश्चित रूप से नई श्रम संहिताओं ने श्रम कानूनों को सरल, निष्पक्ष और नए दौर के कामकाजी वातावरण के अधिक अनुकूल बना दिया है।

ये नए श्रम कानून श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में सुधार करने, व्यवसायों के लिए नियमों का अनुपालन करना आसान बनाने और बढ़ती अर्थव्यवस्था में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के मद्देनजर अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों, उद्योगों और सरकार के हितों से संबंधित बहुआयामी लाभ उभरकर दिखाई दे रहे हैं। अब नियोक्ताओं को सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करना होगा तथा गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित पूरे श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच प्रदान की जाना भी सुनिश्चित की गई है। अब तय अवधि के लिए ठेके पर काम करने वाले कामगारों को स्थायी श्रमिकों के बराबर सभी लाभ मिलेंगे और वे 5 साल के बजाय सिर्फ एक साल बाद ग्रेच्युटी पाने के हकदार होंगे। नए श्रम नियम महिलाओं को रात की पाली में काम करने और देश भर में कर्मचारियों के राज्य बीमा लाभों का विस्तार करने की अनुमति भी देते हैं, इन सबसे श्रम की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ेगी। यदि हम देश में श्रम कानूनों का इतिहास देखें तो पाते हैं कि भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद के आरंभिक काल में उस समय बनाए गए थे, जब अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया वर्तमान व्यवस्थाओं से पूरी तरह भिन्न थी। जैसे-जैसे 1991 के बाद वैश्वीकरण बढ़ता गया, वैसे-वैसे दुनिया के अधिकांश बड़े विकसित और विकासशील देशों ने पिछले कुछ दशकों में अपने श्रम नियमों को समय के साथ अनुकूल व सरल बनाया और उन्हें एकीकृत किया है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि सिंगापुर, डेनमार्क, अमेरिका, न्यूजीलैंड तथा वियतनाम सहित कई देश लचीले श्रम कानूनों के कारण न केवल औद्योगिक विकास की डगर पर लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये देश उद्योग-कारोबार की रैंकिंग में भी आगे हैं। लेकिन भारत अब तक 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे, जटिल और कई मामलों में पुराने प्रावधानों के आधार पर काम कर रहा था, जिन्हें सरल करने की जरूरत बनी हुई थी। उच्चतम न्यायालय भी कई बार देश में अप्रासंगिक हो चुके ऐसे श्रम कानूनों की कमियां गिनाता रहा है, जो काम को कठिन और लंबी अवधि का बनाते हैं।

देश और दुनिया के आर्थिक संगठन बार-बार यह कहते रहे हैं कि श्रम सुधारों से ही भारत में उद्योग-कारोबार का तेजी से विकास हो सकेगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि नए श्रम कानून का एक बड़ा आधार दूसरे राष्ट्रीय श्रम आयोग की रिपोर्ट में प्रस्तुत की गई बहुआयामी सिफारिशें भी हैं। इस आयोग का गठन तत्कालीन श्रम मंत्री डा. सत्यनारायण जटिया के द्वारा अक्टूबर 1999 में किया गया था, जिसकी रिपोर्ट जून 2002 में प्राप्त हुई थी।

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर

-ललित गर्ग-

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। निश्चित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं।

समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पडोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है।

इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोनः 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

हाईकमान के आदेश के इंतजार में सिद्धारमैया-शिवकुमार, उधर जातीय संगठनों ने दिया अल्टीमेटम

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक में सत्ता के ढाई साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के भीतर चल रहा तनिहित संकट अब खुलकर सड़क पर आ गया है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के समर्थक जातीय संगठन एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं और दोनों पक्ष पार्टी हाईकमान को खुली चेतावनी दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक संसद के शीतकालीन सत्र (1 दिसंबर से) शुरू होने से पहले इस विवाद को सुलझाने की कोशिश तेज हो गई है। माना जा रहा है कि मई 2023 में हुई कथित ÷सीक्रेट डील÷(ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला) ही मौजूदा तनाव की जड़ है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पहले ही दोनों नेताओं को दिल्ली बुलाकर बैठक करने के संकेत दे चुके हैं। सिद्धारमैया ने कहा, अगर बुलाया जाएगा तो जरूर जाऊंगा। वहीं डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बयाना था, सीएम और मैं मिलकर चर्चा करेंगे, फिर जाएंगे। पहले 28-29 नवंबर को दिल्ली में बैठक की चर्चा थी, लेकिन

आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दूसरी तरफ वोक्कलिगा समुदाय के संगठन भी पीछे नहीं हैं। वोक्कलिगा संघ ने पार्टी से अपील की है कि डीके शिवकुमार को तुरंत मुख्यमंत्री बनाया जाए। संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास ने कहा, 'शिवकुमार दिन-रात बिना थके पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, वे इसके हकदार हैं। अगर उन्हें मौका नहीं मिला तो संतों के मार्गदर्शन में पूरे समुदाय के साथ बड़ा आंदोलन करेंगे।' पूर्व अध्यक्ष बी केंचप्पागौड़ा ने और सख्त लहजे में कहा, 'अगर शिवकुमार को अनुचित तरीके से दरकिनार किया गया तो अगले चुनाव में कांग्रेस को समुदाय सबक सिखाएगा।' कर्नाटक स्टेट फेडरेशन ऑफ बैकवर्ड क्लास कम्युनिटीज (केएसएफबीसीसी) ने साफ चेतावनी दी है कि अगर सिद्धारमैया को हटाने की कोशिश हुई तो इसका खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा। अध्यक्ष केएम रामचंद्रप्पा ने कहा, 'जो लोग जाति जनगणना के खिलाफ हैं, वही सीएम को हटाने पर तुले हैं। अहिंदा (अल्पसंख्यक-ओबीसी-दलित) समुदाय चुप नहीं बैठेगा। धमकियां नई नहीं हैं, आजादी के बाद से चल रही हैं, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं।'

गुरुवार को भी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपना सरकारी कामकाज जारी रखा, लेकिन एक दिन पहले बुधवार को उन्होंने अपने विश्वस्त माने जाने वाले वरिष्ठ नेताओं-विधायकों से बंद कमरे में लंबी बैठक की। इसमें गृह मंत्री जी परमेश्वर, पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जरकिहोली, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा (रिपोर्ट में नाम नहीं लेकिन आमतौर पर शामिल रहते हैं), एचसी महादेवप्पा, के वेंकटेश और पूर्व मंत्री केएन राजन्ना जैसे अहिंदा खेमे के दिग्गज शामिल थे। कुल मिलाकर कर्नाटक कांग्रेस ढाई साल के फॉर्मूले पर बुरी तरह उलझ गई है। दोनों तरफ के जातीय संगठन सड़क पर उतर आए हैं और हाईकमान पर दबाव बना रहे हैं। आने वाले दो-तीन दिन में दिल्ली से जो भी फैसला आएगा, वह न सिर्फ कर्नाटक बल्कि पूरे दक्षिण भारत की कांग्रेस राजनीति की दिशा तय करेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक 30 नवबंर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 30 नवंबर को संसद के शीतकालीन सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के अनुसार, बैठक का मुख्य उद्देश्य विपक्ष के नेता के साथ विधेयकों की सूची साझा करना और उनके सुझाव लेना है। विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबित विधेयकों की समीक्षा के बाद, सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं के सुझावों के अनुसार शीतकालीन सत्र के लिए रणनीति बनाई जाएगी। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 19 दिनों की अवधि में कुल 15 बैठकें होनी हैं।

चंडीगढ़ संशोधन विधेयक पर स्पष्टीकरण

विधेयक~संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2025 के तहत चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 के तहत शामिल किए जाने की अटकलें हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से अभी भी विचाराधीन है। मंत्रालय ने कहा कि इस प्रस्ताव का इरादा चंडीगढ़ के शासन या प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करना या चंडीगढ़ और पंजाब या हरियाणा राज्यों के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को संशोधित करना नहीं है। इस मामले पर कोई भी निर्णय सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही लिया जाएगा, ताकि चंडीगढ़ के हितों की पूरी तरह से रक्षा हो सके।

अखिलेश यादव ने एसआईआर अभियान को देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साज़िश बताया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने एसआईआर अभियान को देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साज़िश बताया, जो उनके अनुसार, अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी करार देकर जनता से जागरूक होने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-ज़मीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा, और फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, भाजपा के संगी-साथी और भाजपा सरकार की तिकड़ी व निर्वाचन आयोग के कुछ भ्रष्ट लोग मिलकर पूरी चुनावी व्यवस्था का अपहरण कर रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से सारे काम छोड़कर एसआईआर की घपलेबाजी को रोकने और वोट के रूप में अपनी पहचान को बचाने की अपील की। अखिलेश ने सभी विपक्षी दलों के साथ-साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी दलों से भी एकजुट होने और भाजपा के इस महा-षड्यंत्र का पर्दाफाश करने का आह्वान किया। उन्होंने राजग सहयोगियों को आगाह किया कि जो दल भाजपा को अपना सहयोगी मान रहे हैं, सबसे पहले भाजपा उन्हीं का ख़ात्मा करेगी।

चित्तौड़गढ़ के गोल्डमैन खटीक को रोहित गोदारा गैंग से प्रोटेक्शन मनी की धमकी

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के कन्हैयालाल खटिक (जिन्हें गोल्डमैन और बप्पी लाहिरी के नाम से जाना जाता है) को रोहित गोदारा गैंग के नाम पर 5 करोड़ की प्रोटेक्शन मनी की धमकी मिली है। बात दें कि पीड़ित कन्हैयालाल खटिक की उम्र 50 वर्ष हैं, और वे एक फल कारोबारी है। वह करीब साढ़े तीन किलो सोना पहनकर घूमते हैं, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये है। वह अखिल भारतीय खटीक समाज के राजस्थान में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। उन्हें दो दिन पहले एक मिस्ड कॉल, फिर वॉट्सएप कॉल और एक ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली, जिसमें 5 करोड़ रुपये की मांग की गई है। धमकी में कहा गया है कि रकम न देने पर वह सोना पहनने लायक नहीं रह जाएंगे। बात दें कि रोहित गोदारा, बीकानेर के लूणकरणसर का निवासी है, माना जाता है कि वह कनाडा में रहकर गैंग चलाता है। उस पर पहले भी फिरौती वसूली के आरोप लगे हैं और उसका नाम सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी आया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी है। कन्हैयालाल खटिक ने कोतवाली पुलिस थाने में केस दर्ज कराया है।

कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग का साजिशकर्ता दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर फायरिंग कराने के मुख्य साजिशकर्ता को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। इस गैंगस्टर की पहचान बंधु मान सिंह सेखों के रूप में हुई है, जो गोल्डी ढिल्लो गैंग का भारत-कनाडा बेस्ड हैंडलर बताया जा रहा है और उसके खिलाफ कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच ने उसके कब्जे से हाई-एंड पीएक्स-3 पिस्टल 8 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जुलाई में खुले कनाडा के सरे इलाके में कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' को सबसे पहले 10 जुलाई को अज्ञात लोगों ने निशाना बनाया था। उसके बाद 7 अगस्त और 16 अक्टूबर को कैफे पर दो और हमले हुए। कपिल शर्मा ने मुंबई में कहा था कि कनाडा में उनके कैफे पर फायरिंग की तीन घटनाओं ने अधिकारियों को देश में ऐसे हमलों के खिलाफ कार्रवाई करने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वहां के नियम और पुलिस के पास शायद ऐसी घटनाओं को कंट्रोल करने की शक्ति नहीं है, लेकिन जब हमारा मामला हुआ, तो यह संघीय सरकार के पास गया और कनाडा की संसद में इस पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भगवान जो भी करते हैं, हमें उसके पीछे की कहानी पता नहीं चलती...मुझे वहां से बहुत से लोगों के कॉल आए जिन्होंने मुझे बताया कि बहुत कुछ हो रहा था। शर्मा ने कहा कि मैंने मुंबई या हमारे देश में कहीं भी कभी असुरक्षित महसूस नहीं किया। मुंबई जैसा कोई दूसरा शहर नहीं है।

आतंकवाद से जुड़े हवाला रैकेट का पर्दाफाश, मुंबई कस्टम्स का दो दशकों में सबसे बड़ी कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम्स) ने एक बिना अनुमति वाले हवाला रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कंपनी मेसर्स एच.एम.फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड से कुल 7 लाख रुपये की विदेशी करेंसी और 2 करोड़ रुपये के भारतीय करेंसी नोट ज़ब्त किए गए हैं। यह पूरी रकम हसन मोहम्मद करोडिया उर्फ ??हसन गोगा से ज़ब्त की गई है। मिली जानकारी के अनुसार गुप्तचर विभाग को गुप्त जानकारी मिली थी कि हसन गोगा नाम के हवाला कारोबारी के पास विदेश से बड़ी मात्रा में विदेशी करेंसी की स्मगलिंग की जा रही है। जिसके बाद कस्टम्स विभाग ने जाल बिछाया और गोगा के ऑफिस पर छापा मारा। इस छापे में गोगा के पास से बड़ी मात्रा में भारतीय करेंसी नोट मिले और पता चला है कि वे संदिग्ध हैं। इसलिए, शुरुआती जांच में गोगा के आतंकवादी संगठनों से लिंक होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। देश की आर्थिक सुरक्षा के नज़रिए से इस मामले में अभी पूरी जांच चल रही है। जांच में पता चला है कि गोगा विदेश से आने वाले यात्रियों के ज़रिए भारत में विदेशी करेंसी लाता था। वह इस काम के लिए बड़ी संख्या में छात्रों का इस्तेमाल करता था। भारत आने के बाद वह उस फॉरेन करेंसी को इंडियन करेंसी के बदले खरीद लेता था। इसी तरह वह रेगुलर तौर पर विदेश जाने वाले यात्रियों के ज़रिए फॉरेन करेंसी को भारत से बाहर भेजता था। इस पूरे एक्सचेंज में दुबई और दूसरे गल्फ देशों से आने-जाने वाले लोगों का खास तौर पर इस्तेमाल होता था। इसलिए, जांच अधिकारियों को अहम सुराग मिले हैं कि यह नेटवर्क सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय हवाला और स्मगलिंग रैकेट से जुड़ा हुआ है। हसन गोगा को 26 नवंबर को कस्टम्स एक्ट के सेक्शन 1962 और फेमा (फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट) के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचा टीएमसी का प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और केंद्र सरकार/भाजपा के बीच एक बड़ा राजनीतिक टकराव पैदा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस का एक 10 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व राज्यसभा में संसदीय दल के नेता डेरेक ओ' ब्रायन ने किया, शुक्रवार को चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचा और एसआईआर प्रक्रिया पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को लिखित शिकायत सौंपी। उनका मुख्य आरोप है कि एसआईआर के नाम पर भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर लाखों मतदाताओं के नाम काटने की साजिश रच रहे हैं। टीएमसी का दावा है कि यह साजिश खास तौर पर अल्पसंख्यक बहुल इलाकों और तृणमूल समर्थक क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नाम हटाने पर केंद्रित है। अन्य विपक्षी दलों का भी कहना है कि सत्तारूढ़ दल भाजपा वोट काटने के मकसद से एसआईआर करा रही है ताकि मौजूदा राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में किया जा सके।

वहीं केंद्र सरकार और चुनाव आयोग प्रक्रिया को मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए आवश्यक बता रहे हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य फर्जी मतदाताओं को चिन्हित करके उन्हें मतदान के अधिकार से वंचित करना है। संविधान के अनुसार, केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारत के नागरिक को ही मतदान का अधिकार है। केंद्र सरकार का दावा है कि भारत में बड़ी संख्या में अन्य देशों के नागरिक (विशेष रूप से बांग्लादेशी) फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारतीय नागरिक के रूप में रह रहे हैं और मतदान कर रहे हैं। उनका कहना है कि एसआईआर के तहत इसतरह के अवैध मतदाताओं को चिन्हित किया जा रहा है और उन्हें उनके देश भेजा जा चुका है।

निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे पर 140 की स्पीट से गाड़ी दौड़ाकर गडकरी ने परखी गुणवत्ता

–यह देख लोग बोले– शानदार एक्सप्रेसवे, प्रोजेक्ट समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पूरे देश में एक्सप्रेसवे और हाईवे का नेटवर्क बिछा दिया है। कई जगह काम चल रहा है। गडकरी खुद इसकी मोनिटरिंग कर रहे हैं और निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे में जाकर गुणवत्ता की जांच कर रहे हैं। इतना ही नहीं एक्सप्रेसवे पर अपने वाहन को तेज दौड़ाकर भी इसकी गुणवत्ता परख रहे हैं, जिससे सफर के दौरान वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी न हो। इस तरह एक एक्सप्रेस के निरीक्षण के दौरान उनकी गाड़ी 140 की स्पीड में दौड़ी और वह आगे बैठकर देखते रहे।

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे तैयार होने वाला है। यह कई पैकेज में बनाया जा रहा है, जैसे-जैसे पैकेज तैयार होते जा रहे हैं, उसे आम लोगों के लिए खोला जा रहा है। नितिन गडकरी इस ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे वड़ोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे के पैकेज छह और सात के निरीक्षण के लिए गए। इस दौरान उनके साथ मंत्रालय और एनएचएआई के सभी अधिकारी मौजूद थे। गडकरी ने एक्सप्रेसवे का रिव्यू किया और अधिकारियों को निर्देश

दिए कि गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ कुछ प्रोजेक्ट को समय पूरा करने के भी निर्देश दिए, क्योंकि कई जगह काम धीमा चल रहा है।

रिव्यू करने के बाद वे अपनी गाड़ी में बैठे और गाड़ी 140 किमी की स्पीड से दौड़ाई। इतनी स्पीड इसलिए रखी, जिससे पता चल सके कि अगर लोग अपना वाहन इस स्पीड से दौड़ाएंगे तो उनकी गाड़ी में झटके तो नहीं लगेंगे। वे सुविधाजनक और सुरक्षित सफर कर सकें। यह देखकर लोगों ने कहा कि बहुत ही शानदार एक्सप्रेसवे बन रहा है। वडोदरा-मुंबई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे कुल 380 किमी लंबा है, जिसमें से पैकेज-6 और 7 महाराष्ट्र के पालघर-ठाणे इलाके में आते हैं।

भारतीय रेलवे द्वारा तैयार की गई सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदेभारत एक्सप्रेस 180 किमी प्रति घंटे की स्पीड के हिसाब से डिजाइन की गई है, लेकिन 160 की स्पीड में दौड़ सकती है। मौजूदा समय दिल्ली से भोपाल वाली ट्रेन आगरा तक ही 160 की स्पीड में दौड़ती है, अन्य सभी ट्रेनें 100 से 130 किमी की स्पीड से दौड़ती हैं, इसलिए नितिन गडकरी की गाड़ी वंदेभारत की स्पीड से दौड़ी।

एनएचएआई दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है, जिसकी लंबाई 1250 किमी है। नौ फेज में बन रहे एक्सप्रेसवे का 80 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। छठवां और सातवां पैकेज इसी एक्सप्रेस का हिस्सा है। इससे दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के तमाम शहरों के लोगों का आवागमन आसान होने जा रहा है। कुछ पैकेज पहले ही खोले जा चुके हैं और ट्रैफिक चल रहा है।

अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठाए... लाखों डुप्लीकेट मतदाता

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मुंबई की मतदाता सूची पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लिस्ट में लाखों डुप्लीकेट मतदाता होने की बात कही हैं। अजित पवार का बयान तब आया है, जब देश भर में एसआईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण का काम जोर पकड़ रहा है। साथ ही बीएमसी चुनाव की तैयारियां भी जारी हैं। राज्य के कई स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं। रिपोट्र्स के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना की रैली में पवार ने कहा, मुंबई में दोहरे, तिहरे और चौगुने मतदाताओं की संख्या करीब 11 लाख है। हाल ही में एक ट्रेंड देखा गया है, जहां अगर किसी के पक्ष में मतदान नहीं हो रहा है, तब कुछ मतदाताओं को अलग वार्डों में भेज दिया जाता

है। मैंने निर्वाचन आयोग से सूची में हुई गलतियों को सुधारने का अनुरोध किया है। ऐसा सालों से हो रहा है। महाराष्ट्र में इस तरह की डबल, ट्रिपल वोटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रहीमतपुर नगर परिषद चुनावों से पहले रैली में उन्होंने मेयर पद के लिए नंदन सुनील माने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, चुनाव धमकियां देकर नहीं जीते जाते। मतदाताओं से बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर ने हर जाति और धर्म, अमीर और गरीब के लिए वोट के समान अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अगर कोई अधिकारी जानबूझकर या अनजाने में गलती कर रहा है, तब उस तत्काल सुधारा जाना चाहिए। लोगों को फैसला करने दें कि वे किसे जीतते देखना चाहते हैं। पवार के 'वोट तुम्हारे हाथ में है, तब निधि हमारे हाथ में है' वाले बयान पर राकंवा (एसपी) चीफ शरद पवार ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पैसों का वादा कर वोट मांगना गलत है। अजित पवार ने पिछले सप्ताह पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव में मतदाताओं से कहा कि यदि वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनते हैं, तब शहर के लिए पैसों की कमी नहीं होने दी जाएगी, लेकिन अगर मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया गया, तब मैं भी नकार दूंगा।

दिल्ली बम धमाकों ने आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ दिया : राम माधव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आरएसएस नेता राम माधव ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल के बारे में बयान दिया है। संघ के नेता राम माधव ने अल फलाह यूनिवर्सिटी से सामने आए डॉक्टर मॉड्यूल और लाल किले के पास हुए आतंकी हमले के मुख्य आरोपी (जो कि एक डॉक्टर था) के बारे में कहा कि आतंकवाद से जुड़े कई मिथकों को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अब तक यह माना जाता था कि आतंकवाद का शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है और यह गरीबी का परिणाम है। लेकिन लाल किला ब्लास्ट की घटना ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का शिक्षा या गरीबी से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक धारणा (परसेप्शन), एक सोच (आइडियोलॉजी) का परिणाम है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि ओसामा बिन लादेन इंजीनियर था और अल-जवाहिरी डॉक्टर था, फिर भी आतंकवादी थे। उन्होंने इस बात को खारिज किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने यह स्वीकार किया कि किसी एक धर्म को पूरी तरह से आतंकवाद से नहीं जोड़ा जा सकता। एक आतंकवादी का अपना धर्म होता है। लोग धार्मिक आधार पर आतंक की तरफ बढ़ रहे हैं। दिल्ली ब्लास्ट का मुख्य आतंकी अपने कृत्यों को सही ठहराने के लिए कुरआन की आयतों का हवाला दे रहा था। हमें अब यह मानना पड़ेगा कि आतंकवादियों की धार्मिक प्रेरणा होती है।

धुएं का अलर्ट: दिल्ली-अहमदाबाद फ्लाइट की कराना पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से अहमदाबाद जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2939 गुरुवार को बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बची। टेकऑफ के ठीक बाद कॉकपिट में कार्गो होल्ड से धुएं का इंडिकेशन मिला, जिससे क्रू ने तुरंत एहतियाती कदम उठाए। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पायलटों ने फ्लाइट को दिल्ली वापस लौटाया और सुरक्षित लैंड कराया। एयर इंडिया के अधिकारी ने बताया कि अलर्ट के बाद क्रू ने कोई जोखिम नहीं लिया और विमान को रनवे पर उतार दिया। जांच में पता चला कि धुएं का इंडिकेशन गलत था, यानी कोई वास्तविक खतरा नहीं था।

एयर इंडिया ने एक्स पर आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया, 27 नवंबर को फ्लाइट एआई 2939 के क्रू ने टेकऑफ के तुरंत बाद स्मोक इंडिकेटर दिखने पर दिल्ली लौटने का फैसला किया। पूरी जांच के बाद यह फॉल्स अलार्म पाया गया। विमान सुरक्षित उतरा और सभी पैसेंजर्स व क्रू को उतार लिया गया। ग्राउंड टीम ने यात्रियों को तुरंत सहायता दी और वैकल्पिक व्यवस्था कर उन्हें गंतव्य

तक पहुंचाया। इस असुविधा के लिए खेद है। सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।÷ इस घटना से यात्रियों में घबराहट हुई, लेकिन क्रू की सतर्कता से सब सुरक्षित रहे।

गुवाहाटी-हैदराबाद फ्लाइट रद्द

इसी दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट आईएक्स 2884 'अनदेखे ऑपरेशनल कारणों' से रद्द हो गई। यह घटना तब सुर्खियों में आई जब भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज ने एयरलाइन पर देरी और कम्युनिकेशन की कमी का आरोप लगाया। फ्लाइट शाम 7~25 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन बिना सूचना के देरी हुई और अंततः कैंसिल कर दी गई। सिराज ने एक्स पर पोस्ट कर नाराजगी जताई, ÷एयर इंडिया की फ्लाइट आईएक्स 2884 को 7~25 बजे टेकऑफ करना था, लेकिन कोई कम्युनिकेशन नहीं। बार-बार फॉलो-अप के बाद भी सही वजह बताए बिना देरी की गई। यह बेहद फ्रस्ट्रेटिंग है। हर पैसेंजर को बेसिक अपडेट का हक है।

एयरलाइन की सफाई और माफी

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के पोस्ट का जवाब देते हुए खेद जताया, अनदेखे कारणों से फ्लाइट कैंसिल हुई। एयरपोर्ट टीम सभी मेहमानों को मदद कर रही है। हम स्थिति की गंभीरता समझते हैं और आपके धैर्य की सराहना करते हैं। अपडेट देते रहेंगे। कंपनी ने सभी प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट्स या रिफंड की व्यवस्था का आश्वासन दिया। सिराज की शिकायत से एयरलाइन की कम्युनिकेशन प्रक्रिया पर सवाल उठे, जो पैसेंजर्स की असुविधा का मुख्य कारण बनी। ये दोनों घटनाएं एयर इंडिया ग्रुप की ऑपरेशनल चुनौतियों को उजागर करती हैं। धुएं का फॉल्स अलार्म सुरक्षा प्रोटोकॉल की मजबूती दिखाता है, जबकि फ्लाइट कैंसिलेशन कम्युनिकेशन गैप को। एयरलाइन ने दोनों मामलों में सुरक्षा और सहायता पर जोर दिया, लेकिन यात्रियों की शिकायतें सेवा सुधार की मांग करती हैं।

भारत में युवाओं की संख्या 65 फीसदी, देश विकसित बनाने का संकल्प लें: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

लखनऊ (एजेंसी)। देश के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार की शाम लखनऊ में हुए स्काउट एंड गाइड के जंबूरी कार्यक्रम के समापन समारोह में कहा कि देश की कुल आबादी के 65 फीसदी ऐसे युवा हैं जिनकी उम्र 35 साल से कम है। इन्हीं युवाओं को भारत को विकसित बनाना है, 2047 तक यह सपना पूरा करना है। उन्होंने कहा कि जंबूरी जैसे कार्यक्रम युवाओं को जोड़ते हैं देश में अखंडता की स्थिति बयां करते हैं। इन्हीं युवाओं का आत्म बल हमको विकास की राह पर ले जाएगा।

लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में 23 से 29 नवंबर 2025 तक भारत की सबसे बड़ी युवा सभा-राष्ट्रीय जंबूरी हुई। 61 साल बाद उत्तर प्रदेश को यह सम्मान मिला। देश-विदेश के लगभग 30 हजार स्काउट, गाइड, रेंजर और रोवर इस सात दिवसीय शिविर में शामिल हुए। समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि रहे। अपने सम्बोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों से कहा कि 35 साल से कम उम्र के युवा कुल आबादी के लगभग 65 प्रतिशत हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी पूरा होगा जब हमारा युवा वर्ग दृढ़ संकल्प के साथ आगे आएगा। उन्होंने खुशी जताई कि जंबूरी जैसे आयोजन न सिर्फ अनुशासन और राष्ट्रीय एकता सिखाते हैं, बल्कि आपदा के समय स्काउट-गाइड हमेशा सबसे आगे लोगों की मदद के लिए खड़े रहते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अब यह संगठन व्यक्तित्व विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी बहुत अच्छा काम कर रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जंबूरी को 'भारतीय युवा ऊर्जा का महोत्सव' बताया। उन्होंने कहा कि 61 वर्ष बाद उत्तर प्रदेश को यह आयोजन मिला है। इतने बड़े स्तर पर युवाओं का एकत्रित होना महाकुंभ की याद दिलाता है। यहां दुनिया के कोने-कोने से आए बच्चे विश्व बंधुत्व का संदेश लेकर जाएंगे। सीएम ने स्काउट-गाइड के अनुशासन की तारीफ की और कहा कि ऐसे आयोजन उत्तर प्रदेश को नई पहचान दे रहे हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने युवाओं को संदेश दिया कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। तुम्हारी सकारात्मक सोच और ऊर्जा इस देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यही ताकत भारत को विश्व गुरु बनाएगी। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड केवल कौशल नहीं सिखाते, बल्कि मानवता, कर्तव्य और मूल्यों का मजबूत कवच भी देते हैं। स्वच्छ, स्वावलंबी और विकसित भारत की कल्पना इन्हीं मूल्यों से साकार होगी।

संक्षिप्त समाचार

गिनी बिसाऊ में इलिडियो विएरा नए प्रधानमंत्री

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश– गिनी–बिसाऊ में हालिया चुनाव के कुछ दिनों के भीतर ही तख्तापलट के बाद सेना ने शुक्रवार को इलिडियो विएरा ते को नया प्रधानमंत्री नियुक्त नियुक्त किया है। विएरा ते हटाए गए राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उनके कैंपेन डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। देश के नए मिलिट्री लीडर जनरल होर्ता इंटा–आ ने एक आदेश कर उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि, बुधवार को राष्ट्रीय चुनावों के तीन दिन बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। अपदस्थ राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो पड़ोसी सेनेगल चले गए हैं। इस बीच, विपक्ष ने कहा कि चुनाव में हार से बचने के लिए एम्बालो ने तख्तापलट की साजिश रची थी। सेना के जरिये कर्फ्यू हटाए जाने के बाद राजधानी बिसाऊ में शांति लौट आई है। लोग और गाड़ियां शहर की सड़कों पर घूम रही हैं। मुख्य स्टॉक एक्सचेंज और बाहरी ज़िलों के बाजार, बैंक भी फिर से खुल गए हैं। गिनी–बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है।

ब्रिटेन में कुल प्रवासन घटकर 2.04 लाख पर पहुंचा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कुल प्रवासन जून 2025 तक तेजी से घटकर 2,04,000 रह गया है। देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के अनुसार यह गिरावट मुख्यत: नए अप्रवासियों में कमी और देश छोड़ने वालों की संख्या में हल्की बढ़ोतरी के कारण हुई। जून 2023 में कुल प्रवासन 9.06 लाख के उच्च स्तर पर था। रिपोर्ट में बताया गया कि जून 2025 तक ईयू और यूके दोनों नागरिक समूहों में शुद्ध बाहर जाने वालों की संख्या अधिक रही। इनमें देश छोड़ने वाले अधिकांश ब्रिटिश नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के थे।

गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ वापस ली शिकायत

लंदन, एजेंसी। गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड व्यवसाय के खिलाफ दायर अपनी यूरोपीय यूनियन से प्रतिस्पर्धा रोधी शिकायत वापस ले ली है। यह कदम ऐसे समय आया है, जब यूरोपीय आयोग ने हाल ही में क्लाउड सेक्टर में माइक्रोसॉफ्ट की जांच शुरू की है। गूगल ने पिछले साल आरोप लगाया था कि माइक्रोसॉफ्ट अपने एज्यूर प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को बांधकर प्रतिस्पर्धा घटा रहा है। क्लाउड बाजार में अमेजन 30 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर है, जबकि माइक्रोसॉफ्ट 20 फीसदी और गूगल 13 फीसदी पर है।

अफगान सरकार की ईंधन की खपत कम करने की अपील

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल में नगर पालिका ने सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए निवासियों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि छोटे घरों में चलने वाले स्टोव व चूल्हे इसके प्रमुख स्रोत हैं। शहर में प्रदूषण पिछले साल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया है, जिससे लोगों की सेहत पर असर पड़ रहा है। विशेषतौर से सुबह और शाम के समय धुआं व धूल आंखों व सांस लेने में परेशानी पैदा कर रहे हैं।

यूरोप और अमेरिका में बर्ड फ्लू के मामले बढ़े, 3 महीने में 1.6 करोड़ मुर्गियां मारी गईं

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बर्ड फ्लू (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लुएंजा) तेजी से फैल रहा है। जंगली पक्षियों और मुर्गी फार्मों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। अमेरिका में 18 नवंबर तक 107 जगहों पर बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। बर्ड फ्लू के कारण सितंबर से अब तक अमेरिका और कनाडा में करीब 1 करोड़ 60 लाख मुर्गियां मारनी पड़ी हैं। सितंबर से नवंबर तक 26 यूरोपीय देशों में जंगली पक्षियों में 1,443 फ्लू के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले साल से 4 गुना ज्यादा और 2016 के बाद सबसे अधिक है। जर्मनी में तीन साल में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं, फ्रांस ने अक्टूबर में ही पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया था।

श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' : राहत कार्यों के लिए कोलंबो पहुंची एनडीआरएफ टीमें, ऑपरेशन सागर बंधु जारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' तबाही मचा रहा है। शनिवार को यह तूफान तमिलनाडु की तरफ बढ़ रहा है। चेन्नई के दक्षिण में चक्रवात दित्वाह 430 किलोमीटर की दूरी पर है। रविवार सुबह तक इसके उत्तरी तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटवर्ती इलाकों में पहुंचने की आशंका है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण–पश्चिम में यह चक्रवात बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

पाकिस्तान की चाल नाकाम, ऑक्सफोर्ड में बहस से भागकर भारतीयों पर आरोप, खुली पोल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली एक बहस रद्द कर दी गई है। इस बहस के रद्द होने का दुनिया के ज्यादातर लोगों को कोई पता नहीं चला। लेकिन झूठे पाकिस्तान को यह कहां बर्दाश्त था। भारत के खिलाफ मिली हर हार को अपनी जीत बनाकर पेश करने वाले पाकिस्तान ने यहाँ पर भी बहस से भागकर इसे जीत बनाने की कोशिश करनी शुरू कर दी। ब्रिटेन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने ट्वीट करके दावा किया कि ऑक्सफोर्ड में होने वाली बहस से भारतीय प्रतिनिधि पीछे हट गए हैं। बाद में भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साई दीपक ने पाकिस्तान के इस झूठ का सबूतों के साथ पर्दाफाश कर दिया। पाकिस्तानी उच्चायोग की तरफ से ट्वीट करके कहा गया कि ऑक्सफोर्ट यूनिवर्सिटी में 'भारत की पाकिस्तान नीति एक सुरक्षा नीति के रूप में बेची गई जनप्रिय रणनीति है।' नामक शीर्षक पर बहस होनी थी, लेकिन भारतीय वक्ता अंतिम समय पर इस बहस से पीछे हट गए। पाकिस्तानी उच्चायोग ने इस बहस के लिए भारत की तरफ से जिन वक्ताओं के नाम बताए उनमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाणे, सुब्रमण्यम स्वामी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का नाम था। वहीं, पाकिस्तान की तरफ से पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार, ब्रिटेन में पाकिस्तान के

उच्चायुक्त मोहम्मद फैसल और पाकिस्तानी सेना के पूर्व जनरल जुबैर महमूद हयात शामिल थे।

जे साई दीपक ने खोली पोल : पाकिस्तान के ब्रिटेन स्थित हाईकमीशन द्वारा फैलाए जा रहा यह झूठ जब तक दुनिया तक पहुंचता उससे पहले भी भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साई दीपक ने इसकी बखियां उधेड़ दीं। उन्होंने पाकिस्तानी दावों का खंडन सबूतों के साथ किया। उन्होंने कहा ऑक्सफोर्ड द्वारा भेजी गई अपनी भागीदारी की पुष्टि वाली ईमेल को भी साझा करते हुए लिका कि उनके साथ पूर्व सेना प्रमुख नरवाने और स्वामी भी भारतीय पक्ष की तरफ से वक्ता थे। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तानी लोग ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को भी गड़बड़ कर देते हैं और हमेशा की तरह इस बार भी वह सच बोलने की ताकत नहीं रखते। दीपक ने कहा, 'इस ईमेल के बाद यूनिवर्सिटी की तरफ से बताया गया कि नरवाने और स्वामी इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते हैं। उन्होंने मुझसे कोई नए नाम भेजने के लिए कहा। लेकिन जब तक मैं विकल्प भेज पाता उससे पहले ही मुझे बताया गया कि इस बहस के लिए सुहेल सेठ और राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से संपर्क किया गया है और उन्होंने शामिल होना स्वीकार किया है। मुझे लगा की ठीक है मामला खत्म हुआ। लेकिन इसके बाद मुझे बताया गया कि दोनों ने एक दम से नोटिस देने की वजह से इस कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया है।'

प्रियंका चतुर्वेदी ने भी की पुष्टि : प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें जुलाई में ही इसका आमंत्रण मिल गया था लेकिन उसके बाद कोई संपर्क नहीं किया गया। इसलिए मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लेकिन हाल ही में एक दम उनका फोन आया। इसलिए उन्होंने इनकार कर दिया। दीपक अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि इसके बाद भी अंतिम समय पर मैं लंदन पहुंच कर बहस में शामिल होने के लिए तैयार था। यहां पर उन्होंने मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा के साथ मिलकर एक टीम भी तैयार कर ली। लेकिन बहस के तीन घंटे पहले उन्हें बताया गया कि बहस रद्द कर दी गई है क्योंकि पाकिस्तानी दल लंदन पहुंचा ही नहीं है। दीपक ने लिखा, 'इस बात में मैं गुस्सा था, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगी थी।' इतना ही नहीं दीपक ने सबूत के तौर पर इस पूरी बहस के आयोजक मूसा हरराज की कॉल लॉग भी साझा की।

पाकिस्तान को दी चुनौती : इसके बाद दीपक ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए लिखा कि बाद में मुझे पता चला कि इस बहस के आयोजक मूसा हरराज, जिनके पिता पाकिस्तान में मंत्री हैं। उन्होंने इस पूरी झूठी कहानी को गढ़ा है। पाकिस्तान की टीम लंदन में ही मौजूद थी। लेकिन बहस नहीं करना चाहती थी। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की टीम तैयारी के साथ है तो फिर बहस के लिए सामने आ जाए। उन्हें इसमें आतंकियों की तरह छिपने की जरूरत नहीं है। डिबेट से तीन घंटे पहले पाकिस्तानी स्पीकर के नहीं आने की जानकारी मिली इसके बाद साई दीपक खुद ब्रिटेन पहुंचे और आखिरी मौके पर ब्रिटेन में रहने वाले दो भारतीय मूल के स्पीकर मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा को टीम में शामिल कर लिया। यानी भारतीय टीम पूरी तरह तैयार थी।

मौत और तबाही लेकर आया चक्रवाती तूफान सेन्यार, इन देशों में मरने वालों का आंकड़ा 300 के पार

जकार्ता, एजेंसी। चक्रवाती तूफान सेन्यार ने कमजोर होने से पहले इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से मरने वालों का आंकड़ा 300 तक पहुंच गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि इंडोनेशिया के सुमात्रा आइलैंड पर अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 174 हो गई। वहीं दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं। इस बीच शुक्रवार को दक्षिणी थाईलैंड में आई भारी बाढ़ में कम से कम 145 लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की मौसम संबंधी एजेंसी ने बताया है कि चक्रवाती तूफान दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को कई दिनों तक प्रभावित कर सकता है। एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि मलक्का स्ट्रेट में बना ट्रॉपिकल साइक्लोन सेन्यार खराब मौसम की वजह बन रहा है। उन्होंने कहा है कि खराब मौसम संबंधी चेतावनी बढ़ा दी है। तूफान के बाद आए मूसलाधार बारिश और बाढ़ की वजह से नॉर्थ सुमात्रा प्रांत में 3,200 से ज़्यादा घर और इमारतें डूब गई हैं। हजारों लोगों को सरकारी राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है। वहीं वेस्ट सुमात्रा में, 17,000 से ज्यादा घर डूब गए, और लगभग 23,000 लोगों को टेम्पररी शेल्टर में ले जाया गया है। इस बीच खराब मौसम की वजह से बचाव कार्य में भी मुश्किलें आ रही हैं। नॉर्थ सुमात्रा

रीजनल पुलिस के स्पोक्सपर्सन फेरी वुलंटुकन ने बताया है कि मिट्टी धंसने, बिजली ना होने और टेलीकम्युनिकेशन की बाधा की वजह से सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में रुकावट आ रही है। थाईलैंड में भी बाढ़ ने भीषण तबाही मचाई है। पानी कम होने पर रेस्क्यू टीमें पहले डूबे हुए इलाकों में पहुंच रही हैं, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही नजर आ रही है। 12 दक्षिणी प्रांतों में 1.2 मिलियन से ज्यादा घर और 36 लाख लोग लगातार भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। वहीं बाढ़ और भूस्खलन की वजह से क्षतिग्रस्त सड़कों और संचार लाइनों के कारण कई इलाके बड़े पैमाने पर कट गए हैं। उत्तरी सुमात्रा प्रांत के मध्य टापानुली जिले और क्षेत्र के अन्य जिलों में राहत विमान की मदद से सहायता और आपूर्ति पहुंचाया जा रहा है। उत्तरी सुमात्रा पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार सड़कों, बिजली और फोन नेटवर्क के पूरी तरह बंद होने के कारण बचाव दलों को बड़ी परेशानी हो रही है।

अमेरिका ने अफगानियों को वीजा जारी करने पर लगाई रोक, वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के बाद ट्रंप सरकार का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना के बाद शुक्रवार से अप्रवासियों के खिलाफ जांच तेज और सघन कर दी है। साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने अफगान नागरिकों के लिए वीजा जारी करने पर भी रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप के विदेश विभाग ने अफगानिस्तान के सभी लोगों को वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है।'

अमेरिकी अप्रवासन विभाग ने जारी किए निर्देश : विदेश विभाग के फैसले के बाद अमेरिकी सरकार ने देशभर में सभी शरण संबंधी फैसलों को भी तुरंत प्रभाव से रोक दिया है। बीते बुधवार को अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में हुई गोलीबारी के बाद ट्रंप प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। इस गोलीबारी में नेशनल गार्ड्स की एक महिला सैनिक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। इससे पहले अमेरिका के अप्रवासन विभाग के निदेशक जोसेफ एल्डो ने भी पुष्टि की थी कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक अफगानिस्तान के नागरिकों को वीजा जारी न करें। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिकी सरकार अमेरिका में मौजूद हर अफगान नागरिक की पूरी तरह से सुरक्षा जांच नहीं कर लेती।

ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की भी जांच के आदेश : वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के आरोपी की पहचान अफगान मूल के रहमानुल्ला लकनवाल के रूप में हुई थी, जो साल 2021 में अमेरिका आया था। रहमानुल्ला को इसी साल अमेरिका में शरण दी गई थी। गोलीबारी की घटना से नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की सघन जांच का भी आदेश दिया है। ट्रंप सरकार के इस फैसले से ग्रीन कार्ड धारकों में डर का माहौल पैदा हो गया है। जिन 19 देशों के ग्रीन कार्ड होल्डर्स के दस्तावेजों की जांच का फैसला किया गया है, उनमें अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणतंत्र, इक्वेटोरियल गिनी, एरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन, बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला का नाम शामिल है।

ट्रंप के 'शांति सूत्रधार' डैन ड्रिस्कॉल: सबसे युवा आर्मी सेक्रेटरी, रूस-यूक्रेन प्रस्ताव के मुख्य वास्तुकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। नॉर्थ कैरोलिना की ब्लू रिज पर्वत शृंखला अपनी धुंध भरी सुबहों, सरसराते चीड़ के जंगलों और धीमी रफ्तार से चलने वाले छोटे-छोटे कस्बों के लिए मशहूर है। इन्हीं शांत पहाड़ियों के बीच बसे एक छोटे-से शहर बैनर एल्क में एक लड़का पला-बढ़ा था। वह बोलने से ज्यादा देखने-समझने में विश्वास रखता था। पर उसके अंदर एक अनोखी स्पष्टता थी। जहां बाकी बच्चे खेल, फिल्मों या रोमांच की बातें करते थे, वहीं उसने बचपन से ही फौज में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना संजो लिया था। उसके शिक्षक अक्सर उसके धैर्य, सूझ-बूझ वाले सवालों और काम खत्म करने की तेजी से प्रभावित होते थे। आगे चलकर वह लड़का न सिर्फ सबसे कम उम्र का अमेरिका का आर्मी सेक्रेटरी बना, बल्कि वर्तमान में दुनिया की सबसे जटिल राजनीतिक और सैन्य चर्चा

के केंद्र में भी है। ये हैं डैनियल 'डैन' पैट्रिक ड्रिस्कॉल, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति का ड्रोन मैन भी कहा जाता है। फिलवक्त, वह कीव और मॉस्को के बीच ट्रंप के शांति प्रस्ताव के वास्तुकार बनने की वजह से सुर्खियों में हैं।

शुरुआत और परिवार : ड्रिस्कॉल का नॉर्थ कैरोलिना से गहरा नाता है, जहां दुनिया के सबसे बड़े मिलिट्री ठिकानों में से एक फोर्ट ब्रैग समेत दस और मिलिट्री ठिकाने हैं। उन्होंने बैनर एल्क की पहाड़ियों में अपना बचपन बिताया। ड्रिस्कॉल अपने परिवार में तीसरी पीढ़ी के सैनिक हैं। उनके पिता वियतनाम युद्ध में शामिल थे, जबकि दादा द्वितीय विश्वयुद्ध में आर्मी डिकोडर रहे थे। उनकी मां गृहिणी थीं। ड्रिस्कॉल ने अपनी स्कूली शिक्षा वाटौगा हाई स्कूल से पूरी की। सेना में जल्दी शामिल होने की चाह थी, इसलिए उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री सिर्फ तीन साल में हासिल कर ली। उन्होंने प्रतिष्ठित येल लॉ स्कूल से ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री भी हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने येल के वेटरंस लीगल सर्विसेज क्लिनिक में भी काम किया, सीनेट कमेटी ऑन वेटरंस अफेअर्स व नाइंथ सर्किट के चीफ जज एलेक्स कोजिंस्की के लिए इंटर्नशिप की। ड्रिस्कॉल ने अपनी हाई स्कूल की दोस्त, कैसी ड्रिस्कॉल से शादी की है, जो एक प्लास्टिक सर्जन हैं। इस दंपती के दो बच्चे, डैनियल जूनियर और लीला, हैं।

ट्रंप के भरोसेमंद : अपने ज्यादातर कॅरिअर में, डैन ड्रिस्कॉल ने निजी क्षेत्रों में काम किया। तकनीकी और साइबर सुरक्षा फर्मों में वरिष्ठ पेशेवर के तौर पर उन्होंने न केवल डाटा स्ट्रेटजी और कॉरपोरेट रिस्क असेसमेंट में काम किया, बल्कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन जैसे संवेदनशील विषयों को भी बड़े कौशल के साथ संभाला। वह 20 करोड़ डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में भी काम कर चुके हैं। ड्रिस्कॉल सबसे नाजुक मुद्दों को भी बिना किसी हंगामे के शांत और असरदार ढंग से हल करने में माहिर हैं। उनकी इसी क्षमता ने राष्ट्रपति ट्रंप का भरोसा जीत लिया।

ट्रंप की पहल से रुकेगा एक और संघर्ष, अफ्रीकी देश अमेरिका में शांति समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और संघर्ष विराम कराने जा रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफ्रीकी देश कांगो और रवांडा के राष्ट्रपति अमेरिका में 4 दिसंबर को मिलेंगे और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा कई महीनों से बातचीत की जा रही थी। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेडी ने बताया कि कांगो किसी भी शांति समझौते पर तभी हस्ताक्षर करेगा, जब इस बात की गारंटी मिले की रवांडा की सरकार एम23 विद्रोही संगठन को कोई समर्थन नहीं देगी।

पूर्वी कांगो में छिड़ा है संघर्ष : कांगो के राष्ट्रपति ने 4 दिसंबर को रवांडा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की है। वहीं रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने भी इसकी उम्मीद जताई। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि पूर्वी कांगो में शांति तभी संभव है, जब विवाद से सीधे तौर पर जुड़े लोग शांति के पक्ष में हों। पूर्वी कांगो में बीते कई महीनों से संघर्ष छिड़ा हुआ है। यह संघर्ष कांगो सरकार की सेना और 100 से ज्यादा विद्रोही संगठनों के बीच हो रहा है। इस विद्रोही संगठनों में सबसे ताकतवर एम23 समूह है, जिसे रवांडा की सरकार का समर्थन हासिल है। इस साल संघर्ष उस समय तेज हो गया, जब एम23 ने कांगो के दो बड़े शहरों गोमा और बुकावु पर कब्जा कर लिया।

रवांडा के सैनिक विद्रोही संगठन के साथ मिलकर पूर्वी कांगो में लड़ रहे : संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों का दावा है कि रवांडा की सेना के 3000-4000 जवान पूर्वा कांगो में मौजूद हैं और एम23 समूह के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। हालांकि रवांडा ने इन दावों को खारिज कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि यह संघर्ष पूर्वी कांगो की खनिज संपदा और कथित तौर पर अपने-अपने इलाकों की रक्षा के लिए है। इससे पहले जून में भी कांगो और रवांडा के विदेश मंत्रियों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें रवांडा के सैनिकों की पूर्वी कांगो से वापसी की बात पर सहमति बनी थी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि वे आठ युद्ध रुकवा चुके हैं। इस सूची में कंबोडिया और थाईलैंड, सर्बिया, इस्राइल और ईरान, मिस्र और इथयोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान जैसे देशों का संघर्ष शामिल है। ट्रंप भारत और पाकिस्तान का संघर्ष रुकवाने का भी दावा करते हैं, लेकिन भारत ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने कहा कि आठ में से पांच युद्ध तो उन्होंने टैरिफ की धमकी देकर रुकवाए।

चिली में प्रवासियों के खिलाफ चल रहा अभियान, पलायन बढ़ते ही पेरू ने की सीमा पर आपातकाल के एलान की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। पेरू के राष्ट्रपति जोस जेरी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार देश की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल का एलान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इलाके में ज्यादा सशस्त्र बलों को तैनात करेगी, क्योंकि बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी चिली से उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां अप्रवासी विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं। अपने देश में संकट से बचने या विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में लाखों प्रवासी लंबे समय से महाद्वीप और पेरू की सीमा पार कर चिली में नया जीवन बसर करने के लिए आ रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका के सबसे स्थिर और समृद्ध देशों में से एक है। चिली में कानूनी दर्जा न रखने वाले बहुत से लोग हैं, इनमें ज्यादातर वेनेजुएला के हैं। ये लोग हाल के वर्षों में अपने देश की आर्थिक बर्बादी और सत्तावादी शासन से बचकर भागे हैं। हालांकि, अब ये दूसरी दिशा में जा रहे हैं, क्योंकि चिली आव्रजन के खिलाफ अपना रुख सख्त करने की तैयारी कर रहा है। 14 दिसंबर को चिली में होने वाले राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के चुनाव में जीत के प्रबल दावेदार अति-रूढ़िवादी वकील जोस एंटोनियो कास्ट ने अपना अभियान वेनेजुएला से आने वाले अप्रवासियों और संगठित अपराध में वृद्धि को लेकर लोगों के डर के इर्द-गिर्द बुना है। उन्होंने पिछले हफ्ते पेरू से लगी चिली की रेगिस्तानी सीमा पर एक अभियान वीडियो फिल्माया, जिसमें बिना औपचारिक दर्जा वाले अप्रवासियों को चेतावनी दी गई है आपके पास अपनी इच्छा से चिली छोड़ने के लिए 111 दिन हैं। दिनों की यह मोहलत मौजूदा वामपंथी राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक के बाद नए प्रशासन के कार्यभार संभालने तक की है। उन्होंने

कहा, 'अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम आपको रोकेंगे, आपको हिरासत में लेंगे, आपको निष्कासित कर देंगे। आप सिर्फ अपने तन पर पहने कपड़ों के साथ ही बाहर निकलेंगे।' जल्द ही पेरू का मीडिया उन प्रवासी परिवारों की तस्वीरों से भर गया जो चिली से पेरू की ओर भाग रहे थे, उनका सामान बैग और कचरे के थैलों में भरा हुआ था। कुछ ही दिनों के भीतर जारी ने सीमा नियंत्रण का निरीक्षण करने के लिए उसी क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बल भेजे। चिली के उत्तरी सीमावर्ती कस्बों के निवासियों ने बढ़ती अराजकता की सूचना दी है, क्योंकि चिली छोड़कर पेरू में प्रवेश की अनुमति न मिलने पर भी लोगों की भीड़ अनिश्चितता में फंसी हुई है। शुक्रवार को जारी ने क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा करने के लिए अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बात का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है कि कास्ट की सामूहिक निर्वासन की धमकियों और आव्रजन वकीलों के अनुसार, 18.5 मिलियन की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश में विदेशी लोगों के प्रति बढ़ती नफरत की पृष्ठभूमि में कितने लोगों ने चिली छोड़ने का फैसला किया है। शुक्रवार को कास्ट ने एक नया वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने अप्रवासियों के लिए अपनी चेतावनी दोहराई और बोरिक से दखल देने का आग्रह किया।

ट्रम्प ने बाइडेन के 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स रद्द किए: बोले– इन पर मशीन से दस्तखत थे, पूर्व राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं थी, इसलिए ये अवैध

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जारी किए गए 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स को रद्द कर दिया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने का दावा है कि ये सभी ऑटोपेन (मशीन से दस्तखत) से साइन किए गए थे, जो बिना बाइडेन की मंजूरी के अवैध हैं। इस कदम से बाइडेन के कई महत्वपूर्ण एक्जीक्यूटिव ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नियम शामिल हैं। उन्होंने बाइडेन को 'स्लीपी (सुस्त) जो' और 'क्रुक्ड (चालाक) जो' कहते हुए धमकी दी कि अगर बाइडेन इन दस्तावेजों पर अपनी सहमति का दावा करेंगे तो उन पर 'झूठे बयान' के आरोप लगेंगे। ट्रम्प का यह फैसला व्हाइट हाउस के पास हुए नेशनल गार्ड्स पर हुए हमले के बाद आया है।

बाइडेन के कई एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर रद्द होने का खतरा : बाइडेन ने चार साल (2021-25) के कार्यकाल में कुल 162 एक्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किए, साथ ही सैकड़ों ज्ञापन और नोटिस भी साइन किए थे। ट्रम्प ने पद संभालने के बाद जनवरी में ही करीब 80 बाइडेन-युग के ऑर्डर रद्द कर दिए थे, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण ऑर्डर अभी भी लागू हैं। इनमें से कुछ अब रद्द होने के खतरे में हैं।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14087: अमेरिका में प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतें कम करने से जुड़ा। यह दवा कंपनियों पर नियंत्रण लगाता है, ताकि आम नागरिकों को

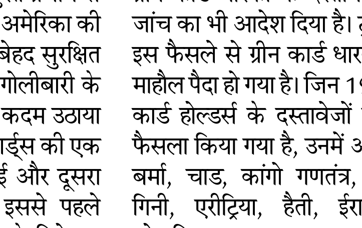

सस्ती दवाएं मिल सकें।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14096: पर्यावरणीय न्याय पर केंद्रित, जो गरीब और अल्पसंख्यक समुदायों को पर्यावरण प्रदूषण से बचाने के उपाय करता है।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14110: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और उपयोग पर सख्ती, जिसमें जोखिमों को कम करने और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करने के नियम शामिल हैं। ट्रम्प के इस कदम से इन नीतियों पर असर पड़ सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि सभी दस्तावेजों के हस्ताक्षरों की वैधता साबित करना मुश्किल होगा। अभी यह साफ नहीं है कि कौन इन साइन की जांच करेगा।

क्या ट्रम्प बाइडेन के आदेशों को रद्द कर सकते हैं : कार्यकारी आदेश अमेरिकी राष्ट्रपति के जारी किए गए ऑर्डर होते हैं, जो संघीय एजेंसियों को कानूनों को लागू करने या नीतियां बनाने में मदद करते हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार, कोई भी राष्ट्रपति अपने पिछले राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेशों को रद्द, संशोधित या अमान्य कर सकता है। हालांकि, इसकी अपनी सीमाएं भी हैं। खासकर क्षमादान, माफी और सजा में कमी के मामलों में, जिन्हें एक बार दिए जाने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता। ट्रम्प का मुख्य दावा ऑटोपेन पर आधारित है। वे कहते हैं कि बाइडेन के 92% आदेश ऑटोपेन से हस्ताक्षरित थे, जो बिडेन की मंजूरी के बिना अवैध हैं। लेकिन कानूनी रूप से, ऑटोपेन का उपयोग पूरी तरह वैध है। जस्टिस डिपार्टमेंट के ऑफिस ऑफ लीगल काउंसल ने 2005 में (जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के समय) कहा था कि राष्ट्रपति को बिल या आदेश साइन करने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने की जरूरत नहीं है, बशर्ते उनकी मंजूरी हो।

ट्रम्प ने बाइडेन पर झूठी गवाही का आरोप लगाने की धमकी दी : ट्रम्प ने बाइडेन पर परजरी (झूठी गवाही) का आरोप लगाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर बाइडेन ने कहा कि उन्होंने ऑटोपेन वाले दस्तावेदो को खुद अप्रूव किया था, तो उन पर परजरी के आरोप लगेंगे।

चावल, चीनी मजबूत; गेहूं नरम; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। चीनी में भी तेजी रही जबकि गेहूं की कीमतों में गिरावट देखी गयी। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़ी और सप्ताहांत पर यह 3,822.15 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। गेहूं 10 रुपये टूटकर 2,838.46 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। आटे की कीमत 3,302.14 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। बीते सप्ताह सरसों तेल 59 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। पाम ऑयल में 46 रुपये और सोया तेल में 36 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी। वनस्पति नौ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मूंगफली तेल की कीमत 22 रुपये और सूरजमुखी तेल की पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।दाल-दलहनों में मूंग दाल की कीमत 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 27 रुपये और उड़द दाल 21 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल और मसूर दाल की कीमतें पांच-पांच रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गयीं। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 20 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गये। चीनी भी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

नयी पीढ़ी के युवाओं के लिए फैशन स्टेटमेंट बन गयी है खादी : मनोज कुमार

नई दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि आज के युवा तेजी से खादी को अपना रहे हैं और नये युग की खादी उनके लिए फैशन स्टेटमेंट बन गयी है। श्री कुमार ने यहां प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में आयोजित 'नवयुग खादी फैशन शो' के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए यह बात कही। फैशन शो में मॉडलों ने खादी के सुंदर-सुंदर पारंपरिक और आधुनिक परिधानों में रैम्प वॉक किया। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने फैशन शो में प्रदर्शित परिधानों तथा कारीगरों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' के नारे के बाद से इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। साल 2014 में खादी की बिक्री 30-35 हजार करोड़ रुपये थी जो 10 साल में बढ़कर 1.75 लाख करोड़ पर पहुंच गयी है। कार्यक्रम का आयोजन केवीआईसी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) और भारतीय फैशन डिजाइन परिषद (एफडीसीआई) ने मिलकर किया। राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में 28 नवंबर से 03 दिसंबर तक 'डिजाइनर टीम' के मार्गदर्शन में साड़ियां, परिधान, यार्डेज, एक्सेसरीज़ और गृह-सज्जा के उत्पाद देशभर के खादी संस्थानों के माध्यम से तैयार कर एक ही स्थान पर प्रदर्शित किये जा रहे हैं।

सितंबर तिमाही का जीडीपी आंकड़ा भारत के मजबूत आर्थिक लचीलेपन का प्रमाणः विशेषज्ञ

नई दिल्ली। विशेषज्ञों के अनुसार चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि मजबूत घरेलू मांग, सेवाओं के निर्यात में मजबूती और कम मुद्रास्फीति के चलते संभव हुई। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन भारत की मजबूत आर्थिक क्षमता को दर्शाता है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शोध रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत की वृद्धि गाथा नई, बड़ी और साहसिक ऊंचाइयों को छू रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में छह तिमाहियों का सर्वोच्च 8.2 प्रतिशत का आंकड़ा इसी की पुष्टि करता है।' विशेषज्ञों के अनुसार दूसरी तिमाही की मजबूत जीडीपी वृद्धि का मुख्य आधार निजी उपभोग रहा, जबकि अमेरिकी शुल्कों के मद्देनजर अग्रिम निर्यात ने निर्यात वृद्धि को सहारा दिया। निर्यात में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तिमाही आधार पर सुस्ती दर्शाती है, लेकिन सालाना आधार पर सुधार दिखाती है, यानी बाहरी मांग का चित्र मिला-जुला है। एसबीआई की शोध रिपोर्ट 'इकोरैप' में कहा गया कि कुल मिलाकर रुझान बताते हैं कि जीडीपी वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू मांग से संचालित है, जिसे सेवा निर्यात, कम मुद्रास्फीति और श्रम-गहन क्षेत्रों में मूल्य संवर्धन का विस्तार सहारा दे रहा है। एचडीएफसी बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है, 'आगे चलकर हम दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि का औसत करीब 6.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद करते हैं, क्योंकि आधार प्रभाव कम होगा, सरकारी खर्च की रफ्तार सामान्य होगी, और अमेरिका के उच्च शुल्कों व वैश्विक सुस्ती का प्रभाव निर्यात पर दिखेगा।

जुलाई-सितंबर तिमाही में 15 टीयर-2 शहरों में घरों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर 37,000 करोड़ रुपये हुई

नई दिल्ली। देश के 15 प्रमुख टीयर-2 शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में घरों की बिक्री मूल्य के लिहाज से चार प्रतिशत बढ़कर 37,409 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बिकने वाली इकाइयों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज की गई। रियल एस्टेट डेटा मंच प्रॉपइक्विटी ने यह जानकारी दी। प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 शहरों में कुल घरों की बिक्री पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत घटकर 39,201 रह गई। इन 15 टीयर-2 शहरों में अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, वडोदरा, जयपुर, नासिक, नागपुर, मोहाली, भुवनेश्वर, लखनऊ, भोपाल, कोयंबटूर, गोवा, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शामिल हैं। नए आवास आपूर्ति में सालाना 10 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 28,721 इकाइयों तक रह गई।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष 2025-26 की (जुलाई-सितंबर) दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात के वडोदरा में आयोजित एक नेशनल पदयात्रा में हिस्सा लेते हुए जीडीपी पर पूछे गए सवाल के जवाब में पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है। उन?होंने कहा कि? भारत सरकार ने बिजनेस को आसान बनाने के लिए कई कदम

उठाए हैं और सुधार किए हैं, जिससे मौजूदा वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था को 8.2 फीसदी की ग्रोथ हासिल करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी ग्रोथ दर्ज कर रहा है। उन्होंने कहा कि 8.2 फीसदी की ग्रोथ सरकार द्वारा उठाए गए कई सुधार उपायों को दिखाती है। गोयल ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और कारोबार को आसान बनाने के लिए कई उपाय किए गए हैं।केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर लिखा कि आज वडोदरा में श्रम रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया एवं मंत्री वीरेंद्र कुमार के साथ सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर आयोजित यूनिटी मार्च (पदयात्रा) में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। वडोदरा में कदम रखते ही सरदार पटेल की विरासत का गर्व महसूस होता है। उनकी दृढ़ता से अनेक रियासतें मिलकर एक भारत बनीं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वही संकल्प हमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की राह दिखा रहा है।

शीर्ष 10 की सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 96,201 करोड़ बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजारों में रही रिकॉर्ड तोड़ तेजी के बीच पिछले सप्ताह बीएसई की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 96,201 करोड़ रुपये बढ़ गया जबकि अन्य तीन का 43,999 करोड़ रुपये घटा है। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकैप में सबसे अधिक 28,283 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का एमकैप 20,348 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का 13,611 करोड़ रुपये बढ़ा है। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में 13,600 करोड़ रुपये और एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनीलिवर में 7,671 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 6,415 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का 6,273 करोड़ रुपये बढ़ा। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 35,239 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गयी। भारतीय जीवन बीमा निगम का एमकैप 4,997 करोड़ रुपये और आईटी कंपनी टीसीएस का एमकैप 3,763 करोड़ रुपये घटा। एमकैप के मामले में 21,20,335 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक 15,48,744 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल 11,98,041 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर रही।

ओडिशा का आबकारी राजस्व पांच साल में दोगुना बढ़ा

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा में शराब-विरोधी समूहों की खिलाफत के बावजूद आबकारी राजस्व पिछले पांच सालों में दो गुना ज़्यादा बढ़ गया है। राज्य के आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2020-21 में जहां आबकारी राजस्व 5,400 करोड़ रुपये था, वहीं 2024-25 में बढ़कर यह 11,429 करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2025-26 वित्त वर्ष में 9,753 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा है। उल्लेखनीय है कि राज्य में एक के बाद एक आने वाली सरकारें भारी विरोध के बावजूद शराब से ज़्यादा राजस्व कमाने की अपनी नीति पर अडिग रही हैं। आबकारी राजस्व मुख्य रूप से दुकानों, भट्ठी और मद्यशालाओं में मिलने वाली 'भारत में बनी विदेशी शराब' (आईएमएफ़एल) से मिलता है। आबकारी विभाग ने पारदर्शिता लाने के लिए भारत में बनी विदेशी शराब (आईएमएफ़एल) और देसी शराब की दुकानों की ई-नीलामी शुरू की है। आबकारी अधिकारियों ने कहा है

कि इससे राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। इस बीच एक ओर जहां सरकारें आबकारी राजस्व बढ़ाने के लिए ज़्यादा विदेशी और देसी शराब की दुकानें खोलने की मंजूरी दे रही हैं, वहीं राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफ़एचएस) से एक परेशान करने वाली तस्वीर सामने आयी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में लोग पिछले सालों की तुलना में ज़्यादा शराब पी रहे हैं।दूसरी ओर शराब विरोधी समूहों का कहना है कि सरकार दोहरा रवैया अपना रही है। शराब की लत परिवारों को तोड़ रही है और उन्हें आर्थिक रूप से कमज़ोर बना रही है।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात में परियोजनाओं के लिए 80 करोड़ डॉलर से अधिक का ऋण देगा एडीबी

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा। एडीबी ने इस संबंध में भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया। भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किये। एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा। इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किये गये जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड

ADB
ASIAN DEVELOPMENT BANK

इंटीग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा। यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनायी गयी है। महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को सिंचाई के लिए दिन में सौर ऊर्जा आधारित विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में सुधार करना है। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत 27,14,72,00,000 जापानी येन (19.06 करोड़ डॉलर) से 8.62 किमी लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया जायेगा। इसमें सात स्टेशन होंगे। यह लाइन इंदौर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को हवाई अड्डे से जोड़ेगी। परियोजना में बस और फीडर सेवाओं के साथ मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन शामिल है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी। गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के तहत राज्य की कार्यशक्ति को ऐसे उन्नत, उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान किया जायेगा जो उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं। इन क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और एग्री-टेक शामिल हैं।

निवेशक जागरूकता पर सेबी का फोकस, चेयरमैन बोले- चेक प्लेटफॉर्म और सारथी एप से बढ़ेगी सुरक्षा

एजेंसी

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक पारदर्शी और मजबूत और फेयर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने के सेबी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों की सुरक्षा और बाजार में पारदर्शिता सबसे आवश्यक है, जिसके लिए सेबी लगातार काम कर रहा है। हमें एक ऐसा निवेश कल्चर बनाने की जरूरत है जिससे पूरे बाजार के इकोसिस्टम को लाभ मिले।

सेबी अध्यक्ष 29 नवंबर को पोंडीचेरी में आयोजित निवेशक जागरुकता सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में सेबी ने चेक की सुविधा निवेशकों के लिए पेश की है। इसका उद्देश्य निवेशकों को धोखाधड़ी से सुरक्षित रखना है। यह यूपीआई आईडी की असलियत को वेरिफाई करने और पंजीकृत

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

इंटरमीडियरी की बैंक विवरण को कंफर्म करने की सुविधा देता है।

निवेशक इन प्लेटफॉर्म के जरिए प्रामणिकता सत्यापित कर सकते हैं

इस सुविधा में नए यूपीआई सिस्टम के साथ एक डिजिटल सत्यापन टूल है, जो निवेशकों पंजीकृत मध्यस्थों के बैंक खाते के विवरण और यूपीआई आईडी के स्वतंत्र रूप से पुष्टी करने की भी सुविधा देता है। खाता और आईएफएससी कोड या वैध यूपीआई आईडी दर्ज करके निवेशक सेबी चेक प्लेटफार्म या सारथी ऐप, जो की सेबी द्वारा पेश किया गया है, उसके जरिए प्रामाणिकता सत्यापित कर सकते हैं।

भारत में 12.2 करोड़ यूनिक रजिस्टर्ड निवेशक हैं

इस अवसर पर बोलते हुए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एमड व सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा भारत में निवेशक स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसकी संख्या बढ़कर अब 12.2 करोड़ यूनिक रजिस्टर्ड निवेशकों की हो गई है। इसलिए वित्तीय साक्षरता और जागरुकता की जरूरत है, विशेष रूप से इंवेस्टर फ्रॉड और स्कैम के खिलाफ सबसे मजबूत शील्ड है। साथ ही निवेशकों को उनके वित्तीय क्षेत्र में बढ़ने में सहायता भी करता है।

एफपीआई ने नवंबर में 4,114 करोड़ रुपये का किया शुद्ध निवेश

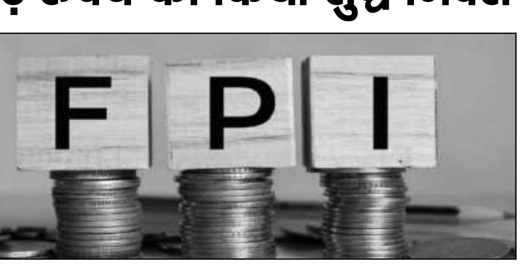

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में नवंबर में 4,114 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार नवंबर में एफपीआई ने जितना पैसा निकाला उससे 4,114 करोड़ रुपये ज्यादा लगाये। यह लगातार दूसरा महीने है जब पूंजी बाजार में एफपीआई का निवेश सकारात्मक रहा है।एफपीआई ने नवंबर में डेट में 4,674 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 3,098 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। हाइब्रिड उपकरणों में भी उन्होंने 103.72 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं, इक्विटी में वे बिकवाल रहे और 3,765 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। पूरे कैलेंडर वर्ष में एफपीआई अबतक सात महीने शुद्ध रूप से बिकवाल और शेष चार महीने लिवाल रहे हैं। साल के दौरान उन्होंने 45,251 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इक्विटी से उन्होंने 1,37,492 करोड़ रुपये निकाले हैं जबकि डेट में 87,250 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 3,101 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

50फीसदी अमेरिकी टैरिफ से भारतीय निर्यात को नुकसान, GTRI का दावा- पांच महीनों में 28.5फीसदी की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की भारतीय सामानों पर लगाए गए आक्रामक और अभूतपूर्व आयात शुल्कों (टैरिफ) के चलते, मई से अक्तूबर के बीच पिछले पांच महीनों में भारत के निर्यात में 28.5 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। यह आंकड़ा केवल संख्या में कमी नहीं, बल्कि भारतीय विनिर्माण और रोजगार के लिए एक बड़ी चिंता भी है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ में जिस तरह की बढ़ोतरी की है, वह अप्रत्याशित है। इस साल 2 अप्रैल को पहली बार भारतीय उत्पादों पर 10 प्रतिशत का जवाबी टैरिफ लगाया गया। 7 अगस्त को यह बढ़कर 25 प्रतिशत हुआ और अगस्त के अंत तक 50 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। ट्रंप सरकार की इस आक्रामक नीति का नतीजा यह हुआ कि मई से अक्तूबर 2025 के बीच अमेरिका को होने वाला भारतीय निर्यात 8.83 अरब डॉलर से घटकर महज 6.31 अरब डॉलर रह गया। गौर करने वाली बात यह है कि इस 'टैरिफ युद्ध' में भारत की स्थिति चीन से भी खराब हो गई है। जहां चीन को लगभग 30 प्रतिशत और जापान को केवल 15 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भंयकर भार है। भले ही स्मार्टफोन, दवाइयां और पेट्रोलियम उत्पादों पर तकनीकी रूप से टैरिफ का फैसला लागू नहीं है, लेकिन बाजार के गिरते सेंटीमेंट का असर इनके निर्यात पर भी पड़ा है। अक्तूबर के निर्यात में इन उत्पादों की हिस्सेदारी 40.3फीसदी थी। इनका निर्यात मई के 3.42 अरब डॉलर से गिरकर अक्तूबर में 2.54 अरब डॉलर रह गया। यानी सीधे तौर पर इसमें 881 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार भारत से अमेरिका जाने वाला सबसे बड़ा उत्पाद स्मार्टफोन टैरिफ के कारण सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसमें मई की तुलना में 36फीसदी की गिरावट आई है। मई में जो निर्यात 2.29 अरब डॉलर था, वह अक्तूबर में सिमटकर 1.50 अरब डॉलर रह गया। केवल स्मार्टफोन के निर्यता में 790 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। जीटीआरआई के अनुसार चिंता का सबसे बड़ा कारण श्रम आधारित क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों में भारत के करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता है। रत्न व आभूषण, कपड़ा, गारमेंट्स, रसायन और सीफूड जैसे क्षेत्रों पर 50फीसदी टैरिफ की सीधी मार पड़ी है। इन उत्पादों का निर्यात 31.2फीसदी लुढ़क कर 4.78 अरब डॉलर से 3.29 अरब डॉलर पर आ गया है। महज पांच महीनों में इन क्षेत्रों से लगभग 1.5 अरब डॉलर की पूंजी साफ हो गई है। रसायनों निर्यात में 38फीसदी की भारी गिरावट देखी गई है। लोहा, इस्पात, एल्युमीनियम और ऑटो पार्ट्स जैसे उत्पाद, जिन पर एक समान वैश्विक शुल्क लागू होते हैं, उनका प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। मई से अक्टूबर के बीच इन श्रेणियों में निर्यात 23.8फीसदी गिर गया।

इंडिगो ने ए 320 परिवार के विमानों पर अपडेट का पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ए320 परिवार के विमानों पर फ्लाइट कंट्रोल की समस्या से संबंधित सॉफ्टवेयर अपडेट का काम इंडिगो ने पूरा कर लिया जबकि एयर इंडिया ने भी शनिवार देर रात तक 90 प्रतिशत काम पूरा होने की सूचना दी है। जेटब्लू की उड़ान 1230 में 30 अक्टूबर को हुई घटना के बाद एयरबस ने दुनिया भर में ए320 परिवार (ए319, ए320 और ए321) के कई संस्करणों के लिए अनिवार्य अपडेट संबंधी मशविरा जारी किया है। यह समस्या विमान के फ्लाइट कंट्रोल से संबंधित है। इसके बाद, पहले यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) और फिर डीजीसीए ने एयरलाइंस के लिए निर्देश जारी किये हैं। भारत में तीन विमान सेवा कंपनियों इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास ए320 परिवार के विमान हैं। इनमें जिन 338 विमानों की पर अपडेट की जरूरत है उनमें 200 इंडिगो के पास, 113 एयर इंडिया के पास और 25 एयर इंडिया एक्सप्रेस

के पास हैं। इंडिगो ने रात बताया कि उसके सभी 200 प्रभावित विमानों में अपडेट का काम पूरा हो चुका है। एयर इंडिया ने भी 90 प्रतिशत विमानों में अपडेट का काम पूरा होने की जानकारी दी। वहीं, शनिवार शाम 5.30 बजे तक एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 17 विमानों पर अपडेट का काम पूरा कर लिया था।

अपडेट से पहले इन विमानों के उड़ान भरने पर प्रतिबंध के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस की कम से कम चार उड़ानें रद्द हुई थीं जबकि एयर इंडिया और इंडिगो ने किसी उड़ान के रद्द होने की सूचना नहीं है हालांकि कुछ उड़ानों में देरी जरूर हुई है। जेटब्लू का कानकुन से नेवार्क जा रहा विमान उड़ान के दौरान अचानक कुछ देर के लिए काबू से बाहर हो गया जिससे 15 यात्री घायल हो गये। पायलट ने बताया कि विमान के कंट्रोल उस तरह से काम नहीं कर रहे थे जैसे करने चाहिये।

अनंत गोयंका बने फिक्की के नये अध्यक्ष, विजय शंकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष अनंत गोयंका ने 2025-26 के लिए उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष का पद भार संभाल लिया है जबकि सनमार समूह के अध्यक्ष विजय शंकर नये वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने हैं। फिक्की की 98वीं आम सभा के दौरान दोनों ने पदभार ग्रहण किये। डालमिया

भारत लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत डालमिया ने उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है। श्री गोयंका टायर, बुनियादी ढांचा, फार्मा और आईटी तथा अन्य क्षेत्रों में कारोबार करने वाली 4.8 अरब डॉलर के आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष हैं। वह 10 साल तक टायर बनाने वाली कंपनी सिएट के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी रहे थे। उनके कार्यकाल में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 25 गुना बढ़ा था। सिएट से पहले वह हिंदुस्तान यूनीलिवर और केईसी इंटरनेशनल में भी काम कर चुके हैं। रसायन, इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और शिपिंग क्षेत्रों के लिए विनिर्माण करने वाली सनमार समूह के अध्यक्ष श्री शंकर टीवीएस मोटर, भारतीय परिवहन निगम, ऑरिएंटल होटल्स और कावेरी रिट्रीट्स एंड रिजॉर्ट्स के निदेशकमंडलों में स्वतंत्र निदेशक हैं।

साइटिवा और वीडा लाइफसाइंसेज ने बेंगलुरु में शुरू किया हॉस्ट सेल प्रोटीन सर्विसेज सेंटर

एजेंसी

नई दिल्ली। डानाहर समूह की कंपनी और लाइफ साइंसेज सेक्टर की लीडर साइटिवा ने ग्लोबल कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन वीडा लाइफसाइंसेज (वीडा क्लिनिकल रिसर्च लिमिटेड) के साथ मिलकर बेंगलुरु में एक खास हॉस्ट सेल प्रोटीन (एचसीपी) सर्विसेज सेंटर शुरू किया है। यह सेंटर बायोफार्मास्युटिकल कंपनियों को नई बायोलॉजिक्स दवाओं और बायोसिमिलर्स के डेवलपमेंट में रिस्क कम करने और रेगुलेटरी स्टैंडर्ड्स पूरा करने में मदद करेगा। वीडा लाइफसाइंसेज के समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. महेश भालगत ने कहा कि हम साइटिवा के साथ पार्टनरशिप करके बहुत खुश हैं। इससे बायोलॉजिक्स बनाने वाली कंपनियों को गहरा साइंटिफिक इनसाइट मिलेगा और उनके प्रोडक्ट्स का कैरेक्टराइजेशन और मजबूत होगा। एनालिटिकल डेटा दवा को अप्रूवल मिलने में सबसे अहम होता है। हमारी यह साझेदारी बायोसिमिलर्स के रेगुलेटरी अप्रूवल को और मजबूत आधार देगी।उन?होंने कहा कि साइटिवा की टेक्नोलॉजी से लैस और वीडा की फैसिलिटी के अंदर बना ये नया सेंटर बायोफार्मा मैन्युफैक्चरर्स, रिसर्चर्स और एकेडमिक संस्थानों के लिए एक पूरा एनालिटिकल हब बनेगा। यहां मल्टीपल एट्रीब्यूट डिफरेंशियल जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे एनालिसिस का काम तेज, सटीक और आसान हो जाएगा। सेंटर रेगुलेटरी अप्रूवल के लिए तैयार डेटा देगा। खासकर रिकॉम्बिनेंट प्रोटीन्स, थेरेप्यूटिक मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज, वैक्सीन्स आदि में मौजूद इंप्योरिटी के लिए। डॉ. महेश भालगत ने बताया कि

मुख्य सर्विसेज में एचसीपी कवरेज, कैरेक्टराइजेशन और क्वांटिफिकेशन असेज शामिल है। ये टेस्ट बहुत जरूरी हैं, क्योंकि थोड़ी सी भी एचसीपी इंप्योरिटी दवा की क्वालिटी खराब कर सकती है और मरीजों को नुकसान पहुंचा सकती है। उन?होंने कहा कि साइटिवा के 2025 बायोफार्मा इंडेक्स में भी यही बात सामने आई है कि आजकल एनालिटिकल और डिजिटल टूल्स की डिमांड बहुत तेजी से बढ़ रही है। इससे प्रोडक्शन स्केल-अप आसान होता है, बैच फेल होने का खतरा कम होता है और जरूरी दवाएं मरीजों तक जल्दी पहुंचती हैं। साइटिवा के साउथ एशिया जनरल मैनेजर मनोज कुमार आर पणिक्कर ने कहा कि ये नया सेंटर इनोवेशन को तेज करने और नई थेरेपीज को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जब साइंस, इंडस्ट्री और मकसद एक साथ आते हैं, तो बायोफार्मा में जो संभव है, ये सेंटर उसकी मिसाल है।वीडा लाइफसाइंसेज (वीडा क्लिनिकल रिसर्च लिमिटेड) एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो दवा बनाने के सभी स्टेज के लिए पूरी सर्विस के साथ-साथ फंक्शनल सर्विस भी देता है। यह बायोटेक और फार्मास्युटिकल कंपनियों को प्री-क्लिनिकल से लेकर क्लिनिकल फार्माकोलॉजी और क्लिनिकल ट्रायल्स तक की अलग-अलग तरीकों से मदद करता है।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 17 रनों से हराया

वनडे सीरीज

- विराट ने 120 गेंदों पर 11 चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 135 रन की जबर्दस्त पारी खेली

रांची, एजेंसी। कॉर्बिन बॉश (67) का अखिर तक किया गया संघर्ष गया बेकार, भारत ने विराट कोहली (135) की शतकीय, रोहित शर्मा (57) और केएल राहुल (60) की अर्धशतकीय पारियों के बाद कुलदीप यादव (चार विकेट) हर्षित राणा (तीन विकेट) दमदार प्रदर्शन की बदौलत रविवार को दक्षिण अफ्रीका को पहले एकदिवसीय मुकाबले में 17 रनों से हराया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजो विशेषकर निचले क्रम ने जिस तरह का संघर्ष दिखाया, वह काबिल-ए-तारीफ था। उनके चार से आठ नंबर के पांच बल्लेबाजो ने 35 से ऊपर का स्कोर बनाया और अपनी टीम को 11 रन पर तीन विकेट और 77 रन पर चार विकेट से उबारने की पूरी कोशिश की। केवल 39 गेंदों में 80 रन बनाकर मार्को यानसन अफ्रीकी टीम की मैच में वापसी कराये। इसके बाद कॉर्बिन बॉश संघर्ष करते हुए टीम को जीत के मुहाने तक ले गये, लेकिन जीत दिलाने में विफल रहे।

350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब हुई और उसने मात्र 11 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। दूसरे ही ओवर में हर्षित राणा ने रायन रिकलटन और क्विंटन डी कॉक को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। इसके बाद पांचवें ओवर में अर्शदीप सिंह ने कप्तान एडन मारक्रम (सात) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके और टोनी डीजॉर्जी ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। 15वें ओवर में कुलदीप यादव ने टोनी डीर्जार्जी (39) को पगबाधा कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। डेवाल्ड ब्रेविस (37) को हर्षित राणा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्को यानसन ने मैथ्यू ब्रीत्जके के साथ मिलकर एक बार फिर से पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 97 रनों की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को मैच में बनाये रखा। ऐसे समय में 34वां ओवर कर रहे कुलदीप ने पहले मार्को यानसन को आउट किया। मार्को यानसन ने 39 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए 70 रन बनाये। इसके उन्होंने मैथ्यू ब्रीत्जके को आउटकर पवेलियन भेजकर मैच भारत की झोली में डाल दिया। मैथ्यू ब्रीत्जके ने 80 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए 72 रनों की पारी खेली। प्रीनेलान सुब्रायेन (17) आठवें विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें भी कुलदीप यादव ने आउट किया। 47वें ओवर की अर्शदीप ने नांद्रे बर्गर (17) को आउटकर 312 के स्कोर पर भारत को नौवीं सफलता दिलाई।आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने कॉर्बिन बॉश को रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट कराकर 332 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया। निचले क्रम के बल्लेबाज कॉर्बिन बॉश ने 51 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए आखिर तक संघर्ष किया।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने चार विकेट लिये। हर्षित राणा को तीन विकेट मिले। अर्शदीप सिंह ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

अफरीदी को पीछे छोड़ वनडे के नये सिक्सर किंग बने रोहित शर्मा

रांची, एजेंसी। भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी को पीछे छोड़कर एकदिवसीय क्रिकेट के नये 'सिक्सर किंग' बन गये है। आज यहां रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में अपनी 57 रनों की पारी में तीसरा छक्का मारते ही अफरीदी का वनडे में 351 छक्कों का रिकार्ड तोड़ दिया। रोहित ने अपने 277वें वनडे मैच में यह उपलब्धि हासिल की। रोहित के अब इस तीसरे छक्के के साथ 352 छक्के हो गये है। अफरीदी ने 398 मैचों में 351 छक्के मारे थे। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 301 मैचों में 331 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर है। श्रीलंका के सनत जयसूर्या (270) चौथे और भारत महेंद्र सिंह धोनी (229) पांचवें नंबर पर है। टेस्ट और टी-20 से संन्यास ले चुके रोहित अब केवल वनडे में खेलते है। उनके नाम तीनों प्रारुपों में कुल 645 छक्कों का विश्व रिकार्ड है। उन्होंने 67 टेस्ट में 88 छक्के, 277 वनडे में 352 छक्के और 159 टी-20 में 205 छक्के मारे है।

विराट का इंटरनेशनल क्रिकेट में 83वां शतक

रांची, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान विराट कोहली ने आज रांची के जेएससीए स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शतक लगाकर किसी एक फॉर्मेट में सबसे अधिक शतक लगाने के सचिन तेंदुलकर के कीर्तिमान को ध्वस्त कर दिया। यह विराट कोहली का 52वां शतक है। कोहली ने शतक लगाकर रांची के जेएससीए मैदान पर सबसे अधिक शतक लगाने का भी कीर्तिमान बनाया। कोहली का रांची में यह तीसरा शतक है। कोहली ने आज अपना शतक 102 गेंदों में पूरा किया। 7 चौकों और 6 छक्कों की मदद से कोहली ने अपना शतक पूरा किया। विराट ने जैसे ही अपनी शतकीय पारी पूरी की एक फैंस ग्राउंड पर दौड़ गया और कोहली के पैर छुए और उसे आशीर्वाद लिए, उसके बाद सुरक्षाकर्मी फील्ड पर पहुंचे और उसे फैंस को ग्राउंड से बाहर किया। हालांकि यह सुरक्षा के नजरिए से बड़ी चूक है। विराट कोहली रांची के जेएससीए स्टेडियम में तीन शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले विराट ने इस मैदान पर 5 मैचों की 4 पारियों में 2 शतक और 1 अर्द्धशतक जमाया था। कोहली 4 में से 2 बार नॉट आउट रहे हैं। इससे पहले भी विराट ने रांची में अपने 5 मैच की 4 पारियों में इस मैदान पर 77, 139*, 45 और 123 रनों की पारियां खेली हैं। कोहली का वनडे क्रिकेट में यह 52वां शतक है। वहीं ओवरऑल इंटरनेशनल क्रिकेट में यह उनका 83वां शतक है। किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने टेस्ट मैचों में 51 शतक लगाए थे लेकिन अब कोहली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के फॉर्मेट में 52 शतक लगाकर सचिन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

संक्षिप्त

सैमसन की आक्रामक पारी से केरल ने छत्तीसगढ़ को हराया

लखनऊ, एजेंसी। संजू सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर वापसी करते हुए 15 गेंद में 43 रन की आक्रामक पारी खेलकर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए मैच में छत्तीसगढ़ के खिलाफ केरल को आठ विकेट से जीत दिलाई। सैमसन ने अपनी पारी में पांच छक्के जड़े जिससे केरल ने महज 10.4 ओवर में ही जीत के लिए मिले 121 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

छत्तीसगढ़ की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में महज 120 रन ही बना सकी। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व तेज गेंदबाज केएम आसिफ ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह को खाता खोले बिना चलता कर छत्तीसगढ़ को बड़ा झटका दिया।

बंगलादेश ने तीसरे टी-20 के लिए शमीम हुसैन को किया टीम में शामिल

ढाका, एजेंसी। बंगलादेश ने आयरलैंड के खिलाफ दो दिसंबर को होने वाले तीसरे टी-20 मुकाबले के लिए शमीम हुसैन को टीम में शामिल किया है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को बताया कि शमीम हुसैन को आयरलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 के लिए टीम में शामिल किया गया है। सीरीज शुरू होने से पहले, टी-20 कप्तान लिटन दास ने शमीम को बाहर रखने पर चयनकर्ताओं पर तंज कसा था। पूर्व तेज गेंदबाज और चयनकर्ता पैनल के मौजूदा सदस्य हसीबुल हुसैन ने आज क्रिकबज को बताया, "शमीम कभी भी हमारे प्लान से बाहर नहीं थे, बस हम देखना चाहते थे कि टी-20 विश्व कप से पहले हमारे पास और क्या विकल्प हैं। हमारे पास एक प्लान है और हम उसी के अनुसार आगे बढ़ना चाहते हैं।

अजीत अगरकर घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात

अहमदाबाद, एजेंसी। चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर 26 नवंबर से घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से घरेलू टेस्ट हार से अभी भी जूझ रहा है।

सेलेक्टर्स के चेयरमैन, जिनकी अक्सर घरेलू सर्किट से ज़्यादा इंटरनेशनल गेम को प्राथमिकता देने के लिए आलोचना की जाती है, नेशनल टी20 चैंपियनशिप के ग्रुप डी मैचों की देखरेख कर रहे हैं जो अभी कई शहरों में फैले हुए हैं। अगरकर की अगुवाई वाला पैनल घरेलू क्रिकेट से दूर रहने, खासकर व्हाइट-बॉल रिटर्न के आधार पर टेस्ट खिलाड़ियों को चुनने और स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों के बजाय ऑलराउंडरों को तरजीह देने के लिए जांच के दायरे में है। साई सुदर्शन और नीतीश रेड्डी के चयन ने ध्यान खींचा है, जबकि सरफराज खान, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर को बाहर रखने पर बहस जारी है। हालांकि चयन पांच सदस्यों वाली कमेटी का सामूहिक फैसला है।

फ्लेमिंगो ने कोपा लिबर्टाडोरेस जीता

लिमा, एजेंसी। फ्लेमिंगो ने शनिवार को पाल्मेरास को 1-0 से हराकर कोपा लिबर्टाडोरेस का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में फ्लेमिंगो चौथी बार चैंपियन बना और यह उपलब्धि हासिल करने वाली ब्राज़ील की सबसे सफल टीम बन गई।

लिमा के एस्टादियो मोन्यूमेंटल में खेले गए इस मुकाबले में सेंटर-बैक डैनिलो के दूसरे हाफ में लगाए गए हेडर ने मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल बनाया। यह पिछले छह सीज़न में पांचवीं बार था जब फाइनल में दो ब्राज़ीलियाई क्लब आमने-सामने थे।

फ्लेमिंगो ने इस जीत के साथ 2021 के फाइनल में पाल्मेरास से मिली 1-2 की हार का बदला भी चुका लिया और 2025 में ट्रॉफियों की हैट्रिक की राह पर मज़बूती से आगे बढ़ गया है।

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता

लखनऊ, एजेंसी। गत चैंपियन त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट में जापान की काहो ओसावा और माई तानाबे को तीन गेम में हराकर महिला युगल का खिताब बरकरार रखा। शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद आक्रामक खेल दिखाया और दुनिया की 35वें नंबर की जापानी जोड़ी को एक घंटे 16 मिनट तक चले रोमांचक फाइनल में 17-21, 21-13, 21-15 से शिकस्त दी।

कंधे की चोट के बाद गायत्री के पांच महीने के ब्रेक से लौटने के बाद भारतीय जोड़ी सिर्फ अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रही थी।

फाइनल की शुरुआत 49 शॉट की शानदार रैली से हुई। दोनों जोड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी जिसके बाद ओसावा और तानाबे 6-3 से आगे हो गईं।

त्रीसा ने कुछ तेज स्मैश लगाए जिससे भारतीय जोड़ी बराबरी पर आ गई। फिर ओसावा की फोरहैंड गलती ने उन्हें 8-6 से आगे कर दिया।

हालांकि जापानी जोड़ी ने फिर वापसी की और ब्रेक तक थोड़ी बढ़त बना ली। तानाबे के बैकहैंड क्रॉस कोर्ट रिटर्न से गायत्री हैरान हो गई जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी की एक और गलती ने जापानी टीम को पांच गेम प्वाइंट दिला दिए।

आंद्रे रसल ने आईपीएल को कहा अलविदा

केकेआर के स्पोर्ट स्टाफ का बनेंगे हिस्सा

अलविदा

- रसेल दो बार आईपीएल खिताब जीतने वाली केकेआर टीम का हिस्सा रहे 2014 और 2024 में।

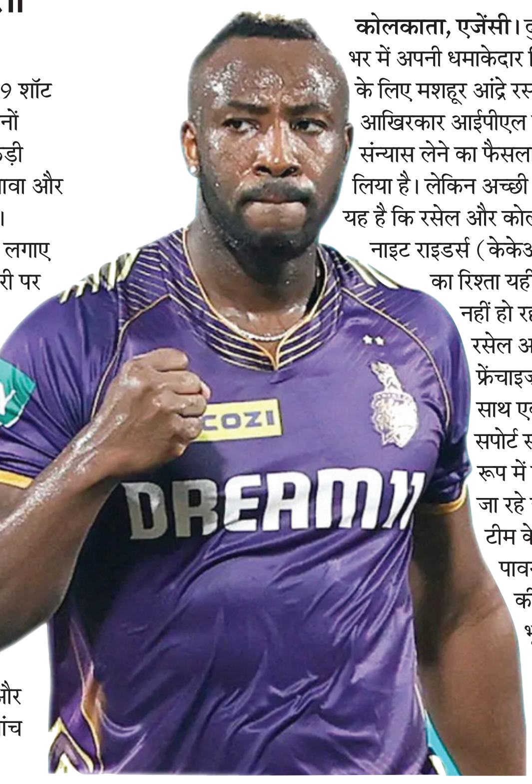

कोलकाता, एजेंसी। दुनिया भर में अपनी धमाकेदार हिटिंग के लिए मशहूर आंद्रे रसल ने आखिरकार आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि रसेल और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का रिश्ता यहीं खत्म नहीं हो रहा। रसेल अब फ्रेंचाइज़ी के साथ एक सपोर्ट स्टाफ के रूप में जुड़ने जा रहे हैं और टीम के लिए पावर कोच की भूमिका निभाएंगे। अगले सीजन में वह खिलाड़ियों को पावर-हिटिंग और फिटनेस के खास पहलुओं पर मार्गदर्शन देंगे।

रसेल की आईपीएल जर्नी केकेआर के लिए बेहद खास रही है। उन्होंने 2014 में टीम ज्वाइन की थी, और तब से उन्होंने केकेआर के लिए कुल 133 मैच खेले। उनकी ताकतवर बल्लेबाज़ी और मैच का रुख पलट देने की क्षमता ने उन्हें लीग के सबसे खतरनाक ऑलराउंडरों में शामिल किया। रसेल दो बार आईपीएल खिताब जीतने वाली केकेआर टीम का हिस्सा रहे 2014 और 2024 में। उनकी विस्फोटक बल्लेबाज़ी के कई यादगार पल हैं। कई बार उन्होंने अकेले दम पर मैच जिताए, और कई मौकों पर उनकी डेथ-ओवर गेंदबाज़ी ने टीम को संघर्ष से बाहर निकाला। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें पिछले मेगा ऑक्शन से पहले 12 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

लेकिन आईपीएल 2025 उनके लिए उम्मीदों के मुताबिक नहीं गया। सीजन भर रसेल वह असर नहीं दिखा पाए, जिसकी उनसे हमेशा उम्मीद रहती है। बल्लेबाज़ी में वे 13 पारियों में सिर्फ 167 रन ही बना सके, और गेंदबाज़ी में उन्हें 8 विकेट मिले, लेकिन उनका इकॉनमी रेट लगभग 12 रन प्रति ओवर रहा। यह लगातार दूसरा सीजन था, जिसमें उनका प्रदर्शन टीम की योजनाओं को परेशान कर रहा था। ऐसे में फ्रेंचाइज़ी ने एक कठिन कदम उठाते हुए उन्हें रिलीज़ करने का फैसला किया।

हालांकि, केकेआर हमेशा रसेल को अपने परिवार की तरह मानती आई है, और यही वजह है कि भले ही वह बतौर खिलाड़ी टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे, लेकिन उन्हें सपोर्ट स्टाफ के एक महत्वपूर्ण पद पर शामिल किया जा रहा है। पावर हिटिंग हमेशा से रसेल की सबसे बड़ी ताकत रही है चाहे वह 110 मीटर से ऊपर उड़ने वाले छक्के हों या आखिरी ओवरों में खेल बदल देने की क्षमता। केकेआर प्रबंधन का मानना है कि रसेल के अनुभव से टीम के युवा खिलाड़ी बहुत कुछ सीख सकते हैं।

रसेल खुद भी कई बार कह चुके हैं कि केकेआर उनके दिल के बेहद करीब है। ऐसे में यह फैसला उनके लिए भी एक नए अध्याय की शुरुआत जैसा है। मैदान पर उनकी उपस्थिति भले ही कम हो जाए, लेकिन ड्रेसिंग रूम में उनकी ऊर्जा, जुनून और विजेता मानसिकता टीम को हमेशा फायदा पहुंचाने वाली है। आने वाला सीजन दिलचस्प होगा क्योंकि पहली बार रसेल बल्ले और गेंद के बजाय रणनीति, गाइडेंस और ट्रेनिंग के जरिए केकेआर के अभियान का हिस्सा बनेंगे।

इंटर मियामी सीएफ ने जीती ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस ट्रॉफी

पहली बार एमएलएस कप में बनाई जगह

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 5-1 से शिकस्त देकर ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस ट्रॉफी अपने नाम की। यह क्लब के इतिहास में तीसरा टाइटल है। इसी के साथ इंटर मियामी सीएफ ने पहली बार एमएलएस कप में जगह बना ली है। चेस स्टेडियम में आयोजित इस ऐतिहासिक मुकाबले के हीरो तादेओ अलेंदे रहे, जिन्होंने तीन गोल दागे।

इस मुकाबले की शुरुआत तादेओ अलेंदे के गोल के साथ हुई, जिन्होंने 14वें मिनट में खाता खोला। 10 मिनट से भी कम समय में अलेंदे ने जोर्डी अल्बा के शानदार क्रॉस को फ्लिक हेडर से गोल में बदला। मुकाबले के 23वें मिनट तक इंटर मियामी 2-0 से आगे थी।

पहले हाफ में न्यूयॉर्क सिटी एफसी संघर्ष करती नजर आई, लेकिन 37वें मिनट में मियामी की बढ़त को आधा कर दिया। जस्टिन हाक ने 37वें मिनट इस मैच में न्यूयॉर्क सिटी के लिए पहला और इकलौता गोल दागा। जस्टिन हाक ने मैक्सी मोरालेज के फ्री किक पर एक जोरदार हेडर से हाफटाइम ब्रेक तक स्कोर 2-1 कर दिया।

इस बीच न्यूयॉर्क सिटी की तरफ से सिल्वेटी ने गोल दागकर टीम को 3-1 से बढ़त दिला दी। इसके बाद सेगोविया ने बॉक्स में अल्बा के साथ मिलकर स्कोर 4-1 कर दिया। इसी के साथ तादेओ अलेंदे ने हैट्रिक पूरी की। मुकाबले के 83वें मिनट में सेगोविया ने गोल करते हुए इंटर मियामी को 5-1 से आगे कर दिया।

इस मैच में पांच गोल के साथ इंटर मियामी ने अब 2025 में रेगुलर सीजन और पोस्टसीजन में कुल मिलाकर 98 गोल किए हैं, जो मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा हैं। इंटर मियामी अब दिसंबर में चेस स्टेडियम में वैंकूवर व्हाइटकैप्स एफसी और सैन डिएगो एफसी के बीच वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल के विजेता के खिलाफ एमएलएस कप की मेजबानी करेगा। यह मैच 2025 में सभी प्रतियोगिताओं में इंटर मियामी का 58वां मैच होगा, जो एक कैलेंडर ईयर में किसी एमएलएस क्लब के लिए सर्वाधिक मुकाबलों का

अभिषेक शर्मा का ताबड़तोड़ शतक

12 गेंदो में 50 और 32 गेंदों में शतक

हैदराबाद, एजेंसी। अभिषेक शर्मा (148/ एक विकेट) की तूफानी बल्लेबाजी के बाद हरप्रीत बरार (चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में बंगाल को 112 रनों से करारी शिकस्त दी। अभिषेक शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया।

अभिषेक शर्मा ने 52 गेंदों में 16 छक्के और आठ चौके लगाते हुए 148 रनों की रिकॉर्डतोड़ विस्फोटक पारी खेली जिसकी बदौलत पंजाब ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 310 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। 311 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगाल कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन 66 गेंदों में (नाबाद 130) रनों की तूफानी पारी के बावजूद पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 198 रन का स्कोर ही बना सकी और उसे 112 रनों से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अभिमन्यु ईश्वरन का बंगाल के लिए यह सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड है उन्होंने रिद्धिमान साहा (129 रनों) के रिकार्ड को तोड़ा। इसके अलावा उन्होंने एक मैच में बंगाल के लिए सर्वाधिक आठ छक्के लगाने का भी रिकार्ड कायम किया। आकाश दीप ने सात गेंदों में पांच छक्के लगाते हुए 31 रन बनाये। बंगाल के शेष बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पंजाब के लिए हरप्रीत बरार ने 23 रन देकर चार विकेट लिये।

खेलो इंडिया गेम्स | राजस्थान में स्कीट इवेंट्स में एमपी के निशानेबाज़ों ने जीते 5 पदक

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में मध्य प्रदेश शूटिंग टीम का शानदार प्रदर्शन

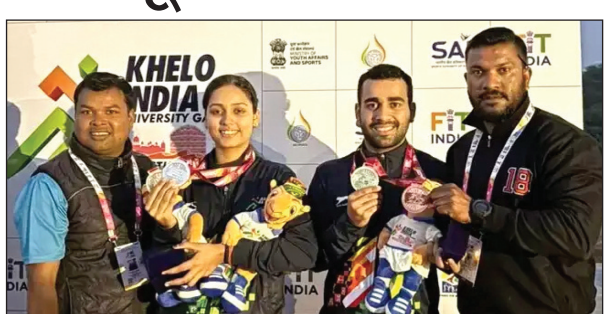

भोपाल, एजेंसी। राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में मध्य प्रदेश की शूटिंग टीम ने शनिवार को हुए स्कीट इवेंट्स में दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक अपने नाम किए। मप्र के खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत और टीम दोनों वर्गों में उत्कृष्ट तालमेल, सटीक निशानेबाज़ी और निरंतरता का परिचय दिया।

स्कीट मिक्स्ड इवेंट में शिवानी रैकवार ने गोल्ड, वंशिका-ज्योतिरादित्य ने जीता सिल्वरप्रतियोगिता में शनिवार को खेले गए स्कीट मिक्स्ड इवेंट में मध्य प्रदेश की शिवानी रैकवार ने अपने उत्कृष्ट नियंत्रण और तेज़ रिफ्लेक्सेस के दम पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं वंशिका और ज्योतिरादित्य की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। वहीं, मानसी और दुश्यांश की जोड़ी ने शानदार संतुलन दिखाते हुए महत्वपूर्ण ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

स्कीट टीम वूमेन में एमपी की बेटियों का तूफ़ानी प्रदर्शन — गोल्ड मेडलमहिला टीम वर्ग में मानसी, वंशिका और शिवानी की त्रिमूर्ति ने बेहतरीन रिद्म और निरंतरता के साथ सभी राउंड्स में बढ़त बनाए रखी और गोल्ड मेडल जीता। टीम की फोकस और तेज़ प्रतिक्रिया ने उन्हें पूरे मुकाबले में बढ़त दिलाई। स्कीट टीम मैन में ज्योतिरादित्य-दुश्यंत-अमन चौहान ने दिलाया ब्रॉन्जपुरुष टीम स्कीट में ज्योतिरादित्य, दुश्यंत और अमन चौहान की टीम ने स्थिर प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। टीम ने कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखा और अंतिम राउंड्स में शानदार वापसी करते हुए पदक सुनिश्चित किया।

मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शूटिंग टीम को बधाई देते हुए कहा कि "स्कीट इवेंट्स में यह शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और राज्य की आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली का परिणाम है। एमपी के युवा अब शूटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रहे हैं। मध्य प्रदेश की शूटिंग अकादमी में अत्याधुनिक शूटिंग रेंज, अनुभवी कोचों के मार्गदर्शन और वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता की दबाव स्थितियों के लिए पूरी तरह तैयार किया है। खिलाड़ियों की फिटनेस, फोकस और मानसिक मजबूती आज के बेहतरीन नतीजों में साफ दिखाई दी।

एमपी के पैडलर्स का दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शनउत्तराखंड के न्यू टिहरी में 28 से 30 नवम्बर तक आयोजित प्रेसिडेंट कप ओपन इंटरनेशनल कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप 2025 और चौथी टिहरी कैनो चैंपियनशिप 2025 में मध्य प्रदेश के पैडलर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। एमपी के खिलाड़ियों ने सी-4, के-4, के-2, के-1 तथा सी-2 श्रेणियों में तकनीक, गति और टीमवर्क का मजबूत परिचय दिया, जिससे राज्य की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान और मजबूत हुई।

प्रेसिडेंट कप - सुधीर कुमार, हर्ष शर्मा, वैष्णवराज के., और मिथुन की टीम ने सी-4 500m इवेंट में शानदार समन्वय और तेज़ पैडलिंग दिखाते हुए सिल्वर मेडल जीता। पूरे रेस में टीम ने मजबूत लय और निरंतरता बनाए रखी, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर शीर्ष स्थान पर पहुंचाया। वहीं, चौथी टिहरी कैनो चैंपियनशिप 2025 प्रतियोगिता के के-4 पुरुष 500 मीटर इवेंट में एमपी के पैडलर्स संतोष, योगेश कुमार, रोहन यादव और आदित्य सिंह ने शानदार टीमवर्क के साथ मजबूत पैडलिंग करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि महिला वर्ग में चंद्रकला, नेलू, रुकमणी और मनवी की चौकड़ी ने तेज़ शुरुआत और स्थिर नियंत्रण के बल पर सिल्वर मेडल हासिल किया।

हेल्थ का आईना पैर

अगर चेहरा मनुष्य के चरित्र का आईना है, तो आपके पैर स्वास्थ्य का आईना। अरे, यह हम नहीं, बल्कि मेडिकल साइंस कह रहा है। मेडिकल साइंस के अनुसार पैरों से व्यक्ति की सेहत की जानकारी ली जा सकती है।

पैरों से मिलने वाले संकेतों को पहचान कर समय रहते विभिन्न बीमारियों का पता लगाया जा सकता है, इसलिए अगर पैर स्वस्थ रहेंगे तो आप भी स्वस्थ रहेंगे। आइए जानते हैं पैरों के कुछ ऐसे लक्षण जो देते हैं संकेत–

पैरों का ठंडा पड़ना

पैरों का ठंडा पड़ना थॉयराइड के कारण हो सकता है। 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के पैर ठंडे होने का मतलब थॉयराइड ग्लैंड का कम एक्टिव होना है। महिलाओं का बॉडी टेम्प्रेचर पुरुषों की तुलना में कम होता है।

पैरों का फटना

ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं को पैर फटने या जलन की शिकायत रहती है। सही तरीके की एक्सरसाइज न करने या शरीर में पानी की कमी से पैर फटते हैं। अगर ऐसा बार–बार होता है तो शरीर में कैल्शियम, पोटेशियम या मैग्नेशियम की कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए बैलेंस डाइट लेनी जरूरी है। जहां तक हो सके आप ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं।

पदार्थों की कमी बताए नाखून

पैरों के नाखूनों से शरीर में मौजूद पदार्थों की कमी का पता लगाया जा सकता है। कोई भी समस्या अकसर शरीर में किसी कमी की निशानी होती है। नाखूनों का सफेद होना शरीर में कैल्शियम की कमी की निशानी है। पीलापन हीमोग्लोबिन की कमी का संकेत है। ऐसे में नाखून टूटने भी लगते हैं।

सुन्न पड़ना

अगर पैर सुन्न पड़ते हों या सुई चुभने जैसा कुछ अहसास हो तो यह पैरीफेरल नर्वस सिस्टम डैमेज होने का संकेत हो सकता है। डायबिटीज के कारण या ज्यादा नशा करने से ऐसा हो सकता है। थोड़ी–सी लापरवाही भी बड़ा रूप ले सकती है। इसलिए समय रहते ही डॉक्टर से चेकअप करवाएं, ताकि आगे किसी भी परेशानी से बच सके।

याद रखें

- पैरों को स्वस्थ रखने के लिए प्रॉपर एक्सरसाइज करें।
- ज्यादा से ज्यादा पानी या फ्रूट जूस लें।
- कैल्शियम की कमी होने पर कैल्शियम की गोलियां लें।
- पैरों को प्रॉपर ढंककर रखें।
- नंगे पैर कहीं भी न जाएं।
- पैरों की एड़ियां जैसे ही फटें, उन पर क्रेक क्रीम जरूर लगाएं।

आंख में कैमरा

अभी तक आपने फिल्मों में ऐसे हीरो देखे होंगे, लेकिन यह एक हकीकत है। गोलीकांड में अपनी एक आंख गंवा चुके ब्रिटिश फिल्म निर्माता रॉब स्पेंस ने आंख की जगह कैमरा फिट करा लिया है। इस कैमरे में वे सारी चीजें रिकॉर्ड होती हैं, जो वह देखते हैं।

स्काई न्यूज से बातचीत में रॉब ने कहा, यह उतना आसान नहीं, लेकिन इंजीनियरों को मेरी आंख के लिए कैमरा बनाने में काफी मजा आया होगा। रॉब की आंख में लगे कैमरे में ठीक उसी तरह की तकनीक का प्रयोग गया है, जिस तरह एक वायरलेस माइक्रोफोन ट्रांसमीटर होता है। यह यंत्र उनके दिमाग से नहीं जुड़ा है और सिर्फ रिकॉर्डिंग करता है। रॉब्स को ह्यूमन रिवोल्यूशन नामक वीडियो गेम बनाने वाली कंपनी ने एक वृत्तचित्र बनाने का जिम्मा सौंपा है। यह वृत्तचित्र वर्ष 2027 तक ऐसे मनुष्यों की कल्पना को चित्रित करेगा, जो आधे मानवीय गुणों से युक्त हैं और आधे मशीनी हैं। रॉब कहते हैं कि तकनीक तो विकसित है ही और भविष्य में इस क्षेत्र के लिए अनंत संभावनाएं हैं। लोग कहते हैं कि कोई स्वयं का हाथ काटकर उसे बदल नहीं सकता, लेकिन अगर तकनीक किसी को शानदार कृत्रिम हाथ देने में सफल रहती है तो लोग इसके बारे भी में सोचना शुरू कर देंगे।

कैंसर दूर भगाएगी फूलगोभी

फूलगोभी खाइए और कैंसर को दूर भगाइए। अरे भई यह हम नहीं, बल्कि ब्रिटिश वैज्ञानिकों का कहना है। उन्होंने पता लगाया है कि फूलगोभी की एक खास किस्म कैंसर और दूसरी जानलेवा बीमारियों को दूर भगाती है।

26 साल की कड़ी मेहनत के बाद इस नतीजे पर पहुंचे यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे कैंसर पर काबू पाया जा सकेगा। वहां एक खास प्रजाति की फूलगोभी की खेती की जाती है। इटली से लाई गई कुछ फूलगोभियों से इनकी ब्रीडिंग शुरू की गई है और इससे आखिरकार फूलगोभी की नई वैरायटी विकसित की गई, जो दिल की बीमारी से भी लड़ सकती है। फूलगोभी में ग्लूकोरैफैनिन की प्रचुर मात्रा होती है, जो कई दवाओं से ज्यादा कारगर है।

कम खाओ ज्यादा जिओ

यह यकीन करने वाली बात नहीं है, लेकिन सच है। एक अध्ययन से पता चला है कि जहां औसत भोजन करने से शरीर सुडौल और स्वस्थ रहता है, वहीं जो कम खाते हैं, उनकी उम्र ज्यादा खाने वालों की अपेक्षाकृत अधिक होती है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के अनुसार, जानवरों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि जो जानवर सिर्फ जीने के लिए पर्याप्त आहार पर निर्भर रहते हैं, उनका जीवन चक्र काफी लंबा होता है। अध्ययन के लिए जानवरों को दो वर्गों में बांटा गया था। इसके बाद दिए गए अलग–अलग आहारों के आधार पर उनका अवलोकन किया गया। इस प्रक्रिया से वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन जानवरों को लो–कैलोरी फूड दिया गया, उनकी जीवन अवधि ओवर इटिंग करने वाले जानवरों से ज्यादा रही। इस अनुसंधान के आधार पर माना गया कि यदि जानवरों में इस तरह के गुण पाए जा सकते हैं, तो इंसानों पर भी डाइट का असर अवश्य होगा।

हाई हील पहनकर ड्रिंक खतरनाक

वैसे तो महिलाओं को विशेषकर युवतियों को हाई हील पहनने का बड़ा शौक होता है। यह जहां आपके फैशन में चार-चांद लगाते हैं, वहीं आपके लिए मुसीबत का द्वार भी खोल देते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो हाई हील पहनकर ड्रिंक करना बेहद खतरनाक हो सकता है।

आजकल मल्टीपल फ्रैक्चर के केस उन महिलाओं में ज्यादा देखे जा रहे हैं, जो हाई हील पहनकर ड्रिंक करती हैं। हाई हील से होने वाला यह फ्रैक्चर इतना खतरनाक होता है कि इलाज के बाद भी मरीज दौड़ने में असमर्थ होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक हाई हील के कारण आपका पूरा शरीर जमीन से 8 इंच की दूरी पर हवा में रहता है। इससे बैक बोंस पर जोर पड़ता है और वह टेढ़ी हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार ज्यादातर महिलाओं को फ्रैक्चर हील पहनकर गिरने से होता है। यह घटना उन महिलाओं में ज्यादा देखी जा रही है, जो शराब का सेवन कर हाई हील पहनकर चलती हैं और वह ज्यादातर 20 साल से कम उम्र की पेशेंट होती हैं। चोट लगने के बाद ठीक होने में उन्हें छह महीने का समय लग जाता है। शौक के तौर पर हाई हील पहना जा सकता है, लेकिन ड्रिंक करने के बाद इसे पहनने से बचें। क्योंकि ड्रिंक करने के बाद शारीरिक संतुलन बिगड़ जाता है और गिरने की आशंका बढ़ जाती है।

महिला-प्रधान फिल्म होगी कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म लोका ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे माया, मानगरम, मॉन्स्टर, तानक्करन, इरुगापत्रु और ब्लैक जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी। कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और नान महान अल्ला फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरवियम ने मिलकर लिखे हैं। संगीत की कमान तमिल फिल्म जगत के उभरते हुए संगीतकार जस्टिन प्रभाकरन ने संभाली है, जिनकी धुनें हमेशा दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

नेचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है।

सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था?

सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर द लिवर डॉक के नाम से जाने जाते हैं।

विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी

विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं। सोनाली लिखती हैं, मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है।

सोनाली बेंद्रे का फिल्मी करियर

सोनाली बेंद्रे का कहना है, मैं हमेशा अपनी यात्रा ईमानदारी और विनम्रता के साथ शेयर करूंगी। कभी किसी नुस्खे के तौर पर नहीं, बल्कि अपने अनुभव के तौर पर। बता दें कि सोनाली मेटास्टेटिक कैंसर के खिलाफ जंग लड़ चुकी हैं। अभिनेत्री के करियर की बात करें तो उन्होंने आग (1994) से डेब्यू किया था। वे सरफरोश (1999), हम साथ-साथ हैं (1999), हमारा दिल आपके पास है (2000), लज्जा (2001) और कल हो ना हो (2003) जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

शाहरुख की फिल्म 'किंग' में अक्षय ओबेरॉय की हुई एंट्री

शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग की एक-एक अपडेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। अब फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में एक और कलाकार का नाम जुड़ गया है। जानिए उस अभिनेता के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि वह शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हैं। आपको बताते चलें कि कई दिनों से चर्चा चल रही थी, अभिनेता इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि अब इसपर मुहर लगती दिख रही है। फिल्म किंग को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन जैसे बड़े नाम भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मल्टीस्टारर धुरंधर में अहम किरदार में नजर आएंगी गीतिका गंजू

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी मोस्ट अवेटेड मल्टीस्टारर फिल्म 'धुरंधर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक्ट्रेस गीतिका गंजू अहम किरदार में नजर आएंगी। गीतिका का मानना है कि धुरंधर एक ऐसी फिल्म है, जिसे दर्शक काफी पसंद करेंगे। गीतिका गंजू का मानना है कि बहुत कम ऐसी फिल्में आती हैं जो कहानी कहने का तरीका बदल देती हैं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ने में सफल होती हैं। धुरंधर भी ऐसी ही फिल्म है। एक्ट्रेस गीतिका ने को-एक्टर रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे स्टार्स के साथ काम करने को शानदार बताया। एक्ट्रेस ने कहा, धुरंधर एक जबरदस्त फिल्म बनने के साथ सिनेमाघरों में छाने को तैयार है। भारत में इस जॉनर को शायद पहले कभी इतनी सच्चाई और स्टाइल के साथ नहीं दिखाया गया। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। फिल्म की तारीफ करते हुए गीतिका ने स्पष्ट कहा, मेरा मानना है कि कुछ ऐसी फिल्म आती है, जो कहानी कहने का तरीका बदल देती है, धुरंधर वैसी ही फिल्म है। गीतिका ने बताया, आदित्य धर और लोकेश धर ने फिल्म के लिए खूब मेहनत की है, जिसका नतीजा स्क्रीन पर दिखेगा। आदित्य धर ने कहानी को बेहद बोल्ड और रियल तरीके से पेश किया है। गीतिका ने आगे कहा कि फिल्म का हर एक एक्टर खास है। राकेश बेदी, रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के साथ काम करना उनके लिए यादगार रहा। रणवीर सिंह को एक्शन में देखने का अनुभव शानदार रहा। गीतिका गंजू ने अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाई है। आमिर खान प्रोडक्शंस की 'लाल सिंह चड्ढा', 'म्यूजिक मेरी जान', 'आर्या सीजन 2' और 'तनाव सीजन 2' जैसे सफल प्रोजेक्ट में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है।

रणवीर सिंह से लेकर संजय दत्त तक
खलनायक के रूप में नजर आए ये बड़े स्टार्स

बॉलीवुड के कई मशहूर अभिनेताओं ने फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया है। अपकमिंग फिल्म धुरंधर में अर्जुन रामपाल खलनायक के किरदार में नजर आने वाले हैं। इससे पहले भी कई अभिनेताओं ने फिल्मों में पारंपरिक खलनायक से अलग लुक रखा और अभिनय किया। दर्शकों ने इन्हें खूब पसंद किया। कई विलेन ऐसे रहे जो नायकों पर भारी पड़े और उनकी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली।

फिल्म सिंघम अगेन (2024) में **अर्जुन कपूर** ने डेंजर लंका का नेगेटिव किरदार निभाया है। उनका किरदार एक चालाक और तेज दिमाग वाला है। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और कई कलाकारों ने अभिनय किया लेकिन अर्जुन कपूर के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया। फिल्म शैतान (2024) में **आर माधवन** ने वनराज कश्यप का नेगेटिव किरदार निभाया। यह फिल्म गुजराती फिल्म वश पर आधारित थी। इसमें दिखाया गया है कि एक अजनबी एक लड़की को वश में करने के लिए काले जादू का इस्तेमाल करता है। इसमें आर माधवन के किरदार ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म एनिमल को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसमें **रणबीर कपूर** के किरदार के अलावा बॉबी देओल के नेगेटिव किरदार अबरार अहमद को पसंद किया गया। फिल्म में उनके कम संवाद, चमकीली आंखें और शांत गुस्से ने दर्शकों को हैरान कर दिया था। विलेन के रूप में बॉबी देओल को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म पद्मावत (2018) में **रणवीर सिंह** ने विलेन अलाउद्दीन खिलजी का किरदार निभाया। इस फिल्म में नायक से ज्यादा खलनायक को दमदार दिखाया गया। अलाउद्दीन खिलजी का किरदार बेरहम, जुनूनी और डरावना था। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म अग्निपथ में **संजय दत्त** ने विलेन का किरदार निभाया। कानों में कुंडल और बिना बालों के संजय दत्त के लुक को काफी पसंद किया गया। फिल्म में वह ड्रग डीलर बने हैं। ऋतिक रोशन के अपोजिट संजय दत्त ने एक डरावना लेकिन आकर्षक अभिनय किया।

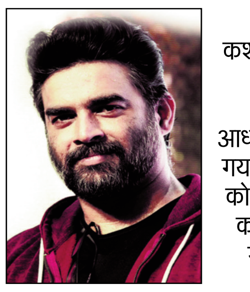

भगवान शिव का किरदार निभाने को लेकर बोले मोहित मलिक

मोहित मलिक ने डोली अरमानों की और कुल्फी कुमार बाजेवाला जैसे टीवी शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाई। वह दो दशक से भी ज्यादा समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। दर्जनों टीवी शोज और वेब सीरीज कर चुके मोहित मलिक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस वक्त वह माइथोलॉजिकल शो महागाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में काम कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं। मोहित मलिक ने अपने इस किरदार के अलावा 8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी बहस पर बात की।

मोहित मलिक पहली बार माइथोलॉजिकल शो में काम कर रहे हैं। वह गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय में भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं। इस शो में काम करने की वजह पर वह कहते हैं, इस शो मेकर्स का नजरिया अलग था। उन्होंने मुझे कंवींस किया कि वह इसका प्रेजेंटेशन वैसे ही करेंगे जैसा उन्होंने मुझे बताया है। फिर इसमें शिव का रूप भी एकदम अलग है। वह उस तरह का टिपिकल नहीं है जैसा लोग अब तक देखते आए हैं। शिव और उनके परिवार को इंसानी रूप में दिखाया गया है। बकौल मोहित, शिव के आशुतोष रूप का प्रभाव मेरे ऊपर सबसे ज्यादा पड़ा है क्योंकि वह बहुत भोला है, दयालु हैं और सबको जल्दी से माफ कर देते हैं। मैं उनसे सबसे ज्यादा कनेक्ट करता हूं।

AI का एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर कैसा रहेगा प्रभाव?

मोहित ने इस दौरान मनोरंजन जगत में AI पर भी बात की। जब हमने पूछा कि AI एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को किस तरह प्रभावित करेगा? तो मोहित ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि कभी पूरी तरह AI से फिल्में और शोज़ बनेंगे। हालांकि यह बहुत अच्छी तकनीक है लेकिन उसे एक सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी AI बेस्ड महाभारत देखूंगा क्योंकि मुझे असली परफॉर्मेंस, असली लोग, असली इमोशंस चाहिए। ऑडियंस भी एक्टर से कनेक्ट होती है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि कभी पूरे AI बेस्ड शो बनेंगे।

पैसे को लेकर आपका पहला सबक क्या है?

मेरी जिंदगी में पैसा कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। मैं हमेशा से अच्छा काम करना चाहता था। बस इतना था कि मैं अपना घर खरीद लूं और गाड़ी ले लूं। लेकिन अब लगता है कि थोड़ा सा बैलेंस होना चाहिए क्योंकि अब मेरे पास परिवार है। जैसे पहले मैं रोल को तवज्जो देता था और सोचता था कि उसके लिए पैसों से समझौता कर लूंगा। लेकिन अब मैं पैसों को लेकर समझौता नहीं करता। अब मैं जो डिजर्व करता हूं, वह मांगता हूं और वह मिल भी रहा है।

8 घंटे नहीं 12 घंटे की वर्किंग शिफ्ट ठीक

मोहित मलिक ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर कहा, हमारे यहां आमतौर पर 12 घंटे की शिफ्ट होती है और मुझे उससे कोई समस्या नहीं है। जो लोग यह कहते हैं कि बस आठ घंटे की वर्क शिफ्ट होनी चाहिए, तो यार आप प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के बारे में भी तो सोचो। एक एक्टर सेट पर आता है, फिर एक घंटा वह मेकअप करवाता है। तो आठ घंटे में कितना ही काम होगा। मुझे 12 घंटे ठीक लगते हैं। मैं उससे ज्यादा शूटिंग नहीं करता। हां, ये जरूर है कि शूटिंग के घंटे 14 नहीं होने चाहिए। 14 घंटे आप बतौर एक्टर काम कर भी नहीं सकते। 12 घंटे से ज्यादा काम करना आसान नहीं होता। मगर आठ घंटे से प्रोड्यूसर का बहुत नुकसान होगा।

आपकी पहली कमाई क्या थी?

मेरी पहली कमाई दिल्ली में थी और उससे मैंने कुछ खरीदा नहीं था। मैंने अपनी दादीजी को जाकर चेक दे दिया था। उसके बाद तो मैंने शुरू में कपड़े खरीदना और जो लड़कों के शौक होते हैं, वह पूरे किए थे।

आपका सेविंग मंत्र क्या है?

सेविंग मंत्र है कि लगभग 30-40 फीसदी कमाई में से बचाना होता है। ज़ाहिर है कि सेविंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि हम जिस ऐक्टिंग की इंडस्ट्री में हैं, वह बहुत ही अनिश्चित है। हालांकि हम देखते हैं कि हमारा मासिक खर्च कितना है और हम कितना बचा सकते हैं।
आपने अब तक सबसे महंगा खर्च क्या किया है?
सबसे महंगा तो मैंने अपना घर ही लिया है मुंबई में।

आपका रिटायरमेंट प्लान क्या है?

मैंने उसे लेकर कोई प्लान नहीं बनाया है। इसलिए चाहता हूं कि जब तक जिंदा रहूं, एक्टिंग करता रहूं।
आप युवाओं को क्या सलाह देना चाहेंगे?
पैसे की सेविंग बहुत जरूरी है। और उसी के साथ जिंदगी एंजॉय करनी भी जरूरी है। सिर्फ सेविंग के चक्कर में आज की जिंदगी मत गंवाओ। तो जितना कमा रहे हो, उसमें से थोड़ा एंजॉय करने के लिए खर्च करो। मगर पूरा मत खर्च करो। थोड़ा सेविंग भी करो।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009